धनबाद
बुधवार 01.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-129 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-2
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

हूल आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध डटे रहने की प्रेरणा देता है : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हूल दिवस के अवसर पर वीर योद्धा सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित संताल हूल के सभी अमर शहीदों को हूल जोहार किया है। साथ ही सोशल पर लिखा (ओल चिकी लिपि में) है कि हूल की मशाल बुझी नहीं है, वह आज भी हमें अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने और न्याय, सम्मान तथा अधिकार की लड़ाई को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने लिखा है-३० जून १८५५ को संताल परगना की पावन धरती भोगनाडीह से अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध हूल की क्रांति का शंखनाद हुआ था। हमारे पूर्वजों ने स्पष्ट संदेश दिया था कि जल, जंगल, जमीन, भाषा, संस्कृति और हमारी अस्मिता पर किसी भी प्रकार का अत्याचार कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकार और सम्मान की रक्षा के लिए हमारे वीर योद्धाओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, लेकिन अन्याय के सामने कभी झुके नहीं। इधर आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने हूल दिवस के अवसर पर मोरहाबादी, रांची स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। सिदो-कान्हू उद्यान परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदाताओं के बीच प्रशस्ति-पत्र भी वितरित किए।

मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण

मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आज ऐतिहासिक दिवस है। एक ऐसा दिवस, जब शोषण के विरूद्ध जबरदस्त आवाज उठाई गई थी। देश में शोषण से निकलने के लिए किसी के पास कोई रास्ता नहीं दिख रहा था, उस समय आदिवासी समाज के वीरों ने शोषण के विरुद्ध मोर्चा खोला। परिणाम क्या होगा इसकी चिंता किए बगैर हूल क्रांति के अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगना फूलो-झानो ने देश के लोगों पर हो रहे शोषण के विरूद्ध बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि आज भी यह देखा जा रहा है कि कहीं-ना-कहीं क्रांति, संघर्ष जगह-जगह पर कमजोर वर्गों के शोषण के विरुद्ध प्रतिरोध से ही शुरू होता है। आज इन वीर सपूतों पर हम सभी को गर्व है। हमारे अमर वीर सपूत देश और समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों की बदौलत ही झारखंड को वीरों की धरती कही जाता है। राज्य में कई ऐसे अवसर हैं, जिस दिन हम सभी लोग महापुरुषों को याद करते हैं और उनके आदर्शों पर चलने की प्रतिज्ञा लेते हैं। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग बुझती नहीं है। बुझाई भी नहीं जा सकती। क्रांति की चिंगारी सदैव जलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई जगह आज भी ऐसी क्रांति के स्मारक पर निरंतर दीप जलता रहता है। उन्होंने दिल्ली के राजघाट एवं इंडिया गेट में भी दीप जलते रहने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि वीरों की इस पावन भूमि का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

चुनाव आयोग की प्रकिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी

नई दिल्ली (ईएमएस): चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर २३ विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को पत्र लिखा। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआरकी प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआरका उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। पत्र पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कडग़म समेत २३ विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल है। पत्र में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआरप्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ८ जून को इंडिया ब्लॉक की बैठक में लेटर भेजने का फैसला लिया गया था। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल भाजपा को फायदा पहुंचाने और चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से विपक्षी दलों ने सीजेआई को पत्र लिखकर चुनावी प्रक्रिया की न्यायिक समीक्षा की मांग की है। सागरिका ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि २३ विपक्षी दलों ने संयुक्त रूप से सीजेआई को पत्र लिखकर न्यायपालिका से अपील की है कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल भाजपाके फायदे के लिए किस तरह किया जा रहा है, इसकी जांच की जाए।

वॉशिंगटन के न्यौते पर दिसंबर में अमेरिका जाएंगे पीएम मोदी!

व्यापारिक साझेदारी और कूटनीति का संतुलन

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल दिसंबर में अमेरिका की यात्रा कर सकते हैं, इस बात का संकेत भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दिया है। हालांकि, भारत की ओर से इस दौरे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह उस समय होगा जब पीएम मोदी के जी-२० शिखर सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है। गोर ने विश्वास व्यक्त किया कि अमेरिका प्रधानमंत्री मोदी का एक बार फिर स्वागत करने के लिए उत्सुक है, भले ही उनके कार्यक्रम को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा न की गई हो।

हाल ही में, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका आने का निमंत्रण दिया था, जिस पर उस वक्त कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। राजदूत गोर ने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौता जल्द ही अंतिम रूप ले सकता है, क्योंकि भारत और अमेरिका के व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और दोनों देशों की कंपनियां एक-दूसरे के यहां निवेश और कारोबार बढ़ा रही हैं। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम लीडरशिप समिट २०२६ में बोलते हुए, गोर ने यह भी घोषणा की कि मार्को रुबियो इस साल के अंत में भारत का दूसरा दौरा करेंगे, जो अमेरिका के भारत के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को गहरा करने के प्रयासों को दर्शाता है। गोर ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका को भारत पर पूरा भरोसा है और वह उसे अपना विश्वसनीय तथा मजबूत रणनीतिक साझेदार मानता है।

36 साल बाद यासीन मलिक की चार्जशीट पेश

श्रीनगर (ईएमएस): कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट के किड्नैप और हत्या के ३६ साल पुराने केस में जम्मू-कश्मीर की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने चार्जशीट कोर्ट में पेश की है। ७३७ पन्नों की चार्जशीट में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के तत्कालीन चीफ कमांडर यासीन मलिक समेत ५ लोगों को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट के मुताबिक, यासीन मलिक और उसके साथियों ने सरला भट्ट की किडनैपिंग और उनकी हत्या की साजिश रची थी। यासीन फिलहाल आतंकी फंडिंग के मामले में तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। वहीं, मुख्य शूटर खुर्शीद अहमद चालको अब भी फरार है। उसके पीओके में छिपे होने की आशंका है। सरला को गोली मारने वाला वही था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार होंगे एचडीएफसी बैंक के नए चेयरमैन

मुंबई (ईएमएस): देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त और पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को अपना नया अंशकालिक गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय लिया है। बैंक के निदेशक मंडल ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। हालांकि, उनकी नियुक्ति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अंतिम स्वीकृति मिलने के बाद ही प्रभावी होगी।

बैंक की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, राजीव कुमार को चार वर्ष की अवधि के लिए स्वतंत्र निदेशक (इंडिपेंडेंट डायरेक्टर) नियुक्त करने का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके लिए बैंक के शेयरधारकों की मंजूरी आवश्यक होगी। दोनों मंजूरियां मिलने के बाद वह औपचारिक रूप से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। राजीव कुमार का प्रशासनिक और वित्तीय क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। वह वर्ष २०२४ के लोकसभा चुनाव के दौरान देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्यरत रहे और चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले उन्होंने भारत सरकार में वित्त सचिव के पद पर रहते हुए बैंकिंग, वित्तीय सुधारों और आर्थिक नीतियों से जुड़े कई अहम निर्णयों में योगदान दिया था।

एचडीएफसी बैंक में उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद शीर्ष नेतृत्व का पद रिक्त हो गया था। बैंक प्रबंधन का मानना है कि राजीव कुमार का व्यापक प्रशासनिक अनुभव और वित्तीय क्षेत्र की गहरी समझ संस्थान के दीर्घकालिक विकास में सहायक सिद्ध होगी।

नारा लोकेश ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेंट की 400 साल पुरानी श्रीराम पट्टाभिषेक कलाकृति

नई दिल्ली (ईएमएस): आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें लगभग ४०० वर्ष पुरानी पारंपरिक एटिकोप्पाका श्रीराम पट्टाभिषेक कलाकृति भेंट की। यह कलाकृति आंध्र प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और हस्तशिल्प विरासत का प्रतीक मानी जाती है। मुलाकात के दौरान नारा लोकेश ने राष्ट्रपति को आंध्र प्रदेश की जनता की ओर से शुभकामनाएं और आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य की पारंपरिक कला और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना उनके लिए गर्व की बात है। एटिकोप्पाका की लकड़ी की हस्तशिल्प कला अपनी प्राकृतिक रंगों और उत्कृष्ट कारीगरी के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध है। नारा लोकेश ने बताया कि श्रीराम पट्टाभिषेक की यह दुर्लभ कलाकृति भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के राज्याभिषेक के दृश्य को दर्शाती है। यह न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आंध्र प्रदेश की सदियों पुरानी शिल्प परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रतिनिधित्व करती है। इस मुलाकात की तस्वीरें और जानकारी नारा लोकेश ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर साझा कीं।

सुन लो हुमायूं कबीर, अब ममता बनर्जी बंगाल की सीएम नहीं हैं

सीएम सुवेंदु ने भड़काऊ और अपमानजनक भाषण देने पर दी चेतावनी

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने विधायक और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर को भड़काऊ और अपमानजनक भाषण देने के लिए चेतावनी दी और कहा कि अब बहुत हो चुका है। सीएम ने कहा कि हाल ही में रेजीनगर और शक्तिपुर में हुए कार्यक्रमों में हुमायूं ने जो भाषण दिए, उन्हें देखते हुए एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उनके मुताबिक हुमायूं कबीर ये सब इसलिए कह रहे हैं क्योंकि वह रेजीनगर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में अपने बेटे को जिताना चाहते हैं, जिसे उन्होंने खाली छोड़ा था। हालांकि सीएम सुवेंदु ने कहा कि अब ऐसी बातें नहीं की जा सकतीं और हुमायूं से 'संयम बरतने' को कहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सुवेंदु ने उन भाषणों को पढ़कर सुनाया, जो हुमायूं ने अपने विधानसभा क्षेत्र में पहले दो कार्यक्रमों में दिए थे। अधिकारी ने कहा कि दो घटनाओं के बाद, मुझे लगा कि अब बहुत हो चुका है। मैं आपको साफ-साफ बता रहा हूं, ममता बनर्जी अब सीएम नहीं है। अब तक एक कमजोर सीएम मिलने के बाद आपने जो चाहा, वह किया। सुवेंदु ने कहा कि मैंने आपको बताया, मैंने दो एफआईआर दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हुमायूं को ऐसी भाषा में बात करने का अधिकार किसी ने नहीं दिया था। सुवेंदु ने यह भी बताया कि नौदा के विधायक ऐसा क्यों कह रहे है। मुझे पता है कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं। मुझे राजनीतिक कारण पता हैं।

कैबिनेट फेरबदल की अटकलों के बीच पीएम मोदी की बड़ी बैठक

सभी मंत्रालयों के सचिवों के साथ मंथन

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल की चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सचिवों की अहम बैठक बुलाई। सेशेल्स दौरे से लौटने के एक दिन बाद आयोजित इस बैठक को सरकार के आगामी प्रशासनिक और नीतिगत एजेंडे के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के सचिव अपने-अपने विभागों के कामकाज, प्रमुख योजनाओं और सुधारों की प्रगति पर प्रस्तुति देंगे। बैठक में प्रशासनिक सुधारों, सुशासन और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर रहने की संभावना है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' से जुड़े सुधारों की समीक्षा कर सकते हैं। साथ ही अगले चरण के सुधारों और सरकारी सेवाओं की बेहतर डिलीवरी को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार का लक्ष्य वर्ष २०४७ तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है।

पेट्रोकेमिकल्स की पाइपलाइन में आग, 15 झुलसे

हल्दिया (ईएमएस): पश्चिम बंगाल के हल्दिया में सोमवार देर रात २:४५ बजे नेफ्था सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में ब्लास्ट के बाद आग गई। इसकी चपेट में हल्दिया नगर पालिका के वार्ड-१३ के चिरंजीबपुर इलाके के कई घर आ गए। घटना में १५ लोग झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, सभी पीड़ितों को हल्दिया सब-डिविजनल अस्पताल में एडमिट कराया गया। ५ को तमलुक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से २ लोगों की हालत गंभीर है। आग बुझाने में १२ से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जुटी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आग सबसे पहले हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स की नेफ्था पाइपलाइन में दिखी। कुछ ही देर में आग आसपास के रिहायशी इलाके तक फैल गई। साउथ रेलवे के मुताबिक जहां आग लगी उसके पास से हल्दिया और दुर्गाचक लाइन गुजरी है। फिलहाल ट्रेन सर्विस रोकी गई है।

जनरल द्विवेदी आर्मी चीफ पद से रिटायर

नई दिल्ली (ईएमएस): जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने मंगलवार को कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के ३१वें आर्मी चीफ हैं। उन्हें भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने दिसंबर १९८६ सेना ज्वॉइन की थी। वहीं रिटायरमेंट से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

ओडिशा की किताब में छपा निंबूड़ा-निंबूड़ा गाना शिक्षा मंत्री बोले- गलती बर्दाश्त नहीं होगी

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा की कक्षा ५ की सरकारी अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक में मशहूर गीत निंबूड़ा-निंबूड़ा के बोल छपने का मामला सामने आने के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था और पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर भी इस चूक को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। बताया जा रहा है कि कक्षा ५ की अंग्रेजी की पुस्तक के एक अध्याय में वर्ष १९९९ की फिल्म हम दिल दे चुके सनम में इस्तेमाल किया गया लोकप्रिय गीत लगभग हूबहू प्रकाशित हो गया। यह गीत मूल रूप से एक राजस्थानी लोकगीत है, जिसे फिल्म में ऐश्वर्या राय पर फिल्माया गया था। किताब में इस तरह की सामग्री छपने के बाद लोगों ने सवाल उठाए कि संपादन और समीक्षा प्रक्रिया के दौरान इतनी बड़ी गलती कैसे नजरअंदाज हो गई। मामले पर ओडिशा के स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और ऐसी लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निर्देश पर गठित समिति ने पाठ्यपुस्तकों में मिली त्रुटियों की जांच की है और जिन अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है, उनके खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। साथ ही छात्रों को जल्द संशोधित पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है।

असम में बाढ़ से 22 हजार से अधिक लोग प्रभावित

यूपी-बिहार और छत्तीसगढ़ में पेड़ व बिजली गिरने से 13 की मौत ✪ मानसून की रफ्तार थमी, उत्तर भारत में गर्मी का कहर

नई दिल्ली (ईएमएस): देश के कई हिस्सों में मौसम के दोहरे तेवर देखने को मिल रहे हैं। जहां उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में बारिश, आंधी चलने और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ है, वहीं मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ में पेड़ गिरने तथा आकाशीय बिजली की घटनाओं में १३ लोगों की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ने लगी है। सोमवार को लखनऊ समेत १५ जिलों में तेज बारिश हुई। मिर्जापुर में भारी बारिश के बाद एक अंडरपास में करीब तीन फीट पानी भर गया। फिरोजाबाद में ई-रिक्शा पर नीम का पेड़ गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। बस्ती और महराजगंज जिलों में बिजली गिरने से दो लोगों की जान चली गई। बिहार के १५ जिलों में आंधी और बारिश का असर देखा गया। सीतामढ़ी, मुंगेर और पटना में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि २४ लोग झुलस गए। वहीं, छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में बिजली गिरने से दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौत हो गई।

एक तरफ बारिश और बाढ़ के समाचार हैं तो दूसरी ओर, मानसून की रफ्तार मध्य प्रदेश और गुजरात में थम गई है। २४ जून को इन राज्यों में प्रवेश करने के बाद मानसून आगे नहीं बढ़ सका है। हालांकि, मौसम विभाग ने ५ जुलाई तक पूरे देश में मानसून के पहुंचने की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश में सोमवार को १२ जिलों में बारिश दर्ज की गई।

पूर्वोत्तर भारत में लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल प्रदेश में लेकू नदी के उफान पर आने से असम के जोनाई क्षेत्र में भीषण बाढ़ आ गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-५१५ भी जलमग्न हो गया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य के छह जिलों में २२ हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। धेमाजी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां लगभग १६ हजार लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात के कई शहरों में तापमान ४० डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। हरियाणा के रोहतक में सबसे अधिक ४३.५ डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों के दौरान छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में हीटवेव की स्थिति बने रहने की संभावना जताई गई है।

संपादकीय

संविधान नीति-नियामक है, उसे उचित सम्मान भी मिलना चाहिए

भारत का संविधान कई दृष्टियों से एक विश्व का अनोखा दस्तावेज है जिसमें लोकतंत्र की सुरक्षा ही नहीं बल्कि उसको कार्यान्वित करने की व्यवस्था भी एक स्वायत्त प्रणाली के ढंग से की गई है. इतिहास पर नजर डालें तो सन 50 से 75 तक की एक चौथाई सदी की अवधि बहुत सी चुनौतियों से भरी रही और उनके लिए संघर्ष करता हुआ देश उन पर क़ाबू पाने में भी बहुत हद तक सफल भी रहा. देश के सामने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य ही नहीं युद्ध की भी चुनौतियां आईं और उनसे निपटने में सफलता भी मिली.

ज्यादा ब्यौरे में न जा कर यह कहना पर्याप्त होगा कि भारत के लोगों ने श्रीमती इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में हृदय से स्वीकार किया था. परंतु परिस्थितियों ने पलटी खायी. श्रीमती गांधी की राजनीतिक सोच और दृष्टि में गंभीर परिवर्तन हुआ. उनके निकट सहयोगियों ने जो अक्ल लगाई और राय दी उससे सन 1975 की जून की पचीसवीं तारीख को लोकतंत्र के इतिहास में एक अनहोनी घटना को जन्म दिया. लोकतंत्र की सामान्य स्थिति की जगह आपातकाल की घोषणा कर प्रचलित व्यवस्था एक आदेश से मुल्तबी हो गई. इमरजेंसी लागू कर पूरे विपक्ष को कतघरे में डाल दिया गया. पूरे देश में अनेक निर्दोष लोगों को जेल में डाल दिया गया और असहमति की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई. संविधान की उद्देशिका भी अपनी पसंद से बदल दी गई. उस दौर नागरिक के मौलिक अधिकारों पर पाबंदी के दौरान किस्म-किस्म के अत्याचार हुए. राजनीतिक लाभ के लिए समाज और लोकतंत्र की आत्मा के हनन का यह आख्यान लोक स्मृति में बैठ गया. लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थगित करने वाले आपातकाल लागू करने की स्मृति भारतीय लोकतंत्र की कथा में एक दुखद घटना के रूप में सदा के लिए अंकित हो गई. तत्कालीन घटनाक्रम और बाद में जो कुछ परिवर्तन हुआ वह इस बात का गवाह है कि इस कदम के चलते देश के राजनैतिक परिदृश्य में निर्णायक मोड़ आया. बाबू जयप्रकाश नारायण की सम्पूर्ण क्रांति के आह्वान के बाद पूरे देश में राजनीति में जन-संवाद और जन-भागीदारी नए सज-धज के साथ सक्रिय हुई.

राजनीति का नैतिक मूल्यों से रिश्ता कमजोर होने की स्थिति में यदि राजनेता रास्ता भटक रहे हैं तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है. आजकल वैचारिक या नीतिगत पसंद और प्रतिबद्धता को छोड़ कर छोटे-छोटे स्वार्थ न सध पाने की स्थिति में और असंतुष्ट होने पर हर कोई छोटा बड़ा नेता अपने नए-नए दल बनाने में जुटने लगे हैं.

आज दलों का दल-दल अनेक राज्यों में सक्रिय हो रहा है और प्रदेश और नेताओं के लिए देश की प्रगति या विकास का मुद्दा कोई अर्थ नहीं रख रखता. वह तभी प्रासंगिक होता है यदि वह उनके सीमित और निहित स्वार्थ के साथ जुड़ पा रहा है. ऐसे माहौल में संविधान को लोग गंभीरता से नहीं लेते और उसकी रक्षा जटिल सिद्ध हो रही है. उल्लेखनीय है कि अब तक उसमें सवा सौ से ज्यादा संविधान-संशोधन संसद द्वारा स्वीकृत कर लागू किए जा चुके हैं.

साथ ही संविधान की समग्र संरचना की समीक्षा और उसमें व्यापक परिवर्तन लाने की कवायद करने की बात भी यदा-कदा उठाई जाती रही है. वर्तमान संविधान की व्यवस्था व्यापक है. परंतु उसकी व्याख्या और दुर्व्याख्या भी होती रहती है. मोटे तौर पर संविधान लागू है और विधि-विधान उसी के अनुरूप हैं. कम से कम सैद्धांतिक रूप से उसी के अनुसार सरकार के संचालन और कानून की व्यवस्था करने पर जोर है परंतु संविधान के वायदे के अनुसार मौलिक अधिकारों का पालन न कर उसके प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हनन और उल्लंघन की घटनाएँ भी अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं. विगत बारह वर्षों से केंद्र की सरकार में स्थिरता है और देश को आगे रख कर विकास की नीति पर गहनता से काम किया जा रहा है. समाज के पिछड़े वर्गों की स्थिति में सुधार के फलस्वरूप अति गरीबी से बड़ी संख्या में लोगों को छुटकारा मिला है. यातायात की सुविधाओं में बहुत सुधार हुआ है. शिक्षा की दृष्टि से बदलाव के लिए प्रयास जारी है. कानून-व्यवस्था में भी सुधार लाया जा रहा है. एक समर्थ और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता तो प्रकट है पर उसे साकार करने के लिए जरूरी सत्य-निष्ठा और आत्म-नियंत्रण भी जरूरी है.

एक श्रेष्ठ कार्य संस्कृति को स्थापित करना भी जरूरी है. भ्रष्टाचार और अपराध की घटनाओं को देखते हुए यह कहना कठिन है कि संविधान अपना काम पूरी तरह ठीक से कर रहा है या उसे काम करने दिया जा रहा है. संविधान नीति-नियामक है लेकिन उसे उचित सम्मान भी मिलना चाहिए. उसे लागू करना और उसका दुरुपयोग होने से रोकना भी जरूरी है. संविधान के प्रावधानों की अवहेलना और कुव्याख्या के भी मामले सामने आते रहते हैं. ऐसे में आचरण की चुनौती व्यापक स्तर पर सचेत होकर कार्य करने के लिए चेतावनी देती है. संविधान लोकतंत्र और समाज के हित में कार्य करता रहे इसके लिए सरकार और जनता सबकी प्रतिबद्धता जरूरी है.

सुपर कंप्यूटर की दुनिया में आखिर भारत कहां है?

चीन के लाइनशाइन सुपर कंप्यूटर ने अमेरिकी एल पैपिटन को दूसरे नंबर पर पहुंचा दिया है. कहा जा रहा है कि एल पैपिटन के मुकाबले लाइनशाइन बीस प्रतिशत ज्यादा तेज है. ऐसे में मन में यह सवाल कौंधना स्वाभाविक है कि सुपर कंप्यूटर के क्षेत्र में हमारा देश कहां खड़ा है? चीन ने अपना पहला सुपर कंप्यूटर 1983 में बनाया था जबकि भारत ने यह काम 1991 में किया. हमारे पहले सुपर कंप्यूटर का नाम था परम 8000. भारत के पहले सुपर कंप्यूटर के निर्माण के पीछे एक चुनौतीपूर्ण कहानी है. दरअसल भारत ने मौसम की सटीक भविष्यवाणी और उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अमेरिका से आग्रह किया कि वह अपना शक्तिशाली क्रे सुपर कंप्यूटर भारत को उपलब्ध कराए. पहले तो अमेरिका ने साफ इनकार कर दिया. कुछ दिनों बाद कहा कि कंप्यूटर वाले कमरे में अमेरिकी विशेषज्ञों की निगरानी यदि रहेगी तो वह देने को तैयार है. निश्चय ही यह बेहद अपमानजनक शर्त थी. तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने वैज्ञानिक डॉ. विजय भटकर के नेतृत्व में एक टीम को स्वदेशी सुपर कंप्यूटर विकसित करने को कहा. इसके लिए पुणे में सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग की स्थापना की गई. केवल तीन साल की अवधि में और भारतीय वैज्ञानिकों ने करिश्मा कर दिखाया. यदि हम दुनिया के आंकड़े देखें तो टॉप 500 सुपर कंप्यूटर की लिस्ट में निश्चय ही अमेरिका का पलड़ा बहुत भारी है. उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसके पास 161 सुपर कंप्यूटर हैं जबकि जापान के पास 44 और जर्मनी के पास 41 हैं. सूची में चीन के 40 सुपर कंप्यूटर हैं लेकिन चीन के बारे में यह धारणा सर्वमान्य है कि वह सही जानकारी नहीं देता है. संभव है कि उसके पास ज्यादा सुपर कंप्यूटर हों या फिर कम हों. जहां तक भारत का सवाल है तो हमारी स्थिति लगातार सुधरी है. टॉप 100 में एरावत नाम का हमारा सुपर कंप्यूटर शामिल है जो पुणे स्थित में स्थापित है. भारत में राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत तेजी से नए-नए सुपर कंप्यूटर विकसित किए जा रहे हैं. इस मिशन के तहत देश में 40 से ज्यादा सुपर कंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं. मगर यह मानने में हर्ज नहीं है कि हमारे यहां धनराशि की कमी के कारण हम उस मुकाम पर अभी नहीं पहुंचे हैं, जहां हमें पहुंचना चाहिए था. अच्छी बात है कि मौजूदा सरकार ने भी सुपर कंप्यूटर को अपनी प्राथमिकता में रखा है. सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परम रुद्र' सुपर कंप्यूटर्स की एक श्रृंखला का लोकार्पण किया था. ये सुपर कंप्यूटर पुणे में विशाल मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप के लिए, दिल्ली में अंतर-विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र के लिए तथा कोलकाता में एस.एन. बोस राष्ट्रीय बुनियादी विज्ञान केंद्र के लिए काम कर रहे हैं. निश्चय ही देश को न केवल संख्यात्मक दृष्टि से और ज्यादा सुपर कंप्यूटर की जरूरत है बल्कि गुणवत्ता के हिसाब से हमें टॉप 10 में पहुंचने की भी जरूरत है. भारत ने हाल के वर्षों में कई इतिहास रचे हैं. उम्मीद करें कि सुपर कंप्यूटर की दुनिया में भी हम नया इतिहास रचें.

आज का कार्टून

जल संरक्षण में जवाबदेही की जरूरत

अप्रैल 2026 में मध्य अफ्रीकी देश चाड के एक प्रांत में दो समूहों के बीच एक जल-स्रोत पर कब्जे को लेकर शुरू हुई झड़प देखते-ही-देखते हिंसक प्रतिशोध में बदल गई। इसमें 42 लोग मारे गए। ये तमाम घटनाएं दुखद तो हैं ही, दुनिया को आगाह करने वाली भी हैं। वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण संघर्षों और विवादों से निपटने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है। जरूरी है कि समाज अब जल स्रोतों, विशेष रूप से भूजल स्रोतों के संरक्षण और उनके सदुपयोग के प्रति जागरूक और जवाबदेह बने। इसके अतिरिक्त, वर्षा जल एवं अपशिष्ट जल के शोधित स्वरूप यानी शोधित जल के उपयोग के प्रति भी समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी है, अन्यथा भविष्य में परिस्थितियां जीवन के प्रतिकूल बन सकती हैं।

चेतनादित्य आलोक

आजकल दुनिया भर के विचारकों, चिंतकों, समाज विज्ञानियों, मानवाधिकार विशेषज्ञों, पर्यावरण वैज्ञानिकों और सरकारों को संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बुतरस घाली का लगभग तीन दशक पुराना वह कथन याद आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया भर में पानी की कमी से जुड़ी परेशानियों के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए हो सकता है। निस्संदेह उन्होंने बहुत ही गंभीर समस्या की ओर इशारा किया था। मगर उनकी चेतावनी पर ज्यादातर देशों ने कोई ध्यान नहीं दिया। अगर दुनिया ने उनकी बात मान ली होती, तो क्या संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट में यह कहा जाता कि स्वच्छ पेयजल के अभाव में प्रतिवर्ष दुनिया भर में चौदह लाख से भी अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसलिए सभी देशों की सरकारों को जल संसाधन में निवेश करना चाहिए।

वास्तव में यह दुखद स्थिति है कि साफ पीने का पानी न मिलने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियों का शिकार होकर लाखों लोग प्रतिवर्ष अपनी जान गंवा देते हैं। जाहिर है कि दुनिया भर की सरकारों को संयुक्त राष्ट्र की बात को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधनों के संरक्षण में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ने जिस निवेश की बात कही है, वह दरअसल, देशों की अर्थव्यवस्था तथा उनके नागरिकों के भविष्य में निवेश है। जब यह निवेश जन-साधारण तक शुद्ध पानी की पहुंच को सुनिश्चित करेगा, तब इसके अभाव में होने वाली बीमारियों से नागरिकों का बचाव हो सकेगा। इससे मानव संसाधन की सुरक्षा तो होगी ही, साथ ही लोगों के इलाज पर होने वाले खर्चों पर भी अंकुश लग सकेगा। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ में भी कमी आएगी।

इस प्रकार, यह निवेश पानी के मामले में दुनिया के तमाम जागरूक देशों का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित कर सकता है। विश्व बैंक की उस चेतावनी को याद करना चाहिए, जिसमें उसने अपने ही एक अध्ययन के आधार पर यह दावा किया है कि वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण वर्ष 2030 तक विश्व भर में लगभग सात करोड़ लोगों को विस्थापन का दंश झेलना पड़ सकता है। विश्व बैंक की आशंका विश्व भर के जलाशयों में जल भंडारण की लचर व्यवस्था को लेकर है, जो बिल्कुल सही प्रतीत होती है। ऐसे में विस्थापितों का आंकड़ा उसके आंकड़े से अधिक भी हो सकता है।

भारत की बात करें, तो देश के प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण की व्यवस्था आज भी लचर बनी हुई है और इसमें सुधार होने के बजाय यह लगातार बिगड़ती जा रही है। जलाशयों और नदियों की निगरानी करने वाले केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, देश भर के सभी 166 जलाशयों में जल भंडारण 40 फीसद से भी नीचे गिर गया है।

वहीं, देश के सभी 20 नदी बेसिनों में भी जलस्तर लगातार घटता जा रहा है। असम, गोवा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के जलाशयों में जलस्तर पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गया है। आयोग ने नौ अप्रैल 2026 को जारी अपने बुलेटिन में जलस्तर में तेजी से गिरावट की चेतावनी दी थी।

फिर 30 अप्रैल के अपने बुलेटिन में भी आयोग ने बताया था कि इन जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय भंडारण 71.082 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो इनकी कुल क्षमता का केवल 38.72 फीसद ही है, जबकि नौ अप्रैल को यह 44.71 फीसद था। यानी महज 21 दिनों में ही देश के सक्रिय जल भंडारण में छह फीसद से अधिक की कमी आ गई। अब केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 11 जून 2026 को देश के सभी 166 जलाशयों में केवल 51.92 बीसीएम पानी ही बचा हुआ है, जबकि इन जलाशयों की कुल सक्रिय भंडारण क्षमता 183.565 बीसीएम है, जो देश में अनुमानित कुल क्षमता 257.812 बीसीएम का करीब 71.20 फीसद ही है। यानी देश भर के जलाशयों में अब उनकी कुल जल भंडारण क्षमता का केवल 28.28 फीसद जल ही बचा हुआ है, जो एक आपात स्थिति का संकेत है। तात्पर्य यह कि आने वाले सप्ताहों में सिंचाई, पेयजल आपूर्ति एवं जलविद्युत परियोजनाओं के लिए देश को एक बार फिर मानसून पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। बहरहाल, बुतरस घाली के अनुसार तीसरा विश्वयुद्ध तो शायद कभी न हो और हम सभी को ऐसा ही सोचना चाहिए। मगर यह सच्चाई है कि पानी के लिए भारत सहित दुनिया भर में हिंसक संघर्ष की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं।

वैश्विक स्तर पर पानी पर काम कर रही संस्था 'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' ने इस बारे में हैरान करने वाले आंकड़े साझा किए हैं। इनके अनुसार, वर्ष 2000 में जल संसाधनों को लेकर दुनिया भर में हुए टकरावों की महज बाईस घटनाएं ही सामने आई थीं। वहीं, 2022 में ऐसी 231 घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2023 में बढ़ कर 347 तक पहुंच गईं।

इस प्रकार, वर्ष 2023 में जल संसाधनों को लेकर होने वाली हिंसक घटनाओं में नाटकीय बढ़ोतरी देखी गई। इन घटनाओं में वृद्धि का सिलसिला पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी है, जिसमें अब तक 1,477 फीसद तक की बढ़ोतरी हो चुकी है। 'पैसिफिक इंस्टीट्यूट' के अनुसार, वर्तमान दशक के पहले चार वर्षों में ही जल संघर्ष के 785 मामले दर्ज किए गए हैं, जो पिछले पूरे दशक (2010) की तुलना में काफी अधिक है। पानी को लेकर वर्ष 2024 में विश्व स्तर पर संघर्ष के 420 मामले दर्ज किए गए, जिनमें मध्य पूर्व, यूक्रेन, भारत, ईरान और मैक्सिको की घटनाएं शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था 'यूएनओडीसी' के अनुसार, वर्ष 2019-2021 के बीच भारत में दर्ज हत्याओं में से लगभग 20 फीसद यानी प्रत्येक पांच में से एक हत्या पानी के लिए ही हुई। यह समग्र गंभीर स्थिति है। हालिया घटनाओं पर गौर करें, तो जून 2026 में देहरादून स्थित सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में पानी को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हुआ। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

इसी तरह, अप्रैल 2026 में मध्य अफ्रीकी देश चाड के एक प्रांत में दो समूहों के बीच एक जल-स्रोत पर कब्जे को लेकर शुरू हुई झड़प देखते-ही-देखते हिंसक प्रतिशोध में बदल गई। इसमें 42 लोग मारे गए। ये तमाम घटनाएं दुखद तो हैं ही, दुनिया को आगाह करने वाली भी हैं। वैश्विक सूखे और पानी के अभाव के कारण संघर्षों और विवादों से निपटने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है।

जरूरी है कि समाज अब जल स्रोतों, विशेष रूप से भूजल स्रोतों के संरक्षण और उनके सदुपयोग के प्रति जागरूक और जवाबदेह बने। इसके अतिरिक्त, वर्षा जल एवं अपशिष्ट जल के शोधित स्वरूप यानी शोधित जल के उपयोग के प्रति भी समाज को अपने नकारात्मक रवैए में बदलाव लाना बेहद जरूरी है, अन्यथा भविष्य में परिस्थितियां जीवन के प्रतिकूल बन सकती हैं।

आत्मचिंतन का आईना, सफलता पर अहंकार न करें

जिंदगी केवल सांस चलने भर का नाम नहीं है, बल्कि यह स्वयं को समझने और निरंतर बेहतर बनाने की यात्रा है। हम सभी जीवन में अनेक भूमिकाएं निभाते हैं, मसलन, माता-पिता, बेटा-बेटी, रिश्तेदार, मित्र, कर्मचारी या समाज का एक सदस्य। मगर सच यह भी है कि इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते कई बार हम स्वयं से दूर हो जाते हैं। ऐसे में आत्मचिंतन हमें अपने भीतर लौटने का अवसर देता है।

रश्मि वैभव गर्ग

आत्मचिंतन का अर्थ अपनी दृष्टि से अपने पक्ष में तर्क जुटाना नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों, भावनाओं, निर्णयों और व्यवहार का निष्पक्ष अवलोकन करना है। यह केवल स्वयं की कमियों को ढूंढ़ने का नहीं, बल्कि स्वयं को समझने का माध्यम है. जब हम दिनभर की घटनाओं पर शांत मन से विचार करते हैं, तब हमें पता चलता है कि कहां हमने सही निर्णय लिया और कहां हमारे भीतर किसी सुधार की आवश्यकता है। जिंदगी में सुख और दुख दोनों आते हैं। सुख हमें उत्साह देता है, दुख हमें अनुभव और परिपक्वता प्रदान करता है। आत्मचिंतन इन दोनों परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना सिखाता है। यह सिखाता है कि सफलता पर अहंकार न करें और असफलता में निराश न हों। हर घटना जीवन का पाठ है, जिसे समझना और उससे सीखना ही आत्मचिंतन का उद्देश्य है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में लोग बाहरी उपलब्धियों के पीछे भागते हैं, लेकिन आंतरिक शांति की उपेक्षा करते हैं। भौतिक सुख-सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन मन की शांति के बिना उनका आनंद अधूरा है। आत्मचिंतन हमें अपने वास्तविक लक्ष्य, मूल्यों और प्राथमिकताओं को पहचानने में सहायता करता है। जब व्यक्ति स्वयं को जान लेता है, तब वह दूसरों को भी बेहतर ढंग से समझ पाता है। दरअसल, आत्मचिंतन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें परिस्थितियों का दास बनने के बजाय उनका स्वामी बनाता है। हम अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं और जीवन को अधिक सकारात्मक दृष्टि से देखने लगते हैं। धीरे-धीरे हमारे भीतर धैर्य, सहनशीलता और आत्मविश्वास का विकास होता है। जिस तरह समुद्र मंथन से अमृत और विष दोनों की उत्पत्ति हुई थी, वैसे ही हमारे भीतर भी सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों तरह के विचारों का संचार होता है। उन सकारात्मक और नकारात्मक विचारों से खुद को समृद्ध कर अपना विश्लेषण करते हुए सकारात्मक कार्य करना ही जीवन का श्रेष्ठ मार्ग है, श्रेष्ठता है।

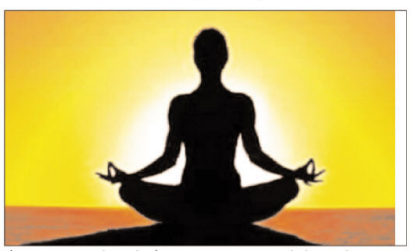

आत्मचिंतन स्वयं से मिलने की क्रिया

आत्मचिंतन स्वयं से मिलने की क्रिया है, जो मनुष्य जीवन को सफल बनाने में सहायक है। एक निरंतर बहने वाली नदी की तरह जिंदगी में कभी शांत जल होता है, तो कभी तेज धाराएं। इसके बीच आत्मचिंतन उस नाव की तरह है, जो हमें हर परिस्थिति में संतुलित रखती है। अगर हम प्रतिदिन कुछ समय बिल्कुल अपने साथ बिताएं, अपने मन की आवाज सुनें और अपने कर्मों का मूल्यांकन करें, तो जीवन अधिक सार्थक, संतुलित और आनंदमय बन सकता है।

सच यह है कि जो व्यक्ति स्वयं को जान लेता है, वह जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने की दिशा में पहला कदम उठा लेता है। विडंबना यह है कि हम दुनिया को जानने का दावा करते हुए उसमें अपनी ऊर्जा नाहक खर्च करते रहते हैं, लेकिन खुद को जानने को लेकर हमारे भीतर कोई जिज्ञासा पैदा नहीं होती। इसका हासिल क्या होता है? जबकि आत्मचिंतन स्वयं को समझने की कोशिश है। मनुष्य के बीच एक दिलचस्प प्रवृत्ति आम देखी जाती है कि वह सदैव दूसरों का आकलन करता रहता है। उस आकलन के बीच हम स्वयं को समझना ही भूल जाते हैं। जबकि अपना सुधार करना ही संसार की सबसे बड़ी सेवा है। यह एक ऐसी चुनौती है, जहां स्वयं को ही परखना होता है। परखने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि हम निष्पक्ष होकर अपना विश्लेषण करें। हर व्यक्ति की जीवन शैली अलग है और उसी के अनुरूप उसकी कसौटियां हैं। जरूरी नहीं कि हम बाहरी दुनिया को संतुष्ट करें, बल्कि हम आत्मचिंतन करके अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। मन बड़ा ही चलायमान होता है। उसमें पारदर्शिता होना काफी हद तक एक मुश्किल स्थिति है।

जब हम अपनी गलतियों को पहचानते हैं, तो खुद अपने ही वकील बन जाते हैं। किंतु-परंतु से जूझते हुए भी येन-केन-प्रकारेण हम अपने आप को निर्दोष साबित करना चाहते हैं। मगर हम स्वयं अवलोकन करें, तो अपना सत्य जान सकते हैं और उसी के अनुरूप अपनी भावी कर्म प्रणाली रख सकते हैं। जीवन जीना एक कला है और आत्मचिंतन उस कला को परखने की शक्ति है।इस शक्ति से हम जीवन में सुख का स्रोत बना सकते हैं। एक ऐसा स्रोत, जो हमारे अपने अंतस में निहित है। कहा जा सकता है कि जिंदगी और आत्मचिंतन एक-दूसरे के पूरक हैं। जिंदगी हमें अनुभव देती है और आत्मचिंतन उन अनुभवों से सीखने की क्षमता। जो व्यक्ति आत्मचिंतन को अपने जीवन का हिस्सा बना लेता है, वह परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि अपने जीवन का सजग निर्माता बन जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यस्त जीवन में कुछ समय आत्मचिंतन के लिए अवश्य निकालना चाहिए, क्योंकि वहीं वह मार्ग है, जो हमें आत्मज्ञान, संतोष और सच्ची सफलता की ओर ले जाता है। जीवन हमारे कर्म और उसकी प्राप्य-स्थली भी है, जहां हम खुद को समझ सकते हैं और भावी जीवन को सुधार सकते हैं। आत्मचिंतन वह कुंजी है, जो हमारे जीवन को निखार सकती है। हम अपने अवलोकन से ही स्वयं को बेहतर बना सकते हैं। एक उत्सव की तरह जीते हुए हम अपनी जिंदगी को महोत्सव बना सकते हैं। आत्मचिंतन उसी महोत्सव के साथ जीवन को सफल बनाने की राह है।

हूल दिवस पर अमर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

धनबाद (कासं) : धनबाद में वीर सिद्धूकान्हू के शहादत दिवस के

अवसर पर विभिन्न चौकचौराहों पर महान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धूकान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बरमसिया पुल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके बलिदान को याद किया। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वीर सिद्धूकान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि शहीद सिद्धूकान्हू का साहस, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति हमेशा लोगों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता रहेगा।

बीरेन्द्र हादसा ने भी कहा कि सिद्धूकान्हू के रास्ते पर चल कर आज के युवाओं को सीख लेने की जरूरत है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

धनबाद (कासं) : हूल क्रांति दिवस के अवसर पर भाकपा (माले) की ओर से टेम्पल रोड, पुराना बाजार स्थित जिला कार्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीर शहीद सिद्धो-कान्हो, फूलोझानो तथा चांद-भैरव की तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। वक्ताओं ने हूल विद्रोह के महानायकों के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाकपा (माले) के जिला सचिव कॉमरेड बिंदा पासवान ने कहा कि सिद्धोकान्हो और उनके साथियों ने आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक शोषण तथा महाजनी व्यवस्था और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक संघर्ष छेड़कर ब्रिटिश शासन को कड़ी चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि हूल आंदोलन ने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी और यह संदेश दिया कि भारत को लंबे समय तक गुलाम बनाए रखना संभव नहीं है।

वहीं बीसीकेयू के संयुक्त महामंत्री मानस चटर्जी ने कहा कि वर्तमान समय में शोषणमुक्त समाज के निर्माण के लिए मेहनतकश वर्ग और युवाओं को जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन और समानता आधारित व्यवस्था स्थापित करने के लिए संगठित जनसंघर्ष की आवश्यकता है। कार्यक्रम में जिला कमेटी के सुभाष चटर्जी, सुवास प्रसाद सिंह, विजय कुमार पासवान, बुटन सिंह, शशी पासवान, लकू अंसारी, विक्की पासवान, पुटूस पासवान, गौतम पासवान, शुभम पासवान और करण पासवान सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने हूल क्रांति के शहीदों को नमन करते हुए उनके संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

धनबाद (कासं) : ट्रेड यूनियंस सहित कई जनसंगठनों ने मिलकर बीएसएसआर यूनियन ऑफिस धनबाद में हूल दिवस मनाते हुए सेमिनार किया।

इस अवसर पर सेमिनार को उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का दमन आज भी जारी है, हम इसे अमरीकी साम्राज्यवाद और विश्व बैंक के रूप में देख सकते हैं।इसके सामने देश की मोदी सरकार नतमस्तक हैं। इनके उत्सव के रूप में आगे का कार्यक्रम का प्रस्ताव सीटू जिला महामंत्री राम कृष्णा पासवान ने रखा, जिसे बीएसएसआर यूनियन के नेता अरिंदम विश्वास समर्थन किए, जिसे बाद में उपस्थित

उद्घाटन करते हुए सीटू के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कॉ. ज्ञान शंकर मजूमदार ने कहा कि देश में १८५७ के स्वतंत्रता आंदोलन के पहले संथाल में हूल दिवस का इतिहास रहा है। आज ही के दिन १८५५ में भोगनाडीह में पारंपरिक हथियारों से लैस होकर सिद्धो - कहूं के नेतृत्व में अंग्रेजों - महाजनों के गठजोड़ शोषण के खिलाफ हूल का हुंकार भरा था, जिसमें इनका दो भाई चंद - भैरव और दो बहने फूलो -झानो ने मरते दम तक साथ रहा। इनका संघर्ष साम्राज्यवाद और महाजनी के खिलाफ जल - जंगल - जमीन और अपनी सांस्कृतिक रक्षा के लिए था। जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ने वाली शक्तियों को कुचल देना चाहते हैं। हमें सिद्धो - कान्हु के हूल की परंपरा को जीवित रखना होगा। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में लुट और सामाजिक - आर्थिक शोषण के विरुद्ध एक सशक्त कार्यक्रम चलना होगा। हम आज से इसकी शुरुआत जनउत्सव के रूप में लेते हैं, जो नवंबर, शहीद विरसा मुंडा जयंती तक चलाएंगे। इस अभियान के तहत आयोजित होने वाली संस्कृति कार्यक्रम, खेलकूद और संवाद, समाज में एक जुटता तथा प्रगतिशील सांस्कृतिक चेतना को जागृत करेंगे। इस अवसर पर जन सभी साथियों ने समर्थन किया।

कार्यक्रम शुरू होने से पहले सिद्दो -कान्हु के तस्वीर पर फूलमाला चढ़ाया, इसके साथ चांद -भैरव, फूलो -झानो को याद किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष आनंदमय पाल ने किया, सेमिनार का समापन भाषण जनवादी आंदोलन नेता कॉ गोपीकांत बक्सी ने किया। वक्ताओं में बीसीकेयू के भारत भूषण, मजदूर कर्मचारी समन्वय समिति कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत मिश्रा, बीएसएसआर यूनियन से संदीप अईच, बेफी से देवाशीष वैद्य के अलावा सपन माजी मुख्य रूप से शामिल थे।

बलियापुर (ससे) : भारतीय इतिहास में वर्ष १८५५ के संथाल विद्रोह या हुल विद्रोह को आदिवासी समुदाय के साहस, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। यह विद्रोह सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो, झानो के नेतृत्व में ब्रिटिश शासन, जमींदारों और महाजनों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ था और ब्रिटिश शासन की नींव हिला दिया था। आज उनको याद करते हुए दाड़दाहा में शहीदों के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। आदिवासी नृत्य और शहीदों के सम्मान में नारे लगाए गए। इस अवसर पर प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि झारखंड के इतिहास में संथाल विद्रोह का

महत्वपूर्ण स्थान है। इस विद्रोह के बाद अंग्रेज सोचने को मजबूर हो गया कि ताकत के बल पर आदिवासियों को दबाया नहीं जा सकता है। और इसी आंदोलन के बाद सीएनटी, एसपीटी लाया गया। मौके पर ईश्वर मरांडी, रमेश मरांडी, विमल मरांडी, भोलानाथ हेम्ब्रम, स्वपन कुमार महतो, लाल मोहन महतो, भोलानाथ महतो, कमल देव मुर्मू, मंगल मुर्मू, आकाश हेंब्रम, राजकुमार हेंब्रम, रविश्वर हेंब्रम आदि मौजूद थे।

सिंदरी (ससे) : हूल क्रांति दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर **बिरसा समिति**, सिंदरी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर झारखंड के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभा के दौरान सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक चन्द्रदेव महतो के जन-अधिकार, जलजंगलजमीन और माटी की रक्षा से जुड़े प्रेरणादायी संदेश को साझा किया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि हूल क्रांति केवल इतिहास की एक घटना नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष, स्वाभिमान और जनअधिकारों की अमर प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि सिदोकान्हू, चाँदभैरव, फूलो-झानो और भगवान बिरसा मुंडा जैसे वीरों का बलिदान आने वाली

पीढ़ियों को अपने अधिकारों की रक्षा और समाज के कमजोर वर्गों के लिए आवाज़ उठाने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर बिरसा समिति के सदस्यों, कार्यकर्ताओं तथा भाकपा (माले) के साथियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐतिहासिक हूल विद्रोह का नेतृत्व करने वाले अमर शहीद सिदोकान्हू, चाँदभैरव, फूलो-झानो और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सहित सभी जनजातीय वीरों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों के अधूरे सपनों को पूरा करने, सामाजिक न्याय, समानता और जनअधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने का संकल्प लिया। सभा का समापन जोहार हूल, वीर शहीद अमर रहें के नारों के साथ हुआ।

सिंदरी (ससे) : हूल दिवस के अवसर पर सिंदरी बस्ती स्थित वीर सिदोकान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण

कर चांदभैरव, वीरांगना फूलोझानो सहित संताल हूल के सभी अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर भाजपा के निवर्तमान जिला महामंत्री (धनबाद ग्रामीण) मनोज मिश्रा ने कहा कि संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरवशाली अध्याय है और वीर सिदोकान्हू सहित सभी क्रांतिकारियों का बलिदान आज भी राष्ट्रभक्ति एवं अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है। पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि हूल क्रांति ने देश में स्वतंत्रता और स्वाभिमान की चेतना जगाई तथा उनके आदर्श सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। कार्यक्रम में रवि कुमार, राजेश चौधरी, रमेश यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

जोड़ापोखर (ससे) : भारत कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) झरिया लोकल कमिटी के

तत्वावधान में झरिया मानबाद स्थित पार्टी कार्यालय में हूल विद्रोह दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर सिद्धू,कान्हू, चांद,भैरव तथा फूलो, झानो के अमर बलिदानी के प्रति श्रद्धा के साथ पुष्पांजलि अर्पित किया गया यह सभी झारखंड के क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी महानायक थे १८५७ के पहले ही हूल क्रांति जो १८५५ में अंग्रेजी हुकूमत और साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ ऐतिहासिक संताल हूल (विद्रोह) आदिवासियों और संथाल अपनी स्वाभिमान संघर्ष और बलिदान देते हुए अंग्रेजों की बुनियाद हिला दी थी। इस क्रांति में अंग्रेजी हुकूमत को बाध्य होकर जिसे संथाल परगना भूमि कानून तथा छोटा नागपुर टेनेंसी एक्ट बनने पर मजबूर कर दिया था। इस कार्यक्रम में उपस्थित कामरेड नारायण चक्रवर्ती, गोपाल लाल नौशाद अंसारी जियाउर रहमान रामवृक्ष धारी प्रजा पासवान भोला माली,सोनू दास, हेमंत बाउरी शामिल थे।

गोविंदपुर (ससे) : गहिरा में स्थित सिद्धू कानू प्रतिमा स्थल पर प्रमुख निर्मल सिंह एवं पूर्व प्रमुख डीएन सिंह नेतृत्व में हूल दिवस मनाया गया। इस मौके

पर काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग बाजा गाजा के साथ पहुंचे व प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। श्री सिंह ने कहा कि देश की आजादी में सिद्धू कानू एवं उनके परिवार की सराहनीय भूमिका रही है। मौके पर जिप सदस्य लक्ष्मी मुर्मू, संतोष महतो, मीरा देवी, कृष्णा टुडू, सुनील टुडू, सुबोध भंडारी, माथुर अंसारी, अख्तर अंसारी, आसिफ अंसारी आदि शामिल हुए।

राजगंज (ससे) : हूल दिवस के अवसर पर **बिरसा मुंडा शिशु निकेतन विद्यालय, सलदाहा,** राजगंज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरीय नेता रतिलाल टुडू सहित अन्य

लोगों ने संथाल हूल के अमर वीरों सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चाँद मुर्मू एवं भैरव मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर रतिलाल टुडू ने कहा कि हूल दिवस आदिवासी समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। यह केवल इतिहास को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का संकल्प दोहराने का दिन भी है। संथाल हूल के महानायकों ने अंग्रेजी शासन और शोषण के विरुद्ध जो ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी, वह आज भी हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने और अपने अधिकारों की रक्षा करने की प्रेरणा देती है। हूल के वीरों का बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

उन्होंने युवा पीढ़ी से अपने इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मौके पर सोनोत संताल समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष सनातन सोरेन, केंद्रीय सचिव अनिल टुडू, टुंडी विधायक प्रतिनिधि बिरजू सोरेन, झामुमो बाघमारा प्रखण्ड सचिव मनसा राम मुर्मू, यूनियन के एरिया ४ सचिव रौनक सिन्हा, झामुमो कतरास नगर उपाध्यक्ष तिक सिंह, कतरास नगर सह सचिव सागर भुइयां, शिवकुमार सोरेन, धनी देवी, महावीर हांसदा, सुरेन्द्र कुमार हेम्ब्रम, अनिल ठाकुर, सुरेन्द्र प्रसाद हेम्ब्रम, शेखर मुर्मू,सुधीर हेम्ब्रम आदि मौजूद रहे।

सिंदरी (ससे) : रंगामाटी में सीपीएम की सिंदरीबलियापुर लोकल कमिटी ने हूल दिवस मनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत सिद्धोकान्हू, चांदभैरव

तथा फूलोझानो को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।

मुख्य वक्ता विकास कुमार ठाकुर ने कहा कि १८५५-५६ का संताल हूल ब्रिटिश शासन, जमींदारों और महाजनों के शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक जनविद्रोह था, जिसने १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि तैयार की। संतोष कुमार महतो ने कहा कि हूल विद्रोह में १० हजार से अधिक लोग शहीद हुए। उन्होंने छोटानागपुर और संतालपरगना काश्तकारी कानूनों तथा संविधान की ५वीं अनुसूची के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।लोकल कमिटी सचिव गौतम प्रसाद ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समीरन विद ने तथा संचालन सूर्य कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उपासी महताइन, रानी मिश्रा, रंजू प्रसाद, राज नारायण तिवारी, सुबल दास, शिबू राय, सुरेंद्र पांडेय और प्रमोद सिंहा सहित अन्य उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी विदाई

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र के सभी इकाइयों तथा लोदना क्षेत्रीय कार्यालय से कुल २४ पुरूस कर्मी तथा १ महिला कर्मी सेवानिवृत हुए सभी सेवानिवृत कर्मियों का विदाई सम्मान समारोह का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में सफलतापूर्वक मनाया गया इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि श्री परवेज आलम अवर महाप्रबंधक लोदना क्षेत्र तथा अमित कुमार महतो, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) लोदना क्षेत्र ने इस कार्यक्रम का संचालन किया तथा सह संचालन देवेंद्र कुमार साव ने किया तथा हीरु साहिश, राकेश कुमार, नेहा चौधरी, सुमित कुमार, किशोर कुमार, फिरोज अकरम, बदरुल हसन खान, लालटू रजवार, मुरली भुईया, अलंकारी देवी, शकुंतला मोदिन, इन सभी ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

आवारा कुत्ते के हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल

धनबाद (कासं) : गिरिडीह के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के जमजोरी गांव में आवारा कुत्ते के हमले से चार वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे के चेहरे पर गहरी चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, जमजोरी गांव निवासी चार वर्षीय बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के चेहरे के बाईं ओर गाल के पास नोचकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। बताया जा रहा है कि हमले के दौरान कुत्ता काफी देर तक बच्चे को नहीं छोड़ रहा था। बच्चे की चीखपुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते को वहां से भगाया। इसके बाद परिजन घायल बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे।स्थानीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को धनबाद के एसएनएमएमसीएच रेफर किया गया। लेकिन चेहरे की गंभीर चोट को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रिम्स भेज दिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने इलाके में बढ़ रहे आवारा कुत्तों के आतंक को लेकर चिंता जताई है और प्रशासन से इन पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

डालसा ने किया दो बच्चों का रेस्क्यू

धनबाद (कासं) : डालसा को सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन संख्या वास्को-डिगामा एक्सप्रेस से दो नाबालिग बच्चों को दो वयस्क व्यक्ति काम कराने के उद्देश्य से लेकर आ रहे हैं। सूचना प्राप्त होते ही डालसा के प्रतिनिधि सीता कुमारी, एवं जीआरपी की संयुक्त टीम द्वारा धनबाद स्टेशन पर तत्काल कार्रवाई की।

जांच के दौरान दोनों बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। बच्चों की आयु १३ वर्ष एवं १७ वर्ष थी। दोनों बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लेकर उनसे बालमित्रवत तरीके से बातचीत की गई तथा आवश्यक कानूनी एवं बाल संरक्षण संबंधी प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

पूछताछ के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई संबंधित विभागों द्वारा की गई। इस पूरे अभियान में डालसा, आरपीएफ एवं जीआरपी के बीच उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। विशेष रूप से सीता कुमारी द्वारा बच्चों को विश्वास में लेकर उनसे संवेदनशीलता के साथ बातचीत की गई, जबकि आरपीएफ एवं जीआरपी एवं ने त्वरित कार्रवाई कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

धनबाद रेलवे स्टेशन पर समयसमय पर इस प्रकार के मामले सामने आते हैं, जिनमें नाबालिग बच्चों को काम दिलाने या अन्य बहानों से एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाया जाता है। ऐसे मामलों की रोकथाम में डालसा, आरपीएफ एवं जीआरपी एवं जीआरपी की सतर्कता और संयुक्त कार्रवाई की गई और दो ट्रैफिक कर को पकड़ा गया।

एसआईआर को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित

कतरास (ससे) : महावीर मध्य विद्यालय, अंगारपथरा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाघमारा के अंचल अधिकारी गिरजानंद किस्कू ने बीएलओ, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मतदाताओं को एसआईआर अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी दी तथा उनकी समस्याओं को सुनकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बाघमारा सीओ गिरजानंद किस्कू ने बताया कि दिनांक ३० जून से २९ जुलाई तक बीएलओ/बीएलओ२, और वॉलेंटियर इस कार्य अभियान में शामिल है।

छठ तालाब में छात्रा का शव मिलने से सनसनी

कतरास (ससे) : ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र के निचितपुर टाउनशिप स्थित मोहलीडीह छठ तालाब में १६ वर्षीय छात्रा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह तालाब में शव तैरता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है।

मृतका की पहचान स्थानीय निवासी अशोक पाल की पुत्री देवश्री पाल के रूप में हुई है। देवश्री टाटा सिजुआ डीएवी स्कूल में १२वीं कक्षा की छात्रा थी। परिवार में मातापिता और एक बड़ा भाई है। परिजनों के अनुसार विगत दिनों रात घर में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद देर रात करीब दो बजे देवश्री घर से निकल गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने ईस्ट बसुरिया ओपी में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई। सुबह छठ

मृतका की फाईल फोटो

तालाब में शव मिलने की जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान की। मृतका के पिता अशोक पाल ने बताया कि उनकी बेटी रात में अचानक घर से निकल गई थी। काफी तलाश के बाद भी वह नहीं मिली। उन्होंने कहा कि किसी से उनकी कोई दुश्मनी नहीं है। वहीं स्थानीय मुखिया मो. आजाद ने बीसीसीएल एरिया५ के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने से छठ तालाब की साफ-सफाई कराने की मांग की जा रही थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। तालाब जलकुंभी और लताओं से पूरी तरह भरा हुआ है, जिसके कारण शव समय पर दिखाई नहीं दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची निर्माण में दें अपना योगदान : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक पात्र नागरिक की सहभागिता से सुनिश्चित होती है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार के द्वारा ३१-गांडेय विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महेशलुंडी मतदान केंद्र संख्या-७९ का निरीक्षण किया गया।* निरीक्षण के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत चल रहे कार्यों, गणना प्रपत्र भरने की प्रगति, मतदाताओं की सहभागिता तथा बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अभियान को पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संचालित करने तथा प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वहीं उप विकास आयुक्त, स्मृता कुमारी ने ३२ गिरिडीह विधानसभा अन्तर्गत एच.ई. हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र संख्या-३८ एवं ३९ का निरीक्षण कर डखठ-२०२६ के अंतर्गत संचालित कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, अभिलेखों के संधारण एवं मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए अभियान को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रामनिवास यादव जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता का एक छोटा-सा प्रयास मतदाता सूची को अधिक सटीक, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सभी पात्र मतदाता निर्धारित समयावधि के भीतर अपना गणना प्रपत्र अवश्य भरें तथा निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में शामिल प्रत्येक प्रविष्टि का सत्यापन कर उसे शुद्ध एवं अद्यतन बनाना है, ताकि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र प्रविष्टियों को भी नियमानुसार हटाया जा सके। यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय निर्वाचन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने सभी नागरिकों से अपील किया कि वे अपने परिवार, पड़ोस एवं आसपास के पात्र मतदाताओं को भी गणना प्रपत्र भरने के लिए प्रेरित करें तथा इस जनहितकारी अभियान में सहभागी बनें। जनसहभागिता से ही मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित होगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत बनेगी। जिला प्रशासन ने पुनः सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें और संकल्प लें कि कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं।

अत्याधुनिक शोरूम का शुभारंभ मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने किया उद्घाटन

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह के अलकापुरी चौक स्थित केटी घढ ऋळीळवळह के अत्याधुनिक केटीएम ट्रीयंप शोरूम का नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी, शोरूम प्रबंधक निशांत कुमार, शोरूम मैनेजर शहनवाज अख्तर, केटीएम घढच् के ए एस एम रागिब, सर्विस ए एस एम रूपक कुमार, प्रशांत कुमार, श्रवण कुमार, सुमन खान, सब्बीर खान, बाइक प्रेमी एवं बड़ी संख्या में ग्राहक उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने शोरूम का अवलोकन किया और आधुनिक सुविधाओं की सराहना की। बताया गया कि इस नए शोरूम में ग्राहकों को केटीएम और ट्रीयंप की नवीनतम मोटरसाइकिलों की पूरी रेंज के साथ अधिकृत सर्विस, ओरिजिनल स्पेयर पार्ट्स और विश्वस्तरीय ग्राहक सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर की भी घोषणा की गई।इस मौके पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस इस शोरूम के खुलने से जिले के युवाओं और बाइक प्रेमियों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और गिरिडीह में ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई मजबूती मिलेगी।

समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने शोरूम संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, नई पीढ़ी की प्रीमियम बाइकों को करीब से देखने और खरीदारी के लिए पहुंचे ग्राहकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

उपायुक्त ने शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

गिरिडीह (ससे): हूल दिवस के अवसर पर गिरिडीह जिला प्रशासन ने अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू सहित हूल विद्रोह के सभी महानायकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उपायुक्त रामनिवास यादव ने शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके साहस, त्याग और स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान को याद किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार समेत कई प्रशासनिक अधिकारियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उपायुक्त ने कहा कि हूल विद्रोह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का गौरवशाली अध्याय है और सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो का संघर्ष आज भी अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हूल दिवस शहीदों के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक न्याय, सुशासन और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लिया।

डीसी ने किया एसआईआर अभियान का शुभारंभ

बोकारो (ससे): मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ अभियान का शुभारंभ अपनी देखरेख में किया। अभियान की शुरुआत चास नगर निगम क्षेत्र के रामनगर कॉलोनी से हुई, जहां उन्होंने ट्रांसजेंडर मतदाता बबीता जी के आवास पहुंचकर उपस्थित ट्रांसजेंडर मतदाताओं को एसआईआर अभियान के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर संबंधित क्षेत्र के बीएलओ ने ट्रांसजेंडर मतदाताओं को मौके पर ही एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया। यह पहल निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक समावेशी एवं सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज के प्रत्येक पात्र नागरिक की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समान भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

मौके पर डीईओ सह डीसी ने बताया कि एसआईआर-२०२६ दो चरणों में संपन्न होगा। *पहले चरण में मतदाता सूची में दर्ज सभी मौजूदा मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। जो मतदाता विधिवत हस्ताक्षर कर यह फॉर्म जमा करेंगे, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त दस्तावेज की मांग किए प्रारूप मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। भारत के पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दावा प्रस्तुत कर सकेंगे, वहीं अपात्र व्यक्तियों के नाम हटाने के लिए प्रपत्र-७ के माध्यम से आपत्ति दर्ज की जा सकेगी। उन्होंने आमजनों को भी इसके प्रति जागरूक करने को कहा।

डीईओ सह डीसी ने बताया कि स्वतंत्रता के बाद अब तक देश में नौ बार विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जा चुका है तथा वर्ष २०२५-२६ का एसआईआर देश का दसवां विशेष गहन पुनरीक्षण है। यह प्रक्रिया विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की तरह ही पूरी तरह पारदर्शी, सहभागी एवं लोकतांत्रिक है, जिसमें मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, बोकारो विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) सह अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढांडा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसी के साथ जिले के सभी प्रखंडों में भी बीएलओ द्वारा एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ, एईआरओ,बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ एवं वोलेंटियर सक्रिय रूप से अभियान का संचालन कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे बीएलओ के सहयोग से निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय पर अपना एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके और कोई भी पात्र मतदाता लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित नहीं रहे।

झामुमो नेताओं ने नवपदस्थापित एसडीएम का किया स्वागत

डुमरी (ससे): नवपदस्थापित एसडीएम राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता से उनके कार्यालीय कक्ष में मंगलवार को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू ने भेंट की।इस दौरान झामुमो नेता पंकज कुमार व रीतलाल मंडल,सोनू सोहेल उपस्थित थे।झामुमो नेताओं ने एसडीएम को बुके देकर स्वागत किया।साथ ही अनुमंडल के समग्र विकास,जनहित से जुड़े मुद्दों एवं क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।एसडीएम ने भरोसा दिया कि प्रशासन की प्राथमिकता पारदर्शी,संवेदनशील व जनहितकारी कार्यशैली होगी।उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान तथा आमजन को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों से भी सहयोग की अपेक्षा की।वहीं झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने नवपदस्थापित एसडीएम को उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा जताया कि उनके नेतृत्व में डुमरी अनुमंडल में प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनेगी।

डेगागढ़ा में मनाया गया हूल दिवस

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड के पोखरिया पंचायत अंतर्गत डेगागढ़ा स्थित वीर सिद्धु मुर्मू कान्हु चौक में मंगलवार को हूल दिवस मनाया गया । यह कार्यक्रम वार्ड सदस्य जागेश्वर मुर्मू के नेतृत्व में किया गया । यहां उपस्थित लोगों ने आंदोलनकारी के तस्वीर पर माल्यापर्ण कर नमन किया । जागेश्वर मुर्मू ने हूल दिवस की विशेषता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की । साथ ही बताया कि अंग्रेजी शासक के खिलाफ झारखंड के आदिवासियों ने १८५५ में ही विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया था। ३० जून १८५५ को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में, मौजूदा साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था, 'करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो'।आंदोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों ने इस इलाके में सेना भेज दी। जमकर आदिवासियों की गिरफ्तारियां की गईं और विद्रोहियों पर गोलियां बरसने लगीं। आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया। आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के लिए अंग्रेज सरकार ने पुरस्कारों की भी घोषणा की थी। बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारियों की लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए। यहां हरिनारायण मुर्मू, गणेश मरांडी, बाबूलाल मुर्मू, दुलारचंद टुडू, करमचंद मुर्मू, होपन टुडू, कोकिल मुर्मू, अंजू कुमारी, मुनकी कुमारी, जंयती कुमारी, मिहीलाल सोरेन, अजय मुर्मू, संजय टुडू, बंसीलाल किस्कू आदि उपस्थित थे ।

बदाही में जमीन विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह थाना क्षेत्र के खरपीटो पंचायत अंतर्गत बदाही में मंगलवार को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया । दोनों ओर से हुए जमकर मारपीट में लाठी, डंडा, सबल, फरसा, टांगी का जमकर प्रयोग किया गया । यह घटना में आठ लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए । सभी का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नावाडीह में किया गया । जिसमें सात की गंभीर स्थिति देख बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल चास रेफर कर दिया गया है । दोनों पक्ष से नावाडीह थाना में अलग अलग शिकायत की गई है । मामले में पुलिस ने ठाकुर महतो, होरी महतो व चिंतामनी महतो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है ।

नावाडीह थाना को दिए आवेदन में जानकी महतो ने कहा है कि वह गांव के एक जमीन पर विपक्षी दल के होरिल महतो, धानेश्वर महतो, ठाकुर महतो कार्तिक महतो, दिलीप महतो, चिंतामनी महतो, श्यामलाल महतो, नीलकंठ महतो, कोलेश्वर महतो द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा था । जिसका विरोध करने पर उपरोक्त लोग हरवे हथियार से लैस होकर जानकी महतो, भुवनेश्वर महतो, कोलेश्वर महतो, संतोष कुमार महतो, महेंद्र महतो अचानक जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया । इस बीच बीच बचाव करने पहुंची यशोदा देवी, जगनी देवी, चिंता देवी के साथ विपक्ष के लोग मारपीट कर गलत नीयत से छेड़छाड़ करने लगा । इस मारपीट में महिला भी जख्मी हो गई है । वहीं दूसरे पक्ष के ठाकुर महतो से संपर्क करने पर समाचार लिखे जाने तक उन्होंने अपना पक्ष रखने से इंकार कर दिया । सूचना पर विधायक प्रतिनिधि संदीप झारखंडी, पूर्व उप मुखिया सुनीता देवी अस्पताल पहुंच पीड़ित से मिलकर घटना की जानकारी ली ।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीएलओ का किया सहयोग

डुमरी (ससे): कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल के नेतृत्व में मंगलवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के बुथों पर कांग्रेस पदाधिकारी,कार्यकर्ता उपस्थित होकर चुनाव आयोग के बीएलओ के साथ राजनीतिक दलों के द्वारा बनाये गये बीएलओ टू ने गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सहयोग दिया। इस दौरान कांग्रेस के मनोज जायसवाल, सरफराज अहमद गुड्डु,मुस्तफा अंसारी,दिलीप मंडल,करीम बख्श,सरयू रविदास, कपिल ठाकुर,तूराबलि,फुलमनी देवी, सादिक अंसारी,दीपक जैन,खुर्शीद अंसारी,गुणेश्वर मण्डल,शिवा दास आदि उपस्थित थे।

सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई कार्यकारिणी का गठन

सिंदरी (ससे) : सिंदरी चेंबर ऑफ़ कॉमर्स के पुराने कमिटी के स्थान पर सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स की सर्वसममती से नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। नई कार्यकारिणी में कुल १४ सदस्यों को शामिल किया गया है, जो संगठन की गतिविधियों के संचालन तथा व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करेंगे।

कार्यकारिणी के सदस्यों में संजय कुमार प्रसाद, दिलीप रिटोलिया, अनूप सिंह, बिनोद कुमार प्रसाद, भारत प्रसाद, जे.पी. सिंह, रमेश पाल तथा राजू अग्रवाल (करम संतोष) शामिल हैं।

बीडीओ ने मतदान केंद्रों का लिया जायजा

बलियापुर (ससे) : झारखंड में शुरू हुए एसआईआर कार्यक्रम की जानकारी लेने के लिए बलियापुर के बीडीओ प्रभाष चंद्र दास ने बलियापुर क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा कर कार्यक्रम का जायजा लिया। बीडीओ श्री दास ने इस दौरान क्षेत्र के सिंदूरपुर स्थित बूथ संख्या ३२६ पहुंचे। जहां बीएलओ रेखा देवी से गणना फॉर्म वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान प्रखंड कार्यालय बलियापुर के रवि चौरसिया के अलावा झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्मल रजवार, हैदर अली, राजेंद्र हेंब्रम आदि थे।

बीडीओ श्री दास ने क्षेत्र के दोलाबड़ स्कूल डांगेपाड़ा , प्रोजेक्ट हाई स्कूल, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बलियापुर समेत कई मतदान केंद्रों का भ्रमण कर एसआईआर कार्यक्रम का निरीक्षण किया इसके अलावा आज क्षेत्र के बूथ संख्या २८२ एवं बूथ संख्या २८३ की बीएलओ काजल देवी एवं सुभद्रा देवी ने अपने -अपने मतदान केदो के मतदाताओं के साथ बैठक आयोजित किया मौके पर बीएलए टु विजय कुमार महतो, राजेंद्र हेंब्रम आदि थे।

बीसीसीएल में पर्यटन स्थल व विद्यालय स्तर पर स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

धनबाद (कासं) : कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बीसीसीएल में १६ जून से ३० जून तक आयोजित 'स्वच्छता पखवाड़ा-२०२६' के समापन दिवस पर 'स्वच्छता सभी की जिम्मेदारी है (स्वच्छता इज़ एवरीवन्स बिज़नेस)' थीम के अंतर्गत पर्यटन स्थलों एवं विद्यालयों में विशेष स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के प्रति नागरिकों की सहभागिता बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण के लिए सामूहिक उत्तरदायित्व का संदेश देना था।

इस क्रम में कतरास क्षेत्र द्वारा पर्यटक स्थल पारसनाथ इको पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान करते हुए पार्क परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ सार्वजनिक स्थलों के महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्यालय स्तर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, कोयला नगर के लगभग ३०० छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छता प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वच्छता, जन-जागरूकता एवं जनसहभागिता का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर बीसीसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विद्यालय की प्राचार्या तथा शिक्षकगण ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वच्छता के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी के महत्व पर बल दिया।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १६ जून से प्रारंभ 'स्वच्छता पखवाड़ा-२०२६' के अंतर्गत स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सालयों में विशेष स्वच्छता अभियान, तालाबों, जल स्रोतों एवं कॉलोनियों की साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निरीक्षण, सिग्नेचर अभियान, सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान, परियोजना विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएँ एवं स्वच्छता रैलियाँ, पौधारोपण अभियान, साइबर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम तथा धार्मिक स्थल पर विशेष स्वच्छता अभियान सहित विविध गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा जनसहभागिता के प्रति अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों में व्यापक जागरूकता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए। आज आयोजित विभिन्न गतिविधियों के साथ बीसीसीएल में १६ जून से जारी स्वच्छता अभियान का औपचारिक समापन भी हुआ।

स्वच्छता पखवाड़ा-२०२६ के सफल समापन के साथ बीसीसीएल ने स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल कार्य संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया। पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, विद्यालयों, स्थानीय नागरिकों तथा विभिन्न हितधारकों की सक्रिय सहभागिता ने इस अभियान को एक व्यापक जन-अभियान का स्वरूप प्रदान किया। बीसीसीएल द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् विकास से जुड़ी ऐसी जनहितकारी पहलों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया गया।

रखितपुर में लाठी खेल प्रतियोगिता

बलियापुर (ससे) : रखितपुर में अंजुमन कमिटी की ओर से लाठी खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें आधा दर्जन दलों ने भाग लिया। दलो के खिलाड़ियों ने लाठी,भाला, तलवार के माध्यम से हैरतअंगेज कारनामे दिखाए। दलो में जंगलपुर, काशीटांड़, बाघमारा, कोड़ाहीर, तीलाबनी, रखितपुर दलों के खिलाड़ी शामिल थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू

धनबाद (कासं) : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देशानुसार सभी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों में बीएलओ एवं राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए२ (बूथ लेवल एजेंट) की बैठकों का आयोजन किया गया। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि बैठक में विशेष रूप से निर्देश दिया गया कि एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट (ए.एस.डी.डी.) सूची को सटीक एवं त्रुटिहीन बनाने के लिए मतदाताओं की सहीसही पहचान करें। साथ में सभी बीएलओ, बीएलओ सहायकों और राजनीतिक दलों के बीएलए२ प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे आपसी समन्वय बनाकर इस राष्ट्रीय महत्व के अभियान को सफल बनाएं। ताकि उनके क्षेत्र की मतदाता सूची पूरी तरह से शुद्ध और पारदर्शी बन सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि २९ जुलाई तक बीएलओ घरघर का भ्रमण कर गणना प्रपत्र का वितरण एवं संग्रहण करेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं से घरघर भ्रमण के दौरान बीएलओ को सहयोग करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म मिलते ही मतदाता उसे तुरंत भरें, नई फोटो लगाएं, हस्ताक्षर करें और भरे हुए फॉर्म की एक प्रति बीएलओ को जमा कर दूसरे प्रति में पावती लें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सभी विधानसभा के ईआरओ यह सुनिश्चित करेंगे कि एसआइआर के दौरान कोई भी योग्य नागरिक छूटा नहीं है तथा किसी भी अयोग्य व्यक्ति को शामिल नहीं किया गया है। वहीं एसआइआर के दौरान जो भी मतदाता अपना गणना प्रपत्र जमा करेंगे उन्हें पिछले इंसेंटिव रिवीजन के साथ मैपिंग के साथ या बिना मैपिंग के ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। जबकि जिस मतदाता ने साइन करने से मना किया है और जिस मतदाता का नाम एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ या डुप्लीकेट लिस्ट में है, उनके गणना प्रपत्र को ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। किसी भी प्रभावित व्यक्ति के लिए दो लेवल की अपील का प्रावधान है। जबकि नए मतदाता को डिक्लेरेशन फॉर्म के साथ फॉर्म ६ भी जमा करना होगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यदि कोई भी भारतीय नागरिक है और उनका नाम वर्तमान मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है तो वे फॉर्म ६ एवं घोषणा पत्र के साथ जन्मतिथि के अनुसार स्वयं अथवा स्वयं के साथ माता या पिता या स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों का दस्तावेज देना होगा।

उन्होंने बताया कि यदि किसी का जन्म १ जुलाई १९८७ से पहले भारत में हुआ है तो उनको सिर्फ स्वयं का दस्तावेज देना होगा। यदि जन्म १ जुलाई १९८७ से २ दिसंबर २००४ के बीच भारत में हुआ है तो उनका स्वयं के साथ माता अथवा पिता में से किसी एक का दस्तावेज देना होगा। जबकि यदि किसी का जन्म २ दिसंबर २००४ के बाद भारत में हुआ है तो उनको स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों के दस्तावेज देने होगा। जबकि यदि किसी का जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके मातापिता भारतीय नागरिक हैं तो उनको, उनके जन्म वाले देश में स्थित भारतीय दूतावास से जारी जन्म प्रमाण पत्र देना होगा। वहीं यदि उनका जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं उनके मातापिता भारत के नागरिक नहीं है तो उनको नागरिकता प्रमाण पत्र देना होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यदि किसी का नाम

गत एसआइआर की मतदाता सूची में दर्ज है तो उनको अन्य किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है एवं यह विवरण उनके पुत्रपुत्रियों के लिए अभिभावक प्रमाण के रूप में भी पर्याप्त है।

यदि किसी का या एवं उनके मातापिता का नाम गत एसआइआर की मतदाता सूजइ में दर्ज नहीं है तो वे १. किसी भी केंद्रीय/राज्य/सार्वजनिक क्षेत्र के नियमित कर्मचारी अथवा पेंशनभोगी को जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/पेंशन भुगतान आदेश। ०१.०७.१९८७ से पूर्व भारत में सरकार / स्थानीय प्राधिकरण / बैंक / डाकघर / एलआईसी / सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र/दस्तावेज। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र। पासपोर्ट्। ५. मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षणिक प्रमाण पत्र। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र। वन अधिकार प्रमाण पत्र। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण पत्र। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ भी मौजूद हो)। राज्य/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर्। सरकार द्वारा जारी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र (खतियान की प्रति) अथवा आधार की प्रति देने पर ऊपर बताए गए ११ दस्तावेजों में से किसी एक की स्वसत्यापित प्रति भी जमा कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि ३० जून से २९ जुलाई तक बीएलओ घरघर भ्रमण करेंगे। २९ जुलाई तक मतदान केंद्रों का राशनलाइजेशन पूरा कर लिया जाएगा। ५ अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। ५ अगस्त से ४ सितंबर तक दावा एवं आपत्ति करने के लिए समय निर्धारित किया गया है। ५ अगस्त से ३ अक्टूबर तक दावों एवं आपत्तियों का निपटान किया जाएगा। जबकि ७ अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि कोई भी मतदाता वेबसाइट पर २००३ के मतदान केंद्र की जानकारी, २००३ की मतदाता सूची को डाउनलोड, २००३ की मतदाता सूची में अपना नाम, अनमैप्ड मतदाता की सूची, बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर देख सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के लिए कोई भी नागरिक फर्जी या अनाधिकृत दस्तावेज न बनवाए और न ही ऐसा प्रयास करें्। ऐसा करने वालों पर या ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कानून की संगत धाराओं के अन्तर्गत त्वरित कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि वैसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में दो बार है, वह अपने सामान्य निवास स्थान पर प्राप्त इन्युमरेशन फॉर्म में हस्ताक्षर कर बीएलओ को लौटाएं, दूसरी जगह पर प्राप्त इन्युमरेशन फॉर्म को हस्ताक्षर किये बिना, उचित कारण बताते हुए बीएलओ को वापस करें, ताकि वो एक ही स्थान पर पंजीकृत रह सकें्। बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम धनबाद के साथ किसी अन्य शहर में भी है और वह धनबाद में अपना नाम रखना चाहते हैं तो इन्यूमरेशन फॉर्म भर कर जमा करें एवं अन्य शहर में फॉर्म ७ भर कर अपना नाम विलोपित करवा लें्। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने जिले के सभी मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को सहयोग कर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य रुप से मैपिंग कराने की अपील की।

एसआरआर के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज एवं अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे ने कंट्रोल रूम से सभी विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी से संपर्क कर सतत निगरानी रखी। वहीं संबंधित विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने अपने क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण किया। वहीं सोशल मीडिया में आज ११ से १ बजे तक ट्विटर पर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया। जो ट्विटर पर टॉप ३ में ट्रेंड हुआ।

एसएसपी ने किया ट्रैफिक पुलिस के बीच 50 बेटन लाइट का वितरण

धनबाद (कासं) : धनबाद में ट्रैफिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुलिस केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच ५० बेटन लाइट का वितरण किया। यह बेटन लाइट धनबाद राउंड टेबल ३४२ संस्था के सहयोग से उपलब्ध कराई गई हैं। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि बेटन लाइट का उपयोग ट्रैफिक संचालन, वाहन जांच अभियान, रात्रि गश्ती एवं अन्य पुलिस ड्यूटी के दौरान नियमित रूप से किया जाएगा। इससे ट्रैफिक जवानों को विशेषकर रात के समय ड्यूटी करने में सुविधा मिलेगी और सड़क सुरक्षा के साथसाथ यातायात व्यवस्था को और बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने जवानों से इन उपकरणों का जिम्मेदारीपूर्वक और नियमित उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक डीएसपी रोहित साव, सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार, सार्जेंट मेजर राकेश दुबे, सार्जेंट लक्ष्मण मेहता, सार्जेंट प्रवीण कुमार सहित ट्रैफिक पुलिस के कई अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। वहीं, धनबाद राउंड टेबल ३४२ की ओर से आदित्य अग्रवाल, सूरज सरिया, हार्दिक ठक्कर, अनुप गोयल समेत अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

डिनोबिली सिंदरी ने आयोजित की जोनल कबड्डी टूर्नामेंट

सिंदरी (ससे) : डीनोबिली स्कूल, सिंदरी में सीआइएससीइ द्वारा आयोजित जोनल कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।जिसमे कुल ७ स्कूलों के ८४ प्रतिभागियों (छात्र एवं छात्राएं) ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डिनोबिली स्कूल की प्राचार्या, प्रीता सोजन द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। प्रीता सोजन ने धनबाद एवं बोकारो से आये सभी अधिकारियों, खिलाडियों एवं सभी स्कूल से आये प्रशिक्षकों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम को शुरुआत करने की घोषणा की।

छात्र वर्ग में डिनोबिली सिंदरी प्रथम स्थान , संत ज़ेवियर स्कूल बोकारो द्वितीय स्थान एवं डिनोबिली स्कूल, चंद्रपुरा तृतीया स्थान पर विजय रहें। छात्राओं में संत ज़ेवियर स्कूल बोकारो प्रथम स्थान, डिनोबिली स्कूल चंद्रपुरा द्वितीय स्थान एवं कार्मेल स्कूल, डिगवाडीह तृतीय स्थान पर विजय रहें। विजेता टीम को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर प्राचार्या ने बधाई एवं शुभकामनायें दी। टूर्नामेंट का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्या रिनिता साहा और दोनों खेल शिक्षकों अजय कुमार सिंह और प्रगति की समान भूमिका रही।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा में एसआइआर को ले बैठक

केंदुआ (ससे) : बूथ स्तर की मैपिंग को लेकर ४० धनबाद विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्र संख्यां ३९१एवं३९२ के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा में उमा कुमारी बीएलओ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेबल एजेंट बीएलए २ के साथ बिशेष गहन पुरीक्षण एस आइ आर२०२६ के निर्मित बैठक आयोजित की गई्। बैठक में गणना प्रपत्र के वितरण एवं प्राप्ति की प्रकिया से विस्तार पूर्वक चर्चा की गई्। तथा यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि आम जनता को प्रपत्र भरने एवं जमा करने में किसी भी प्रकार की उन्हें असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त की २००३ की एस आई आर की सूची में नाम खोजने एएसडीओ सूची तैयार करने मतदाता विवरण के सत्यापन तथा पुनरीक्षण कार्य को सम्यवद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर भी चर्चा की गई्। इस दौरान उपस्थित सभी बीएलए२ एवं बीएलो सहायक से यह अपेक्षा की गई कि वे निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे। जिसका सर्व सम्मति से सभी ने समर्थन किया।

मौके पर शैलेन्द्र कुमार जायसवाल पर्यवेक्षक,उमा कुमारी,सोनी कुमारी,विश्वनाथ राम बीएलए २कांग्रेस,आलोक कुमार, अरुण कुमार सैनी, कमलेश कुमार पासवान, बद्री रविदास वार्ड पार्षद ११,जय कुमार पासवान, सूरज पासवान बीएलए२ भाजपा, जितेंद्र पासवान, अभय आनन्द मनोरमा देवी आदि उपस्थित थे।

बीसीकेयू ने किया विरोध प्रदर्शन

जोड़ापोखर (ससे) : सात सूत्री मांगों को लेकर कर्माटांड टाउन शिप कॉलोनी के बेरोजगार लोगों ने बीसीकेयू और बिस्थापित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले नॉर्थ तिसरा परियोजना कार्यालय के समक्ष जुलुस के साथ भ्रमण करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान काफी संख्या में महिला पुरुष शामिल थे। इसके बाद प्रबंधन को मांग पत्र सौंपी गई।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एनटी/ एसटी कुजामा प्रबंधन गोल्डन पहाड़ी से कर्माटांड में विस्थापित कर दिया है। लेकिन समुचित व्यवस्था नहीं दे रहा है, जो भुगतान की बात कही गई थी वह भी पैसा नहीं दिया जा रहा है। कॉलोनी में कूड़ेदान नहीं है बिजली पानी की समस्या बनी रहती है। करमाटांड़ टाउनशिप में प्रबंधन अस्पताल की व्यवस्था करें, दुर्गा मंदिर की स्थापना हो, बिस्थापित बेरोजगार युवकों को लोर्डिंग पॉइंट में रोजगार दिया जाए आदि मांगे शामिल है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने वालों मोर्चा में लोदना क्षेत्रीय सचिव शिव कुमार सिंह,भोला साहनी, वीरेंद्र श्रीवास्तव, सूर्य देव पासवान, नरेंद्र सिंह, विपिन सिन्हा, साहिल कुमार, ललिता देवी, मीना देवी, शांति देवी, संध्या देवी, सत्यनारायण साव, सीमा देवी, राधा देवी, विमला देवी, ज्ञानती देवी आदि शामिल थे।

धनबाद जिला एथलीट प्रतियोगिता संपन्न

धनबाद (कासं) : मेगा स्पोर्ट्स कंपलेक्स बिरसा मुंडा स्टेडियम धनबाद में दो दिवसीय ४०वां धनबाद जिला एथलीट प्रतियोगिता का संपन्न हुआ्। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया उनके साथ विशिष्ट अतिथि डीएसओ उमेश लोहरा ने अभी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

राज सिन्हा ने खिलाड़ियों को जीत का बधाई देते हुए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और धनबाद का नाम रोशन करने को कहा। मंच का संचालन जुबेर आलम ने किया। धन्यवाद ज्ञापन महासचिव बंधन टोपनो ने किया। आयोजन के सभी तकनीकी पदाधिकारी को भी सम्मानित किया गया। जिनमे तारकनाथ दास, सुनील मिश्रा, जय राम भगत, पी एन बनर्जी, अभिजीत, सरफराज खान, प्रदीप घोष गौतम आदि हैं।

निफ्ट में 84वीं रैंक लाने वाली रेशमा के सपनों को मिला सहारा

बलियापुर (ससे) : सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के बलियापुर प्रखंड अंतर्गत समलापुर गांव की होनहार आदिवासी छात्रा रेशमा मरांडी ने

निफ्ट की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में ८४वीं रैंक हासिल कर झारखंड का नाम रोशन किया है। हालांकि आर्थिक अभाव के कारण उन्हें नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इसकी जानकारी के बाद सिंदरी की भाजपा नेत्री तारा देवी को रेशमा मरांडी के आवास पहुंचीं और उन्हें निफ्ट में नामांकन के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने रेशमा के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि किसी भी प्रतिभाशाली छात्रछात्रा के सपने आर्थिक तंगी की वजह से अधूरे नहीं रहने चाहिए्। रेशमा, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा धनबाद ग्रामीण के जिलाध्यक्ष रविश्वर मरांडी की पुत्री हैं्। उनकी इस उपलब्धि को पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी रेशमा की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। तारा देवी ने कहा कि समाज की जिम्मेदारी है कि प्रतिभाशाली बेटियों को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग मिले। रेशमा जैसी छात्राएं राज्य और देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा में सहयोग करना समाज का दायित्व है। रेशमा मरांडी को निफ्ट में प्रवेश और उज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं्।

सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान

धनबाद (कासं) : धनबाद मंडल में जून माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया। इस माह में कुल २८ सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है। विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं्। मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं्। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जेबीसीसीआई-12 लागू करने की मांग को ले प्रदर्शन

जोड़ापोखर (ससे) : (जेबीसीसीआई१२ की अनुशंसाओं को शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर मंगलवार को लोदना एरिया कार्यालय परिसर में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के बैनर तले एक विशाल प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन में लोदना एरिया के नॉर्थ तीसरा, साउथ तीसरा, जीनागोरा, कुजामा, बरारी, लोदना तथा बागड़ीगी परियोजनाओं के बड़ी संख्या में मजदूर एवं संघ के पदाधिकारी शामिल हुए्।प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य कोयला कर्मियों के लंबित वेतन समझौते जेबीसीसीआई-१२ को अविलंब लागू कराना, कर्मचारियों के आर्थिक हितों की रक्षा करना तथा मजदूरों की वर्षों पुरानी मांगों को केंद्र और प्रबंधन के समक्ष मजबूती से उठाना था। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जेबीसीसीआई१२ लागू होने में लगातार हो रही देरी से लाखों कोयला कर्मियों और उनके परिवारों में असंतोष बढ़ रहा है। मजदूरों का कहना है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, जबकि वेतन समझौते में देरी से कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।सभा के दौरान संघ के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कंपनी और संबंधित प्रबंधन जल्द से जल्द जेबीसीसीआई१२ लागू करने की दिशा में ठोस निर्णय नहीं लेते हैं, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत डीसी केएस रोड जाम, चक्का जाम तथा आवश्यक होने पर कोलियरी बंदी जैसे बड़े आंदोलनात्मक कार्यक्रमों का आह्वान किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने मजदूरों से एकजुट रहने और अपने अधिकारों की लड़ाई लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस प्रदर्शन में कैलाश पासवान, बसंत चौहान, रामप्रसाद मंडल, वीरू निषाद, मंगरु बरई, उज्ञवल कुमार दे, विजय, सुरेश बाउरी, विनोद कुमार, रंजीत हाडी, संजीव सिंह, कुणाल प्रसाद, अभिनंदन कुमार, शंकर रविदास, शमशेर अंसारी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न परियोजनाओं के मजदूर उपस्थित रहे।

विद्यार्थी जीवन में असुविधा और कमी भी जरूरी है : एसएसपी

गोविंदपुर (ससे) : एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में असुविधा और कमी भी जरूरी है। आर्थिक कमी से विद्यार्थियों की जिंदगी तपती है। रगड़ाती है और घिसती है । इसके बाद सोने जैसी चमकती भी है। उन्होंने कहा कि जो अभिभावक अपने विद्यार्थी पुत्र को बाइक और आईफोन देते हैं, वह उसके भविष्य का मर्डर करते हैं। वह मंगलवार को नागरिक समिति गोविंदपुर द्वारा राजविलास रिसोर्ट में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे। समिति ने इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र के १२५ मैट्रिक और इंटर के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मान प्रदान किया। एसएसपी ने करीब २ घंटे तक विद्यार्थियों के प्रश्न सत्र का उत्तर दिया और उनकी काउंसलिंग की। एसएसपी ने कहा कि दसवीं के बाद ६ वर्ष और १२वीं के बाद ४ वर्ष जो तपस्या करता है, उसकी जिंदगी सार्थक हो जाती है। कहा कि ४ वर्ष कष्ट करो और जीवन भर ऐश करो ।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों में बच्चों का डाउट दूर करने की कैपेसिटी होनी चाहिए। मोबाइल फोन एक नशा है। मोबाइल फोन को नौकर की तरह रखना चाहिए्। यदि मोबाइल फोन ही मालिक हो गया तो विद्यार्थियों को मुश्किल होगी।

उन्होंने कहा कि आज ९९ लोगों का मोबाइल फोन उनके मालिक बना हुआ है स मोबाइल फोन नहीं बजाने और व्हाट्सएप नहीं आने से लोग परेशान हो जा रहे हैं। उन्होंने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि मैट्रिक में वह ६२ अंक लाए थे। फिर एमबीए करने के बाद ४ वर्ष बैंकिंग में नौकरी की। फिर आईपीएस बने। आईपीएस इसलिए बने कि उन्होंने जो किया खुद किया। पिता कोई बड़े व्यवसायी नहीं थे और न बहुत बड़े खेतिहर थे। इसलिए मेहनत की और आगे बढ़े। श्री कुमार ने कहा कि अब साधारण विद्यार्थियों की कोई गुंजाइश नहीं रही। अपने फील्ड में जो टॉपर होंगे, वही आगे बढ़ेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड से दूर रहने की अपील की और कहा कि मेहनत करने के बाद सारी सुविधाएं मिलेंगी। श्री कुमार ने उपस्थित अभिभावकों से बच्चों को उनके मन मुताबिक सारी सुविधाएं नहीं देने की अपील की। कहा इससे बच्चे बिगड़ रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए इस तरह की प्रतिभा सम्मान आयोजित करने के लिए नागरिक समिति की सराहना की। समिति अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने विद्यार्थियों के लिए २ घंटे का बहुमूल्य समय देने के लिए एसएसपी का आभार जताया।

कोयला भवन में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय, बीसीसीएल में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें कंपनी के ९ अधिकारियों तथा मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले ४ कर्मचारियों सहित कुल १३ कार्मिकों का सेवानिवृत्ति सम्मान तथा अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (श्रमशक्ति नियोजन) अर्पण घोष, महाप्रबंधक (पीएफ एवं पेंशन) विद्युत् साहा, विभागाध्यक्ष (प्रशासन) मनीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा.जे.कुजूर, विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों के सदस्य, सीएमओएआई प्रतिनिधि, मुख्यालय के अन्य महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मी के साथ सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी उपस्थित रहें।

सेवानिवृत्त कर्मियों हेतु सम्मान-पत्र वाचन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जिसके उपरांत सेवानिवृत्त कार्मिकों को अंग-वस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं अन्य उपहार देकर सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक पूंजी उसका कार्यबल होता है और संगठन की उपलब्धियाँ केवल नीतियों और योजनाओं का परिणाम नहीं हैं, बल्कि उन सभी कार्मिकों के अथक परिश्रम का प्रतिफल हैं, जो वर्षों तक संगठन में अपनी सेवाएँ देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों का कंपनी की प्रगति में अमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कार्मिकों को अपनी शुभकामनाएँ दीं तथा उनके सुखद जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह तथा निदेशक (वित्त) राजेश कुमार ने भी अपने संबोधन में सेवानिवृत्त सभी कार्मिकों के योगदान की सराहना की तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, सफल एवं सुखद जीवन की कामना की।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल से जून माह में कंपनी से सेवानिवृत्त ९ अधिकारियों एवं मुख्यालय तथा सभी क्षेत्रों से सेवानिवृत्त १५३ कर्मचारियों सहित कुल १६२ कार्मिक कंपनी से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कंपनी के सभी ९ अधिकारियों और मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने ४ कर्मचारियों के लिए कोयला भवन मुख्यालय में उपरोक्त समारोह का आयोजन हुआ। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भी सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के लिए सम्मान समारोह के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों में शामिल रहें - मधुप कुमार शेठ महाप्रबंधक (उत्खनन), गणेश चन्द्र साहा महाप्रबंधक (खनन), अभ्रेन्द्र कुमार महाप्रबंधक (खनन), एस. पी. रबिदास मुख्य प्रबंधक (उत्खनन), जयंत कुमार जैसवाल मुख्य प्रबंधक (खनन), यशवंत सिंह राजपूत मुख्य प्रबंधक (खनन), विष्णु देव सिंह मुख्य प्रबंधक (मा.सं.), पी. टी. रोबिनसन राज प्रबंधक (खनन), अरुण कुमार पाठक सहायक अभियंता (उत्खनन), कालो हाड़ी, वार्ड बॉय सोम्या घोष, लेखापाल, बिनोद कुमार सिंह, कार्यालय अधीक्षक तथा बिशु चक्रवर्ती, पंप ऑपरेटर आदि है।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किरण रानी नायक, विभागाध्यक्ष (कल्याण) तथा मनीष चन्द्र साहू, प्रबंधक (अधिकारी स्थापना) ने संयुक्त रूप से किया।

सरिया पूर्वी करोड़ों की जल मीनार शोभा की वस्तु बनी

गिरिडीह (ससे): : सरकार के हर घर नल, हर घर जल की जमीनी हकीकत सरिया प्रखंड गिरिडीह अंतर्गत कैलाटांड पंचायत बाघनाल में स्थित *३३ करोड़ रुपया की जल मीनार* हवा हवाई साबित हो रही है पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से वर्ष २०२२-२३ में स्वीकृत की गई .

जलापूर्ति योजना ४ साल बाद भी अधर में लटकी है बाघानाल में बना जलमीनार आधा अधूरा बनाकर सफेद हाथी साबित हो रहा है इसके कारण भीषण गर्मी में भी स्थानीय ग्रामीण बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं केलाटांड पंचायत के मुखिया मनोज साव ने कहा कि वर्ष २०२२-२३ में इस योजना को बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया विभाग और संवेदक ने जल मीनार का ढांचा तो खड़ा कर दिया लेकिन उसके बाद काम को भगवान भरोसे छोड़ दिया, मुखिया ने बताया कि संबंधित विभाग बंद पड़ी जलमीनार को लेकर शिकायतें भी की गई लेकिन संबंधित विभाग मुनासिब नहीं समझे बताते चलें कि सरिया पूर्वी के चार पंचायत में मोकामो, कैलाटांड ,बधखारो, कसियाडीह जल मीनार स्वीकृत किया गया था लेकिन पानी की एक बूंद धरातल पर नहीं दिखी सबसे आश्चर्य की बात है.

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में आज दिनांक ३० जून २०२६ को सेवानिवृत्त हो रहे ४१ कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (एम एच एस) उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) के साथ संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी एवं सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों के परिजन भी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए.

समारोह के शुभारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के दीर्घकालिक योगदान एवं समर्पण की सराहना की. कार्यक्रम में निदेशक प्रभारी का विशेष शुभकामना संदेश भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने सभी कर्मियों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की. मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम एच एस) ने अपने संबोधन में कर्मियों के परिश्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके अनुभवों ने संयंत्र को उत्कृष्टता के वर्तमान स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. उन्होंने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई उपहार भेंट किए और उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की मंगलकामना की.

मुख्य अतिथि अधिशासी निदेशक (एम एच एस) ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनकी निष्ठा, समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी तथा उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं. उन्होंने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र एवं उपहार भी भेंट किए. जून २०२६ में बोकारो स्टील प्लांट से कुल १३ अधिशासी एवं २८ अनाधिशासी कर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं. समारोह के दौरान सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-सेवाएँ) द्वारा प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बायो-डाटा का प्रस्तुतिकरण किया गया.

बोकारो स्टील प्लांट के सी ए विभाग में कार्यरत मुख्य महाप्रबंधक (सी ए) श्री विजय कुमार के लिए आयोजित एक अन्य विदाई समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी एवं अधिशासी निदेशक सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे. सभी लोगों ने बोकारो स्टील प्लांट में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की तथा उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं.यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने अनुभवी मानव संसाधन के प्रति संवेदनशीलता और उनके योगदान के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करता है. अनुभवी कर्मियों का विदाई समारोह न केवल उनके परिश्रम को मान्यता प्रदान करता है, बल्कि यह वर्तमान कार्यबल के मनोबल को बढ़ाने और संगठन में एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति को सुदृढ़ करने में भी सहायक सिद्ध होता है.

मुनीडीह कोलियरी की 15 सीम लॉन्गवॉल परियोजना में सतही संगतता परीक्षण सफल

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल की पश्चिमी झरिया क्षेत्र स्थित मुनिडीह कोलियरी की १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए नव आगत लॉन्गवॉल उपकरणों का सतही संगतता (सर्फ़ेस कम्पैटिबिलिटी) परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस सफलता के साथ उपकरणों की भूमिगत स्थापना एवं कमीशनिंग के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित हो गई हैं तथा १५ सीम से आधुनिक यंत्रीकृत कोयला उत्पादन प्रारंभ करने की दिशा में परियोजना ने एक महत्वपूर्ण चरण पूरा कर लिया है।

इस अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया तथा निदेशक (वित्त) राजेश कुमार ने परियोजना स्थल का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की तथा लॉन्गवॉल प्रणाली के सफल सतही संगतता परीक्षण का अवलोकन किया। निदेशक मंडल ने पावर्ड रूफ सपोर्ट (पीआरएस) के विभिन्न कम्पोनेंट को भूमिगत कार्यस्थल तक भेजे जाने हेतु हरी झंडी दिखाकर परियोजना के अगले चरण का शुभारंभ किया। अब परियोजना के अंतर्गत उपकरणों की भूमिगत स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग की प्रक्रिया निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार आगे बढ़ाई जाएगी।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (समन्वय) अरिंदम मुस्तफी, महाप्रबंधक (पश्चिमी झरिया) वी. विजय कुमार, अपर महाप्रबंधक (पश्चिमी झरिया) श्री एस. के. पांजा तथा मुनिडीह कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी डॉ. सनी राव उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधियों तथा चीन, चेक गणराज्य एवं जर्मनी से आए मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) विशेषज्ञों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. सनी राव ने १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना पर विस्तृत प्रस्तुति देते हुए उपकरणों के सफल आगमन एवं सतही संगतता परीक्षण, परियोजना की प्रगति, कार्यान्वयन कार्यक्रम, परिचालन तैयारियों तथा भूमिगत कमीशनिंग एवं उत्पादन प्रारंभ करने की आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सीएमडी बीसीसीएल मनोज अग्रवाल ने कहा कि १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना कंपनी की रणनीतिक परियोजनाओं में से एक है, जो भूमिगत यंत्रीकृत कोयला उत्पादन को नई गति प्रदान करने के साथ-साथ आधुनिक खनन तकनीकों के प्रभावी उपयोग को भी सुदृढ़ करेगी। उन्होंने परियोजना टीम को समयबद्ध तरीके से उपकरणों की कमीशनिंग सुनिश्चित करने, परिचालन दक्षता बनाए रखने तथा लॉन्गवॉल प्रणाली का अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, परियोजना दल को सभी सुरक्षा मानकों एवं निर्धारित एसओपी का पालन करते हुए चालू वित्तीय वर्ष के भीतर ब्रेक-ईवन उत्पादन स्तर प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए परियोजना को लाभदायक एवं दीर्घकालिक रूप से सतत् संचालन का सफल मॉडल बनाने पर विशेष बल दिया।

बीसीसीएल आधुनिक एवं सुरक्षित खनन तकनीकों को अपनाकर भूमिगत कोयला उत्पादन क्षमता में वृद्धि, परिचालन दक्षता में सुधार तथा आत्मनिर्भर एवं तकनीक-सक्षम कोयला उत्पादन प्रणाली के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। मुनीडीह की १५ सीम लॉन्गवॉल परियोजना की यह उपलब्धि इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और इसके सफल क्रियान्वयन से भविष्य में कंपनी के भूमिगत उत्पादन को नई मजबूती मिलने की अपेक्षा है।

पीबी क्षेत्र में सेवानिवृत्त 19 कर्मियों को दी गई विदाई

पुटकी (ससे) : पीबी क्षेत्र के सभागार में सेवानिवृत्त हुए १९ कर्मियों का सम्मान सह विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पुटकी-बलिहारी क्षेत्र के महाप्रबंधक जयंता कुमार दास उपस्थित थे।कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि कर्मचारियों की मेहनत, समर्पण और कार्यनिष्ठा किसी भी संस्थान की सफलता की आधारशिला होती है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के स्वस्थ, सुखद एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिये। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके लंबे सेवाकाल और संस्थान के प्रति ईमानदारी से दिये गए योगदान को याद करते हुए विदाई दी। मौके पर अवर महाप्रबंधक सुजीत कुमार सिंह, अवर महाप्रबंधक अभिषेक राय, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) आशुतोष तिवारी, क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रशासन) सहित मानव संसाधन, प्रशासन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। समारोह का वातावरण भावनात्मक रहा, जहां सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए और प्रबंधन तथा सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकार स्थायी बीडीओ,सीडीपीओ एवं बीईईओ की करे पदस्थापना : गंगाधर

डुमरी (ससे): झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन ने डुमरी में स्थायी एसडीएम की पदस्थापना का स्वागत करते हुए इसे संगठन के आंदोलन की बड़ी सफलता बताया है।साथ ही राज्यपाल और राज्य सरकार का आभार जताया है।यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो एवं संरक्षक चेतलाल महतो ने मंगलवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि १२/३/२०२६ को बस स्टैंड से डुमरी अनुमंडल कार्यालय तक आयोजित सांकेतिक विरोध प्रदर्शन के बाद लगातार उठाई गई मांग आखिरकार पूरी हुई।सरकार ने राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता को डुमरी का नया अनुमंडल पदाधिकारी नियुक्त किया।कहा कि लंबे समय से में स्थायी एसडीएम का पद प्रभार में रहने से राशन वितरण,भूमि विवाद सहित कई जनहित के मामले लंबित पड़े थे जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी।

तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा, 42 प्रवासी श्रमिक ट्रेन से झारखण्ड के लिए रवाना

धनबाद (कासं) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा झारखण्ड के सभी ४२ श्रमिकों की सुरक्षित झारखण्ड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखण्ड के लिए रवाना हो चुके हैं। मालूम हो कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में विगत २१ जून को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुःखद औद्योगिक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखण्ड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएँ। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव व श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे तथा अस्पताल प्रशासन के साथ चौबीसों घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया।

इस औद्योगिक हादसे में झारखण्ड के कुल ४२ प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखण्ड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में झारखण्ड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद सभी ४२ श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखण्ड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं।

यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। इस हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक प्रीति देवी का उपचार के दौरान चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में दुःखद निधन हो गया था। झारखण्ड सरकार की पहल पर मृतका के परिजनों के तमिलनाडु आगमन, शव की पहचान, पोस्टमार्टम एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कराया गया। तमिलनाडु सरकार के सहयोग से मृतका का पार्थिव शरीर मंगवार शाम हवाई मार्ग से बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पहुँचेगा। झारखण्ड सरकार द्वारा एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से पार्थिव शरीर को ससम्मान उनके गृह जिला धनबाद भेजा जाएगा। मृतका का ससुराल टुंडी मनियाडीह है।

जबकी मायका बाघमारा नीचतपुर है। उनका पार्थिव शरीर मायके जाएगा। झारखण्ड सरकार पीड़ित परिवारों के साथ इस दुःख की घड़ी में मजबूती से खड़ी है। राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा नियोक्ता और संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है, ताकि मृतका के परिजनों को नियमानुसार देय उचित मुआवजा और अन्य सभी वैधानिक लाभ जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जा सकें।

हूल दिवस पर डीसी-एसपी-डीडीसी ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

बोकारो (ससे): मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, डीडीसी शताब्दी मजूमदार आदि ने चास आइटीआइ मोड़ स्थित अमर क्रांतिकारी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी, नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने संथाल हूल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण आधारशिला बताया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष १८५५ का संथाल हूल केवल आदिवासी इतिहास की घटना नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह जनविद्रोह १८५७ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तैयार करने वाला आंदोलन था, जिसने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध व्यापक जनजागरण और संगठित प्रतिरोध का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के विरुद्ध इस ऐतिहासिक संघर्ष का नेतृत्व एक ही परिवार के वीर क्रांतिकारियों - सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो ने किया। इन महान सेनानियों ने शोषण, अन्याय और ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संथाल समाज को संगठित कर अदम्य साहस और बलिदान का परिचय दिया। उनका संघर्ष आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता और न्याय के लिए पूरे देश को प्रेरित करने वाला था।

उपायुक्त ने कहा कि संथाल हूल केवल एक क्षेत्रीय या आदिवासी आंदोलन नहीं था, बल्कि विदेशी शासन के विरुद्ध संगठित राष्ट्रीय प्रतिरोध का सशक्त स्वर था। १८५७ के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ और भारत का प्रशासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया। इस दृष्टि से १८५७ भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ, जिसकी वैचारिक एवं संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि १८५५ के संथाल हूल में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो जैसे महान क्रांतिकारियों के त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए।

बीसीसीएल में स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों ने निविदा प्रक्रिया की समीक्षा की

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल से स्वतंत्र बाह्य मॉनिटर (इंडिपेंडेंट एक्सटर्नल मॉनिटर्स) अरविंद कुमार कादयान एवं अमृत लुगुन ने औपचारिक भेंट की। इस दौरान निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। अवसर पर दोनों विशेषज्ञों ने सीएमडी को बीसीसीएल अधिकारियों के साथ आयोजित निविदा प्रक्रिया संबंधी समीक्षा बैठक के आयोजन एवं उसके प्रमुख उद्देश्यों की जानकारी दी तथा बैठक के दौरान विभिन्न प्रक्रियागत एवं संस्थागत विषयों पर हुए विचार-विमर्श से अवगत कराया।

सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने दोनों स्वतंत्र बाह्य मॉनिटरों का स्वागत करते हुए उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन को संगठन की पारदर्शी, निष्पक्ष एवं उत्तरदायी कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के संवाद एवं रचनात्मक सुझावों से बीसीसीएल की निविदा प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप संचालित करने में सहायता मिलेगी।

इससे पूर्व, कोयला भवन सम्मेलन कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में श्री कादयान एवं लुगुन ने सामग्री प्रबंधन विभाग, कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सेल तथा असैनिक विभाग के अधिकारियों के साथ बीसीसीएल निविदा प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान निविदा प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों, प्रक्रियात्मक पहलुओं एवं अन्य संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा दोनों विशेषज्ञों ने अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए।

बैठक में हाल ही में आमंत्रित एवं संपादित की गई निविदाओं, निविदा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों, तकनीकी निविदाओं के परीक्षण, मूल्यांकन प्रक्रिया तथा निविदा प्रणाली से जुड़े अन्य तकनीकी एवं प्रक्रियागत विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता, दक्षता एवं सतर्कता संबंधी मानकों के प्रभावी अनुपालन पर विशेष बल दिया गया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) धनराज आखरे, महाप्रबंधक (सामग्री प्रबंधन) आनंद कुमार, विभागाध्यक्ष (कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट सेल) विक्रम कुमार सहित असैनिक विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

1 से डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू होने में अड़चन

सम्राट सरकार करेगी नई तारीख का ऐलान

पटना(ईएमएस): बिहार में सम्राट चौधरी सरकार की घोषणा के बावजूद १ जुलाई से डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू नहीं हो पाएगी। राज्य सरकार ने पहले छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए १ जुलाई से बिहार के २११ नवसृजित डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू किए जाने की बात कही थी, लेकिन अब इन कॉलेजों में पढ़ाई शुरू होने पर फिलहाल पेच फंस गया है। मिली जानकारी के अनुसार, कॉलेजों की तैयारी पूरी नहीं होने के कारण वे अभी पढ़ाई शुरू करने की स्थिति में नहीं हैं। इन कॉलेजों के संचालन में कई तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं, जिसके चलते १ जुलाई से पढ़ाई शुरू करने की योजना को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। अब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सहमति के बाद ही इसके लिए नई तारीख

तय की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग इन कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराने की तैयारी अपने स्तर पर कर रहा था, और सरकार की घोषणा के अनुसार पहली जुलाई से इनमें पढ़ाई शुरू होनी थी।

हालांकि, शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति से लेकर आवश्यक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) विकसित करने तक कई चुनौतियां सामने आ गई हैं। इस संबंध में विभागीय स्तर पर कई निर्णय लिए गए, लेकिन उनमें लगातार बदलाव होते रहे, जिससे तैयारियों में देरी हुई।

राज्य सरकार ने उन सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोलने का निर्णय लिया था, जहां वर्तमान में ऐसा कोई कॉलेज नहीं था। इसके तहत पहले २०८ प्रखंडों की पहचान की गई थी, जिसमें बाद में तीन और प्रखंडों को जोड़ दिया गया, जिससे कुल संख्या २११ हो गई।

इन कॉलेजों में पहले चरण में १६ विषयों की पढ़ाई को मंजूरी दी गई थी, हालांकि १ जुलाई से केवल छह विषयों में ही पढ़ाई शुरू करने की योजना थी। इन २११ कॉलेजों के लिए राज्य सरकार ने कुल ९,२८४ नए पदों के सृजन को मंजूरी दी थी, जिनमें ६,७५२ शिक्षक और २,५३२ शिक्षकेतर कर्मियों के पद शामिल हैं। प्रत्येक डिग्री कॉलेज के लिए ३२ शिक्षकों और १२ शिक्षकेतर कर्मियों के पद सृजित किए गए हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर ही है। नियमित नियुक्ति होने तक विभाग ने नौवीं से बारहवीं तक के शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्णय लिया था। इसके तहत नेट, जेआरएफ या पीएचडी की योग्यता प्राप्त शिक्षकों का चयन किया जाना था। लेकिन इस निर्णय का विरोध होने के कारण विभाग को इसे वापस लेना पड़ा, और इसी वजह से शिक्षकों का चयन नहीं हो सका।

नतीजतन, कॉलेजों में पढ़ाई शुरू करने के लिए पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं और न ही आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से तैयार हो पाया है। उच्च शिक्षा विभाग अब इस समस्या का समाधान करने और नई कार्ययोजना बनाने में जुटा हुआ है।

चढ़ावा चोरी मामले के बाद बड़े बदलाव की तैयारी

लखनऊ(ईएमएस) : राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला उजागर होने के बाद एसआईटी ने अन्य मंदिरों की तरह यहां पर भी मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति करने की सिफारिश की है। जब ये व्यवस्था लागू होगी तो किसी सेवारत अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। इसमें मंडलायुक्त, जिले के डीएम या कोई राजस्व अधिकारी हो सकता है।

दरअसल, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को अब तक मुख्य रूप से चंपत राय, अनिल मिश्रा व गोपाल राव चला रहे थे। अन्य पदाधिकारियों का हस्तक्षेप न के बराबर रहा। ट्रस्ट का गठन फरवरी २०२० में हुआ था। छह साल के भीतर कई विवाद जुड़े। वहीं अब चढ़ावा चोरी जैसा गंभीर मामला उजागर हुआ। इसलिए एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट में सीईओ को नियुक्त करने की सिफारिश की है, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आए और जवाबदेही भी तय की जा सके।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

भोजपुर (एर्जेसी): भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे सिरे से खारिज करते हुए मामले में याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा है।

याचिकाकर्ता ने की थी सुप्रीम कोर्ट से जांच की मांग

दरअसल इस मामले में याचिकाकर्ता द्वारा सीबीआई जांच और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन करने की मांग की गई थी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित कर जांच की मांग की गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता को जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की पीठ ने मामले में सुनवाई करने से इनकार करते हुए हाई कोर्ट जाने को कहा है।

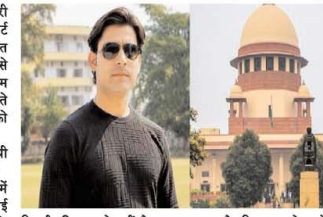

१७ जून को पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत तिवारी की आज तेरहवीं है। इस आयोजन में बिहार ही नहीं बल्कि कई राज्यों से हजारों लोगों के पहुंचने की संभावना है। अनुमान लगाया जा रहा है कि करीब २० से २५ हजार लोग पहुंचेंगे। सभी को ध्यान में रखते हुए भोजन, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं के लिए सैकड़ों हलवाई, स्वयंसेवक और सहयोगी लगाए गए हैं। दूसरी ओर, भरत तिवारी के परिजन लगातार सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। परिवार का कहना है कि जब मेरा बेटा पुलिस के सामने हथियार फेंककर सरेंडर कर दिया था तो भी उस पर गोलियां क्यों चलाई गई। परिजनों ने पुलिस द्वारा किए गए एनकाउंटर को फर्जी बताया गया है। इसी को लेकर उन्होंने सीबीआई द्वारा जांच की मांग की। भोजपुर के बिलाटी में घटनास्थल पर भरत की याद में ग्रामीणों ने गांव का नाम बदलकर 'शहीद भरत तिवारी जवइनियां' करने की भी मांग की जा रही है।

5 को बहुजन आर्मी ने बुलाया महाजुटान

भोजपुर (एर्जेसी): भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में हाल ही में सवर्ण समाज द्वारा शाहपुर के बिलौटी गांव में महापंचायत हुई थी। अब महापंचायत से जुड़े कुछ पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसके विरोध में बहुजन आर्मी नामक संगठन ने ५ जुलाई को जगदीशपुर प्रखंड में महापंचायत बुलाने का ऐलान

किया गया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी होंगे शामिल। सोशल मीडिया (द) पर देश की जनता पुकार, बहुजन एकता अबकी बार के नारे के साथ उन्होंने ५ जुलाई को सभी से महाजुटान में शामिल होने की अपील की है। आयोजन में हजारों लोगों की भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। इधर, महाजुटान को लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। महाजुटान लाल बिहारी सिंह टोला स्थित हाई स्कूल मैदान में होना है। इसे लेकर बहुजन महापंचायत कमिटी ने स्थानीय प्रशासन को आवेदन दे दिया है। महापंचायत का आयोजन बहुजन आर्मी नामक संगठन द्वारा किया जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डेन दास सभी दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज के लोगों से बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है। इसकी जानकारी लोगों तक सोशल मीडिया के जरिए भी पहुंचाई जा रही है। संगठन अध्यक्ष गोल्डन दास ने चेतावनी देते हुए घोषणा की है कि जरुरत पड़ी तो आने वाले समय में दिल्ली के जंतर-मंतर में भी महापंचायत की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी इस मामले में समर्थन की मांग की है।

दरअसल महापंचायत से जुड़े कुछ पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसी पोस्टर को लेकर विवाद हो रहा है। पोस्टर में भगवान बुद्ध, सम्राट अशोक, लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान और मुलायम सिंह यादव जैसे बड़े नेताओं की तस्वीरें लगी हैं। कुछ पोस्टरों पर भरत तिवारी के श्राद्ध तक अल्टीमेटम देने की भी बात लिखी गई है। इसी को लेकर विरोध किया जा रहा है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बीते दिनों मीडिया में बोलते नजर आए थे कि देश संविधान से चलेगा, न कि अवैध हथियारों के दम पर। उनके अनुसार भरत तिवारी कोई क्रांतिकारी नहीं, बल्कि एक अपराधी था।

जनसुनवाई में उप-मुख्यमंत्री ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

पटना, (ईएमएस): पटना स्थित जद(यू) प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिहार सरकार के उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आमजन एवं कार्यकर्ताओं की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना।

प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध एवं त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी भी उपस्थित रहे। इस मौके पर उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने जिस भरोसे के साथ एनडीए को जनादेश दिया था, सरकार उसके अनुरूप काम कर रही है और अपने कार्यों से अपनी विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है। विकास कार्यों को गति देने के क्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य के लिए कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाई है।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते २० वर्षों के शासनकाल में बिहार ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और वर्ष २०२५-३० के लिए उनके नेतृत्व में एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश मिला है। सम्राट चौधरी ने कई बार सार्वजनिक मंचों से यह दोहराया है कि एनडीए सरकार नीतीश कुमार के सुशासन और न्याय के साथ विकास के रास्ते पर ही आगे बढ़ रही है और बिहार की जनता भी इस बात को गहराई से महसूस कर रही है। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि सरकार बाढ़ और सूखे, दोनों ही विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। संभावित खतरों को देखते हुए संवेदनशील तटबंधों को पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया है। साथ ही, प्रभावित क्षेत्रों के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक राहत सामग्रियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। वहीं, दूसरी ओर सूखे की स्थिति में किसानों के लिए सिंचाई के पानी की व्यवस्था को लेकर भी सरकार गंभीर है। इस दिशा में गंगा और गंडक नदियों के अतिरिक्त पानी को लिफ्ट कर जलाशयों में संचित करने के लिए सरकार प्रतिबद्धता है।

3 को खान सर की जमानत पर होगी अगली सुनवाई

पटना (एर्जेसी):टना के चर्चित कोचिंग विवाद मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेल में बंद खान सर के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियार के लाइसेंस से संबंधित रिपोर्ट थाना से तलब की। मामले में खान सर की ओर से वकील सत्यम झा ने बताया कि कांड संख्या ४१८/२६ में तीन आरोपितों के मामले पर सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई ३ जुलाई को होगी।

उधर, ज्ञान बिंदू के संचालक रौशन आनंद पक्ष की ओर से अधिवक्ता ने कोर्ट में दलील दी। बताया कि गिरफ्तार हुए एक बॉडीगार्ड के पास बरामद हथियार का लाइसेंस उत्तर प्रदेश का है, और उसका उपयोग बिहार में किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों की जांच के लिए एफएसएल को भेज दिया गया है। अगर गोली चलाने की पुष्टि होती है तो लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

पुलिस के अनुसार, फायरिंग में इस्तेमाल किया गया एक हथियार उत्तर प्रदेश के कासगंज निवासी तालेबर सिंह के नाम पर है। हथियार का लाइसेंस पूरे भारत में मान्य नहीं था, जबकि बिहार में इसका इस्तेमाल किया जा रहा था। आरोप यह भी है कि सुरक्षा ड्यूटी करने की भी गार्ड्स के पास वैध अनुमति नहीं थी।

विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से कमाल का इस्तीफा

लखनऊ,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और मुरादाबाद जिले की कांठ विधानसभा सीट से विधायक कमाल अख्तर ने विधानमंडल के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस फैसले के बाद पार्टी के भीतर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो

गई हैं और इसे संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, हाल के दिनों में सपा सांसद रुचि वीरा के साथ मतभेदों की खबरें सामने आई थीं। बताया जाता है कि इस विवाद को सुलझाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने लखनऊ में दोनों नेताओं के साथ बैठक भी की थी। हालांकि, इसके बावजूद कमाल अख्तर के इस्तीफे ने कई राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है। हालांकि, कमाल अख्तर ने अभी तक अपने इस्तीफे के कारणों पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। वहीं, समाजवादी पार्टी की ओर से भी इस मामले में आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है। कमाल अख्तर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उनका प्रभाव माना जाता है। वह कई बार विधायक रह चुके हैं और पार्टी संगठन में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते रहे हैं। ऐसे समय में उनका मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देना महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि समाजवादी पार्टी आगामी चुनावी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती पर काम कर रही है। अब सबकी नजर पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया और आगे की राजनीतिक परिस्थितियों पर टिकी है।

कमाल अख्तर का जन्म २४ अक्टूबर १९७१ को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के उझारी गांव में हुआ था। उनके पिता नफीसुद्दीन अहमद और माता महजबीन स्थानीय राजनीति से जुड़े रहे हैं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया से अर्थशास्त्र में बी.ए. (ऑनर्स) और एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और समाजवादी पार्टी के साथ अपना राजनीतिक सफर शुरू किया। अपनी संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क के कारण वह पार्टी के प्रमुख मुस्लिम नेताओं में गिने जाते हैं। कमाल अख्तर ऐसे परिवार से आते हैं, जिसकी कई पीढ़ियां स्थानीय राजनीति में सक्रिय रही हैं। उनके पिता नफीसुद्दीन अहमद लगातार तीन बार उझारी गांव के प्रधान रहे और बाद में उझारी नगर पंचायत के अध्यक्ष भी बने। उनकी माता महजबीन ने भी कई बार नगर पंचायत अध्यक्ष का पद संभाला। इसके अलावा उनकी पत्नी हुमेरा अख्तर भी स्थानीय निकाय राजनीति में सक्रिय रही हैं।

गरीबों, वंचितों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना निशांत कुमार का लक्ष्य : जद (यू)

पटना, (ईएमएस)। जद (यू०) के प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री माननीय श्री निशांत कुमार द्वारा पटना के दरियापुर भट्ठी में आधुनिक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन करना केवल एक नई स्वास्थ्य सुविधा का शुभारंभ नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बिहार सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। उनकी यह पहल सराहनीय है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। दरियापुर भट्ठी, सब्जीबाग और आसपास का क्षेत्र अत्याधिक सघन आबादी वाला इलाका है, जहां बड़ी संख्या में गरीब, अल्पसंख्यक एवं अतिपिछड़ा समुदाय के लोग रहते हैं। लंबे समय से इस क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने इस आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए यहां अत्याधुनिक शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना सुनिश्चित की। इस स्वास्थ्य केंद्र में मात्र दो रुपये के पंजीकरण शुल्क पर मरीज क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर डॉक्टरी सलाह प्राप्त कर सकेंगे। यहां ४२ प्रकार की जांच पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध होगी तथा आवश्यकता के अनुसार लगभग १५० प्रकार की दवाएं भी मुफ्त दी जाएंगी। यह व्यवस्था दर्शाती है कि निशांत कुमार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, आधुनिक बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य केंद्र बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड ३७, ३९, ४० और ४२ के हजारों नागरिकों को सीधे लाभान्वित करेगा। इससे गरीब परिवारों को बेहतर इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा और समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने क्षेत्र में उपलब्ध होंगी। दरियापुर का यह इलाका केवल अपनी घनी आबादी के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक पहचान के लिए भी जाना जाता है। इसी क्षेत्र में प्रतिष्ठित पटना कॉलेजिएट स्कूल भी स्थित है। ऐसे महत्वपूर्ण और घनी आबादी वाले इलाके में आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना यह प्रमाणित करती है कि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चैधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार विकास की योजनाओं में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का यह कदम उनके दूरदर्शी नेतृत्व, संवेदनशील सोच और गरीबों के प्रति समर्पण का परिचायक है।

2027 की तैयारी में जुटे अखिलेश यादव

लखनऊ (ईएमएस) : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२७ की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी रणनीति के तहत वह लगातार प्रदेश के अलग-अलग जिलों का दौरा कर रहे हैं। इन दौरों में वह पार्टी नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति का आकलन कर रहे हैं, साथ ही संभावित उम्मीदवारों को चुनावी तैयारी का संकेत भी दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, अखिलेश यादव जिस जिले में जाते हैं वहां पुराने समाजवादी नेताओं, विशेषकर मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे नेताओं से भी मुलाकात करते हैं।

इसके अलावा पार्टी के सांसदों और विधायकों के घर जाकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। कई बार वह संबंधित जिले में रात्रि प्रवास भी करते हैं ताकि स्थानीय संगठन के साथ अधिक समय बिता सकें। हाल ही में प्रयागराज दौरे के दौरान अखिलेश यादव ने स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

BEFORE THE EXECUTIVE MAGISTRATE, AT DHANBAD

AFFIDAVIT

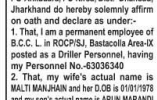

I. BHARAT MAJHI, S/o Rasik Manjhi, D.O.B.- 31.01.1970, by faith- Hindu, by-occupation Service, R/O- Ankhduara, PO-Ankduara, PS-Nirsa, Dist.- Dhanbad, Jharkhand do hereby solemnly affirm on oath and declare as under:-
1. That, I am a permanent employee of B.C.C. L. in ROCP/SJ, Bastacolla Area-IX posted as a Driller Personnel, having my Personnel No.-63036340
2. That, my wife's actual name is MALTI MANJHAIN and her D.OB is 01/01/1978 and my son's actual name is ARUN MARANDI and his D.O.B. is 02/03/2004.
3. That, my wife's name is mentioned as SMT. MALAUTI MAJHIYAN and my son's name as a ARUN MANJHI in my Service file maintained in the company [BCCL].
4. That, my wife's name as mentioned in Aadhar card vide no. 8015 4548 6079 and PAN Card vide no. EFZPM1514KK is MALTI MANJHAIN and my son's name as mentioned in Adhar card vide no.4356 8803 9994 and PAN Card vide no.HQNPM5723A as ARUN MARANDI.
7. That, MALTI MANJHAIN and SMT. MALAUTI MAJHIYAN both are same and one person i.e. my legal wife and ARUN MARANDI and ARUN MANJHI both are same and one person i.e. my son.
8. That, I am affixing me & my wife's and my son's photograph for proper identification.
9. That, all contents of this affidavit are true, correct and genuine and nothing has been concealed
10. That, I am swearing this affidavit to file it before the competent authority for needful purpose.

Sl. No 33845 Date. 291/6/26

चितरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई–निविदा

सं. COS/CRJ/PUB/e-Tender/19/0162, दिनांक: 24/06/2026। निम्नलिखित ई–निविदाओं को www.ireps.gov.in लिंक के अन्तर्गत देखा जा सकता है। ऐसे ई–निविदा के प्रस्ताव केवल www.ireps.gov.in →लॉगिन →ई–निविदा स्टोर्स/सप्लाई लिंक पर जाकर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विक्रेता विशेष निविदा या आईआरईपीएस से सम्बन्धित जानकारी, यदि कोई हो, के सम्बन्ध में अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से भी सम्पर्क कर सकते हैं दोनों निविदा सूचना के लिए उप सीएमएम/पी/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन 9163340721 या एएमएम/पी. 9163342746। कार्यालय का पता: पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन का कार्यालय। क्र.सं.; निविदा संख्या; मद का विस्तृत विवरण, मात्रा; बयाना राशि जमा (रुपये); निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय (आईएसटी) निम्नानुसार हैं: [01]; 74263764; CLW Drg. नंबर– 1209-01.418-004 Alt-2 के अनुसार WAG-9HC के लिए स्पेसर। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के 30 महीने बाद]; 30317.00 nos.; ₹ 125930.00; 20/07/2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे। [02]; 74263743; एसपीईसीएन नंबर– CLW/MS/03/0003 Alt-5 के अनुसार WAG-9HC के लिए बिना बेयरिंग [CRU-150] वाला पूरा एक्सल बॉक्स [सेट का मतलब है लोको सेट जिसमें 03 (तीन) आइटम शामिल हैं, जैसा कि साथ में दिए गए सेट विवरण में बताया गया है] [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]; 756.00 sets; ₹ 2000000.00; 28/07/2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे। [03]; 74263724; (i) एसपीईसीएन CLW/MS/3/SPEC./ELDO-BOGIE/004, Alt.3, डीआरजी. नं. 1209-01.115-028 आइटम–1 और आइटम–2 के अनुसार WAG-9HC के लिए सेकेंडरी हेलिक्ल स्प्रिंग। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने], (ii) एसपीईसीएन CLW/MS/3/SPEC./ELDO-BOGIE/004, Alt.3, डीआरजी. नं. 1209-01.215-027 आइटम–1 और आइटम–2 के अनुसार WAG-9HC के लिए प्राइमरी हेलिकल स्प्रिंग। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]; (i) 614.00 sets, (ii) 580.00 sets; ₹ 2000000.00; 03/08/2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे। [04]; 74263710; RDSO डीआरजी. नंबर SK.DL-4748 Alt-2 या नवीनतम और RDSO एसपीईसी. नम्बर– MP-0.41.00.03 (Rev.03) अगस्त 2024 या नवीनतम के अनुसार लॉन्ग लाइफ लोको साइड बफर असेंबली (क्षमता: कम से कम 30 KJ)। [वारंटी अवधि: डिलीवरी की तारीख के बाद 30 महीने]; 1351.00 nos.; ₹ 1436660.00; 17/08/2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे।

PR2/402 पीसीएमएम/चिरेका/चित्तरंजन

"हमें www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें"

राम मंदिर दान चोरी: 17 साल बाद आरएमओ अर्जुन देव का तबादला

अयोध्या (ईएमएस): अयोध्या में राम मंदिर में दान की कथित चोरी मामले की जांच ने रफ्तार पकड़ी है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट के बाद अधिकारियों ने अहम प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए हैं। एक बड़े घटनाक्रम में, अयोध्या में करीब १७ साल से तैनात रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर किया गया है। इस बीच, गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों को १४ जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांचकर्ता अब बैंक अधिकारियों, मंदिर के कर्मचारियों और दान की गिनती की प्रक्रिया से जुड़े कई अन्य लोगों की संभावित भूमिका की जांच के लिए अपनी पड़ताल का दायरा बढ़ा रहे हैं।

अर्जुन २००९ से अयोध्या में कार्यरत थे, और हैरानी की बात यह है कि इन सालों में कई बार उनके तबादले के आदेश जारी हुए, लेकिन हर बार उन्हें रद्द किया गया। लखनऊ में उनका हालिया तबादला भी रद्द हुआ था। अब एसआईटी की रिपोर्ट के बाद, उन्हें गोरखपुर भेजा गया है। अर्जुन देव की जिम्मेदारी मंदिर के दान गिनने वाले कमरे के अंदर सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम और पूरे राम मंदिर परिसर में लगे करीब १,६०० कैमरों की निगरानी करना था। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी रिपोर्ट ने उनकी भूमिका पर चिंता जाहिर की गई है, क्योंकि वह अपनी आधिकारिक जिम्मेदारियों के अलावा वीवीआईपी दर्शन और मंदिर प्रबंधन के कई अन्य पहलुओं में भी शामिल थे।

यह भी दावा किया गया है कि मंदिर ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों से उनकी करीबी के कारण ही उनके तबादले बार-बार रद्द होते थे।

जांच का दायरा अब सिर्फ मंदिर ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी चंपत राय या गिरफ्तार हुए आठ आरोपियों तक ही सीमित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, करीब ७० से ८० लोग अब जांच के दायरे में आ गए हैं, और उन्हें नोटिस भेज दिए गए हैं। पुलिस ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), बैंक ऑफ बड़ौदा और केनरा बैंक सहित करीब छह बैंकों को नोटिस जारी किए हैं। जांचकर्ताओं ने एसबीआई से दान की गिनती की प्रक्रिया की निगरानी करने वाले बैंक कर्मचारियों, रत्नेश चतुर्वेदी और गगनदीप, की भूमिका और जानकारी मांगी है। इसके अलावा, अधिकारियों ने अयोध्या में काम कर रहे बैंकों से राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों और उनसे जुड़े लोगों की पूरी बैंकिंग जानकारी भी मांगी है।

इस बीच, आरोपी लवकुश मिश्रा की संपत्ति पर सवाल उठे हैं। पुलिस को पता चला है कि अयोध्या के शहादतगंज इलाके में उनकी पत्नी सुप्रिया मिश्रा के नाम पर करीब १,००० स्क्वायर फ़ीट का एक प्लॉट खरीदा गया था। सूत्रों के मुताबिक, यह ज़मीन अक्टूबर २०२३ में लगभग २५ लाख रुपये में खरीदी गई थी, और इस पर तीन मंज़िला घर बनाने में पहले ही ८० से ९० लाख रुपये तक का खर्च हुआ है, जिससे कुल निवेश लगभग १.५ करोड़ रुपये का अनुमान है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, तीन दिन पहले तक निर्माण कार्य जारी था, लेकिन पुलिस जांच शुरू होने के बाद रोक दिया गया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि २०,००० रुपये मासिक आय वाले लवकुश मिश्रा ने इतनी महंगी संपत्ति कैसे जुटाई।

रांची में रिम्स-2 और एम्स बनाने के लिए झारखंड ने केंद्र से मांगे 2000 करोड़

रांची (एजेंसी): झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने नई दिल्ली में आयोजित १६वीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद की बैठक में शामिल हुए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डॉ. अंसारी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

उन्होंने रांची में नए -एम्स की स्थापना, रिम्स-२ परियोजना के लिए २,००० करोड़ रुपये की केंद्रीय मदद और राज्य के ८ पिछड़े जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने जैसी बड़ी मांगें पुरजोर तरीके से उठाई।

केंद्र से 2000 करोड़ की मदद का आग्रह

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ४१०० करोड़ की लागत से रिम्स-२ परियोजना पर काम कर रही है, जिसके लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से ऋण लेने की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने केंद्र से २००० करोड़ की वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। आयुष, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और कैंसर पर भी जोर : उन्होंने झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की शीघ्र स्वीकृति, सभी सदर अस्पतालों में आईसीयू, सीसीयू और एचडीयू की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ममता वाहन उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।

आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय भुगतान में केंद्र से सहयोग का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना राज्य की प्राथमिकता है।

8 जिलों में नए मेडिकल कॉलेज और सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव

इसके अलावा कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या का उल्लेख करते हुए आधुनिक मशीनों और अतिरिक्त वित्तीय सहायता की भी मांग की।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने चतरा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, पाकुड़, रामगढ़, सिमडेगा और साहिबगंज समेत अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग की।

साथ ही राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों को १०० से बढ़ाकर २०० तथा पीजी सीटों को २५० तक करने का प्रस्ताव रखा, ताकि विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर हो सके।

2 से 6 जुलाई तक झारखंड दौरे पर रहेंगे कांग्रेस प्रभारी के.राजू

रांची (एजेंसी): कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (-खउउ) के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के राजू २ जुलाई से ६ जुलाई २०२६ तक झारखंड के व्यापक संगठनात्मक दौरे पर रहेंगे। सिन्हा ने बताया कि ५ जुलाई को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, में एसआईआर समिति के सदस्यों, प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों तथा विभिन्न मोर्चा एवं विभागों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान के राजू रांची, लातेहार, पलामू, रामगढ़ एवं हजारीबाग जिलों का दौरा करेंगे। वे पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस पदाधिकारियों, जीपीसीसी सदस्यों, प्रखंड कांग्रेस कमेटियों एवं जिला कांग्रेस कमेटियों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती, बूथ सशक्तिकरण तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे।

हूल क्रांति के अमर सेनानियों का त्याग और बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा : राज्यपाल

रांची (एजेंसी): हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को लोक भवन, रांची में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हूल क्रांति के अमर महानायक सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों के अद्वितीय योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका संघर्ष, त्याग और बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है तथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक गौरवशाली और स्वर्णिम अध्याय है। सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानो सहित हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने अंग्रेजी हुकूमत, अन्याय, शोषण और दमनकारी व्यवस्था के विरुद्ध अदम्य साहस, अद्वितीय वीरता और असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत नींव बना और देशवासियों में स्वतंत्रता, स्वाभिमान तथा अधिकारों के प्रति नई चेतना का संचार किया।

उन्होंने कहा कि हूल आंदोलन केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जनजातीय समाज के व्यापक जनआंदोलन का प्रतीक था। यह आंदोलन आज भी सामाजिक न्याय, समानता, आत्मसम्मान और जनअधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने कहा कि हमें हूल क्रांति के महान सेनानियों के आदर्शों, उनके त्याग और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेते हुए समाज में एकता, समरसता और सेवा की भावना को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन महान विभूतियों के आदर्शों पर चलकर विकसित, समृद्ध और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण का संकल्प और अधिक सशक्त होगा।

घर-घर जाएंगे बीएलओ, बिना दस्तावेज भरें इन्यूमरेशन फॉर्म, 5 अगस्त को जारी होगी ड्राफ्ट मतदाता सूची

रांची (एजेंसी): झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत आज ३० जून से हो गई है। इस अभियान के तहत ३० जून से २९ जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और उनकी मैपिंग सुनिश्चित करेंगे। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

बीएलओ देंगे दो प्रतियों में इन्यूमरेशन फॉर्म

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि बीएलओ प्रत्येक मतदाता को आंशिक रूप से भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म दो प्रतियों में उपलब्ध कराएंगे। मतदाता फॉर्म भरकर एक प्रति बीएलओ को जमा करेंगे, जबकि दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास सुरक्षित रखेंगे।

उन्होंने बताया कि जो भी मतदाता निर्धारित अवधि में इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उनका नाम ५ अगस्त को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

फॉर्म भरने के लिए दस्तावेज देने की जरूरत नहीं

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि जब बीएलओ उनके घर पहुंचें तो वे पूरी जानकारी देकर प्रक्रिया में सहयोग करें।

मैपिंग नहीं होने पर मिलेगा नोटिस

के. रवि कुमार ने बताया कि जिन मतदाताओं की पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो पाएगी, उन्हें निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी (एठज) की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस मिलने के बाद संबंधित मतदाता आवश्यक दस्तावेज बीएलओ को उपलब्ध कराएंगे। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

एक भी पात्र नागरिक नहीं छूटेगा

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद ३२६ का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और एक भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

हर चरण में मौजूद रहेंगे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि

उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। अभियान के प्रत्येक चरण में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे और उन्हें सभी चरणों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही राज्य के सभी मतदाताओं से गणना पत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) भरकर बीएलओ को सहयोग करने की अपील की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 42 प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित

रांची (एजेंसी): तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक सीफूड एक्सपोर्ट कंपनी में अमोनिया गैस रिसाव की घटना के बाद झारखंड सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य के सभी ४२ प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर दी है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने तमिलनाडु प्रशासन, रेलवे और अस्पताल प्रबंधन के साथ लगातार समन्वय कर सभी श्रमिकों को चेन्नई से अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस के विशेष स्लीपर कोच से झारखंड के लिए रवाना कराया। हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक प्रीति देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। राज्य सरकार की पहल पर सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर उनका पार्थिव शरीर मंगलवार शाम हवाई मार्ग से रांची लाया गया।

देवघर के नवाडीह में मां-बेटे को कुल्हाड़ी से काट डाला रंजिश में हत्या की आशंका; जांच में जुटी पुलिस

सोनारायठाढ़ी/देवघर (एजेंसी): देवघर जिले के सोनारायठाढ़ी थानाक्षेत्र के नवाडीह गांव में मंगलवार को मां-बेटे की निर्मम हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान जुबेदा खातून और उनके बेटे के रूप में हुई है।

वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में ४ थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने घटनास्थल से दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से जांच कर रही है ताकि हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान की जा सके।

पुलिस पारिवारिक विवाद, आपसी रंजिश और संपत्ति विवाद समेत विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से हत्या

पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने बताया कि बीती रात करीब साढ़े ३ से ४ बजे के बीच सूचना मिली कि सोनारायठाढ़ी थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव में जुबेदा खातून और उनके बेटे की हत्या कर दी गई है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां दोनों के शव खून से लथपथ पड़े मिले। घटनास्थल की स्थिति को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों की हत्या कुल्हाड़ी और हथौड़े जैसे भारी हथियारों से की गई है।

आरोपियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

एसपी ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर गहन जांच की जा रही है। पुलिस जल्द ही हत्या के कारणों का खुलासा कर दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस लगातार क्षेत्र में छानबीन में जुटी हुई है।

जामताड़ा में हूल दिवस पर चंपाई सोरेन बोले- जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एक और 'हूल' क्रांति जरूरी

जामताड़ा (एजेंसी): आदिवासी और मूलवासी समाज के अस्तित्व व जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए आज झारखंड में एक और 'हूल' क्रांति की जरूरत है। संताल परगना से लेकर पूरे राज्य में आदिवासियों की जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं, लेकिन वर्तमान गठबंधन सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर मूकदर्शक बनी बैठी है। ये बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन कोल्हान के टाइगर ने जामताड़ा प्रखंड के अमलाबनी रामपुर चौक टोला स्थित सिद्धू-कान्हू चौक पर आयोजित हूल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

भोगनाडीह को पुलिस छावनी में तब्दील करना दुर्भाग्यपूर्ण

चंपाई सोरेन ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज का दिन बेहद ऐतिहासिक है, लेकिन बेहद अफसोस की बात है कि वीर शहीदों सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो की जन्मभूमि भोगनाडीह में ग्रामीणों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सरकार ने रोक दिया। भोगनाडीह को पुलिस छावनी में तब्दील कर वहां ५१ मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य जनता में दहशत पैदा करना और हूल दिवस के गौरवशाली इतिहास को मिटाना है। उन्होंने कहा कि जिस भोगनाडीह से अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका गया था, जिसके कारण संताल परगना का नामकरण हुआ और एसपीटी एक्ट बना, आज उसी स्वतंत्र धरा पर आयोजन नहीं करने दिया जा रहा है। हालांकि, सरकारी पाबंदियों के बावजूद लाखों की संख्या में लोग वहां पहुंच रहे हैं।

जमीन कब्जे का मुद्दा और एसपीटी एक्ट की अनदेखी

पूर्व सीएम ने कहा कि झारखंड राज्य अलग होने के बाद भी एसपीटी एक्ट को सख्ती से लागू नहीं किया गया, जिससे आज आदिवासी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सिर्फ पाकुड़ जिले में ही १५,००० एकड़ से अधिक आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जा हो चुका है, और यही हाल पूरे संताल परगना व झारखंड का है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'रिम्स २' के लिए नगरी में बिना ग्राम सभा की अनुमति के सरकार जबरन जमीन की घेराबंदी कर रही है।

तीर-धनुष से अंग्रेजों को झुकाने वाले पीछे नहीं हटेंगे

चंपाई सोरेन ने जनता को भरोसा दिलाया कि आदिवासियों की हड़पी गई एक-एक इंच जमीन वापस ली जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने तीर-धनुष के बल पर ब्रिटिश हुकूमत को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। यह सरकार पुलिस के दम पर जमीन कब्जा कर रही है, लेकिन जनता आने वाले समय में इसका करारा जवाब देगी।

परंपरागत तरीके से हुआ स्वागत, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

इससे पूर्व, 'आदिवासी सवता सुसार अखाड़ा' की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चंपाई सोरेन ने वीर सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके बाद ग्रामीणों ने आदिवासी परंपरा के अनुसार उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर अखाड़ा के संयोजक मंगल सोरेन, उत्तम हेम्ब्रम, सोनमुनि हेम्ब्रम, बीता हांसदा, सुनील हांसदा, मुखिया निर्मला सोरेन, दारा सिंह हेम्ब्रम, लालेश हेम्ब्रम, अर्जुन सोरेन और सुखेंद्र टुडू सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

जामताड़ा (एजेंसी): नारायणपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। मामला गोबिंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर कोरिडीह वन गांव के पास का है, जहां एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर प्रदर्शन करते हुए यातायात रोक दिया, जिसके कारण काफी देर तक सड़क जाम रही और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार की रामगढ़ में ईंट से मारकर हत्या, 11 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद

रामगढ़ (एजेंसी): रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत रबोध गांव में ही गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की ईंट से प्रहार कर हत्या कर दी गई। उनके पैतृक गांव मंगलवार को दिनदहाड़े घटना को अंजाम दिया गया।

सुबह जमीन विवाद को लेकर उनका झगड़ा गांव के ही कुछ लोगों के साथ झगड़ा हुआ। इस दौरान लगभग एक दर्जन महिला -पुरुषों ने मिलकर उन पर जानलेवा हमला किया। उनके सिर पर ईंट से जोरदार प्रहार कर दिया। सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल वहीं गिर गए और छटपटाकर घटनास्थल पर ही शांत पड़ गए। उनके परिजनों और गांव वालों ने आनन-फानन में बालेश्वर पटेल को होप हॉस्पिटल में भर्ती कराया। लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घर बनाने के लिए खरीदी थी जमीन

सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल ने अपने गांव में ही मई महीने में ११ डिसमिल जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने महेश प्रसाद से रजिस्ट्री कराई थी। उस पर वह घर बनाने के लिए बोरिंग करवा रहे थे। मंगलवार सुबह जब वह उस जमीन पर काम करा रहे थे, तभी उन पर लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया।

हेमंत सरकार में अधिकारी भी सुरक्षित नहीं : विधायक

घटना की सूचना मिलने पर विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो होप हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने झारखंड सरकार पर सीधा हमला बोला। कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। यहां जब अधिकारी ही सुरक्षित नहीं है तो आम जनता का हाल क्या होगा, इसकी कल्पना कर सकते हैं। उनके क्षेत्र में दिन दहाड़े असामाजिक तत्वों ने गिरिडीह में पदस्थापित सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की निर्मम हत्या कर दी। इस मामले के सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए।

दो गिरफ्तार, छापेमारी जारी

घटना की सूचना पर पहुंचे मांडू थाना प्रभारी सदानंद ने बताया कि वारदात के बाद तत्काल कार्रवाई की गई है। मामले में फिलहाल दो लोगों को पकड़ा गया है। साथ ही जिन लोगों का भी नाम सामने आया है, उनके खिलाफ छापेमारी चल रही है। रजिस्टर बालेश्वर पटेल के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना की पूरी जानकारी एकत्र की जा रही है। आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। लेकिन उनके सभी संभावित ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है। इस मामले के किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

रांची सदर अस्पताल में 1.45 किलो की विशाल तिल्ली का सफल ऑपरेशन, आयुष्मान योजना से मरीज को मिला नया जीवन

रांची (एजेंसी): झारखंड के सरकारी अस्पतालों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। इसका ताजा उदाहरण रांची सदर अस्पताल में देखने को मिला, जहां सर्जरी विभाग की टीम ने एक बेहद जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए १.४५ किलोग्राम वजनी विशाल तिल्ली (स्प्लीन) को लैप्रोस्कोपिक तकनीक से निकाल दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। खास बात यह रही कि पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत नि:शुल्क किया गया।

वर्षों से पेट दर्द और कमजोरी से थी परेशान

बुंडू प्रखंड के आनेडीह गांव निवासी सुलोचना देवी लंबे समय से पेट दर्द, पेट में भारीपन और अत्यधिक कमजोरी की समस्या से जूझ रही थीं। बीमारी के कारण उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो गया था। परिवार ने कई अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन बीमारी का सही कारण सामने नहीं आ सका। कुछ जगहों पर खून की गंभीर बीमारी और कैंसर जैसी आशंका भी जताई गई, जिससे परिवार चिंता में था।

१५ जून २०२६ को रांची सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग ने आधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीक की मदद से मरीज का सफल ऑपरेशन किया। इतनी बड़ी तिल्ली को दूरबीन विधि से निकालना चिकित्सकीय दृष्टि से बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। ऑपरेशन के बाद निकाली गई तिल्ली का वजन १.४५ किलोग्राम और आकार १८□१६ सेंटीमीटर पाया गया।

ऑपरेशन के बाद तेजी से सुधरी सेहत

सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। उनका हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर ११ ग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया, जो पहले की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। चिकित्सकों के अनुसार अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य जीवन जी सकती है।

आयुष्मान भारत योजना बनी बड़ी राहत

इस जटिल ऑपरेशन और इलाज का पूरा खर्च आयुष्मान भारत योजना के तहत वहन किया गया। यदि यही ऑपरेशन किसी निजी अस्पताल में कराया जाता, तो मरीज के परिवार को लाखों रुपये खर्च करने पड़ सकते थे। ऐसे में यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हुई।

चिकित्सकीय टीम को मिली बधाई

इस सफलता पर रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह ने पूरी चिकित्सकीय टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि झारखंड के सरकारी अस्पतालों में आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों की बदौलत लगातार जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। उन्होंने मरीज के स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए पूरी टीम के समर्पण और उत्कृष्ट कार्य की सराहना की।

सुबह नाश्ते में बनाएं रागी चीला, सेहत के लिए है सुपरफूड

रागी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। आयुर्वेद में इसे सुपरफूड माना गया है। ऐसे में सुबह ब्रेकफास्ट में रागी चीला आपको पूरे दिन एनर्जी देने के साथ साथ फिट रखने में मदद कर सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कई लोग सुबह का नाश्ता नहीं करते। तो कुछ लोग वजन घटाने के चक्कर में ब्रेकफास्ट स्किप कर देते हैं। लेकिन शायद आपको पता नहीं है कि सुबह का ब्रेकफास्ट ऐसा होना चाहिए जो न केवल झटपट बन जाए, बल्कि दिनभर के लिए भरपूर एनर्जी भी दे। अगर आप पराठे और पोहे से हटकर कुछ हेल्दी और टेस्टी खाना चाहते हैं, तो रागी चीला आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। रागी को आयुर्वेद में 'सुपरफूड' माना गया है। यह वजन घटाने, डायबिटीज कंट्रोल करने और हड्डियों को मजबूत बनाने में बेहद मददगार है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान और क्विक रेसिपी।

सामग्री

रागी का आटा : 1 कप

सूजी या बेसन (बाइंडिंग के लिए) : 1/4 कप

दही : 1/4 कप (हल्का खट्टा)

बारीक कटा प्याज : 1 छोटा चम्मच

बारीक कटी शिमला मिर्च और गाजर : 1/2 कप

हरी मिर्च : 1-2 (बारीक कटी हुई)

हरा धनिया : बारीक कटा हुआ

अदरक का पेस्ट : 1/2 छोटा चम्मच

जीरा पाउडर और चाट मसाला : 1/2 छोटा चम्मच

नमक : स्वादानुसार

पानी : बैटर तैयार करने के लिए

तेल या घी : चीला सेकने के लिए

बनाने का तरीका

स्टेप 1

सबसे पहले एक बड़े मिक्सिंग बाउल में रागी का आटा, सूजी या बेसन और दही को अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पकोड़े के घोल जैसा स्मूथ बैटर तैयार करें। ध्यान रहे कि इसमें गुठलियां न पड़ें।

स्टेप 2

इस घोल में कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, हरी मिर्च, अदरक का पेस्ट और हरा धनिया डालें। इसके बाद जीरा पाउडर, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। बैटर को 10 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सूजी फूल जाए।

स्टेप 3

अब एक नॉन-स्टिक तवा या डोसा पैन गैस पर गर्म करें। तवे पर थोड़ा सा घी या तेल लगाकर उसे चिकना कर लें।

स्टेप 4

गैस की आंच को धीमा करें और तवे के बीच में एक बड़ा चम्मच बैटर डालें। इसे डोसे की तरह गोल घुमाते हुए फैलाएं। इसके किनारों पर थोड़ा सा घी या तेल लगाएं।

स्टेप 5

चीले को मध्यम आंच पर तब तक पकने दें जब तक कि इसकी ऊपरी सतह सूखी न दिखने लगे और किनारे तवे को छोड़ने न लगें। अब इसे सावधानी से पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेकें।

केवल आलू से बनाएं कुरकुरा नाश्ता, उंगलियां चाटते रह जाएंगे घर वाले

अक्सर लोगों को कंफ्यूजन रहती है कि सुबह नाश्ते में क्या बनाया जाए। अगर आप भी इसी उलझन में हैं तो आलू का कुरकुरा नाश्ता आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। आलू एक ऐसी सब्जी है जिसका स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आता है। घर में कोई सब्जी न हो तो आलू से झटपट कई तरह की चीजें बनाई जा सकती हैं। आलू बच्चों की सबसे पसंदीदा सब्जी होती है। ऐसे में बच्चे ब्रेकफास्ट में आलू से बनी डिश खाना पसंद करते हैं। कई बार लोगों को समझ नहीं आता कि सुबह नाश्ते में स्वाद से भरपूर ऐसा क्या बनाया जाए। अगर घर में कोई सब्जी न हो और कुछ चटपटा खाने का मन करे, तो सिर्फ आलू ही काफी है। बिना किसी तामझाम के, केवल आलू से आप एक ऐसा लाजवाब और कुरकुरा नाश्ता तैयार कर सकते हैं जो बड़ों से लेकर बच्चों तक सबको बेहद पसंद आएगा। इसे हम आलू के पकौड़े या आलू के कटलेट कह सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस चटपटे नाश्ते की आसान सी रेसिपी।

कैसे बनाएं आलू का क्रिस्पी नाश्ता

आलू का क्रिस्पी नाश्ता बनाने के लिए सबसे पहले आलू को अच्छी तरह धो लें और फिर इसे कुकर में डालें। अब इसमें आलू डूबने जितना पानी डालें और 3 सीटी लगाकर इसे अच्छी तरह उबाल लें।

जब आलू उबल जाए तो इसे गैस से उतार कर ठंडा होने के लिए रख दें।

जब आलू ठंडा हो जाए तो इसे छील लें और फिर मैशर की मदद से मैश कर लें।

आलू को मैश करने के बाद इसमें कटा हरा धनिया, हरी मिर्च थोड़ा सा लहसुन और लाल मिर्च को मिलाकर बनाए पेस्ट को डालें। फिर इसमें चावल का आटा एक से दो चम्मच डालें। इसके बाद इसमें कॉर्न फ्लोर डालें। अब स्वादुनासार नमक डालें और इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। इन्हें मिक्स करने के बाद अब अपने हाथों में तेल लगाएं और तैयार मिश्रण की गोल गोल छोटी छोटी लोई बना लें। तैयार लोई को एक बर्तन में रख दें।

अब गैस पर कढ़ाही चढ़ाएं और इसमें तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें इन लोईयों को डालें। धीमी आंच पर 5 मिनट पकाने के बाद आंच तेज कर दें। इससे कुरकुरापन आएगा।

जब ये ब्राउन कलर का हो जाए तो इसे प्लेट में निकालें और धनिया की चटनी या टोमेटो सॉस के साथ सर्व करें।

शाम के नाश्ते के लिए परफेक्ट है मसाला मैकरोनी

मैक्रोनी का नाम सुनते ही बच्चे से लेकर बड़ों तक के मुंह में पानी आ जाता है। मैक्रोनी आपने कई तरह की खाई होगी लेकिन क्या आपने कभी मसाला मैक्रोनी ट्राय किया है।

शाम की चाय के साथ अक्सर लोगों का मन कुछ चटपटा और मसालेदार खाने का करता है। ऐसे में लोग शाम की चाय के साथ समोसे और ब्रेड पकौड़े जैसी चीजें खाते हैं। लेकिन क्या कभी आपने मलासा मैकरोनी ट्राय की है। यह खाने में गजब लगती है और शाम की चाय के लिए परफेक्ट ऑप्शन भी है। ऐसे में यहां हम आपके लिए मसाला मैक्रोनी की आसान सी रेसिपी लेकर आए हैं। यहां से नोट कर लें आसान सी रेसिपी।

सामग्री

मैकरोनी : 2 कप

प्याज : 1 बड़ा (बारीक कटा हुआ)

टमाटर : 2 बड़े (बारीक कटे हुए या प्यूरी)

हरी मिर्च : 2 (बारीक कटी हुई)

अदरक-लहसुन का पेस्ट : 1 छोटा चम्मच

शिमला मिर्च : 1 (बारीक कटी हुई)

मसाले : आधा छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला

मैगी मसाला (या पास्ता मसाला) : 1 पैकेट (स्वाद बढ़ाने के लिए)

टोमैटो केचप : 2 बड़े चम्मच

तेल या बटर : 2 बड़े चम्मच

हरा धनिया : बारीक कटा हुआ

नमक : स्वादानुसार

स्टेप 1

सबसे पहले एक बर्तन में 4-5 कप पानी उबालें। पानी में उबाल आने पर आधा छोटा चम्मच नमक और 1 छोटा चम्मच तेल डालें। अब इसमें मैकरोनी डालें और 8 से 10 मिनट तक मध्यम आंच पर उबलने दें। जब मैकरोनी मुलायम हो जाए, तो गैस बंद कर दें और इसका पानी छानकर इसे ठंडे पानी से धो लें।

स्टेप 2

अब एक कढ़ाई में तेल या बटर गरम करें। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर कुछ सेकंड के लिए भूनें। इसके बाद कटा हुआ प्याज डालें और उसे हल्का गुलाबी होने तक पकाएं।

स्टेप 3

प्याज भूनने के बाद इसमें कटे हुए टमाटर डालें और तब तक पकाएं जब तक कि टमाटर गल न जाएं। अब इसमें बारीक कटी शिमला मिर्च डालें और 2 मिनट तक भूनें। इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें।

स्टेप 4 - जब मसाले तेल छोड़ने लगें, तो इसमें टोमैटो केचप और मैगी मसाला डालें। अब उबली हुई मैकरोनी को कढ़ाई में डालें और हल्के हाथों से मसाले के साथ मिक्स करें ताकि मैकरोनी टूटे नहीं। इसे धीमी आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें ताकि सारे मसालों का फ्लेवर मैकरोनी के अंदर तक चला जाए।

स्टेप 5 - आपकी गरमा-गरम और चटपटी मसाला मैकरोनी बनकर तैयार है। गैस बंद करें, ऊपर से बारीक कटा हरा धनिया डालें और शाम की कड़क चाय के साथ इसका आनंद लें।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों डिप्रेशन का शिकार हो रहे

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

पढ़ाई में कमजोर बच्चे की ये हैं आदतें

पढ़ाई में कमजोर बच्चे अक्सर स्कूल जाने से कतराते हैं और न जाने के अनेकों बहाने ढूंढते हैं।

ऐसे बच्चे मम्मा मैं अभी बस ये काम कर लूं फिर पढ़ूंगा कहकर हर बार टालमटोल करते हैं।

अधिकतर पढ़ाई में कमजोर बच्चे क्लास में पीछे बैठते हैं, साथ ही इनकी कोशिश रहती है कि मैम या सर उन्हें न देखें और न ही उनसे कुछ पूछें।

पढ़ाई में कमजोर बच्चे कभी भी अपना वर्क कम्पलीट नहीं करते हैं। इसका कारण है उनका खुद की पढ़ाई पर फोकस कम होना।

कमजोर बच्चे क्लास में एकदम शांत रहते हैं, साथ ही उनकी कोशिश होती है कि टीचर की नजर उनपर न पड़े, यहां तक कि अगर उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा है, तो भी वे टीचर के पास नहीं जाते हैं।

अकेले में पढ़ाई करने की जिद करने वाले बच्चे हमेशा पढ़ने के लिए कोई अकेली जगह तलाशते है, जिससे उनपर किसी की निगाह न हो और वो मनचाही जगह मनमाने ढंग से अपनी पढ़ाई कर सकें। ऐसे में वे पढ़ रहे हैं या कुछ और कर रहे हैं इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है, फिर इसका असर उनकी पढ़ाई और जिंदगी दोनों पर ही पड़ता है।

कॉम्पिटिशन के इस युग में सबमें आगे रहने की होड़ लगी है। ऐसे में सभी माता-पिता की चाहत अपने बच्चों को सबसे आगे देखने की होती है, इसके लिए वो उनपर पढ़ाई ज्यादा करने का प्रेशर बनाते हैं और उनकी उम्मीदों पर खरे न उतरकर बच्चे हर चीज में पीछे रहने लगते हैं।

जब एग्जाम आता है, तब सालभर न पढ़ने वाले बच्चे सबकुछ एकसाथ तैयार करने की चाह में रटना शुरू कर देते हैं तो उन्हें समझ कुछ नहीं आता। यह आदत कमजोर बच्चों की निशानी है।

बिना योजना की पढ़ाई करने वाले बच्चे किसी भी सब्जेक्ट को अपना पूरा समय नहीं दे पाते और सारे सब्जेक्ट में पीछे रहते हैं, इसलिए वे हमेशा कमजोर ही रहते हैं।

ऐसे में कमजोर बच्चों के प्रति घर और स्कूल दोनों का ही फर्ज बनता है कि वे बच्चे को बहुत समझदारी से समझाएं और हमेशा प्रोत्साहित करें। वर्क हमेशा कंप्लीट कराएं। उनके टीचर बच्चों के नोट्स को हमेशा चेक करें। घर पर पेरेंट्स भी बच्चा क्या पढ़ रहा है, इस पर ध्यान दें।

खादी शब्द 'खद्दर' से बना है, जो हाथ से बुना कपड़ा है। सिंधु घाटी सभ्यता में हाथ से काते गए कपास के सबूत मिलते हैं, जो खादी को प्राचीन बनाता है। जैसे-जैसे वक्त गुजरा इसमें सुधार हुआ और यह मलमल, चिंट्ज़ और केलिको की शक्ल में बाजार में आया। औरंगजेब के शासनकाल में भी इसका इस्तेमाल खूब होता था।

हर मौसम में पहनें खादी-सूती :पसीना सोखे, रैशेज, स्किन इंफेक्शन और एक्जिमा से दूर रखे

आजकल खादी का प्रचलन भी बढ़ता जा रहा है। इसके परिधान अब स्टायलिश होने के साथ ही हर अवसर पर एक विशेष लुक देते हैं। आजकल खादी पहनना एक स्टेटस सिंबल भी बनता जा रहा है। बदलते मौसम में कपड़ों के लिए फैब्रिक चुनना जरा मुश्किल लगता है पर खादी ऐसा मैटेरियल है जो आप हर मौसम में बिंदास पहन सकते हैं। अगर आप भी अपने लिए कंफर्ट और स्टाइल की तलाश कर रही हैं तो खादी से बेहतर विकल्प क्या हो सकता है।

आरामदायक और इको फ्रेंडली खादी

गर्मी के मौसम के लिए खादी बेस्ट फैब्रिक है। खादी इको फ्रेंडली और स्किन फ्रेंडली दोनों है। इसे पहनने से स्किन को आराम मिलता है। खादी कॉटन से बने कपड़ों से आसनी से हवा आरपार होती है। जिससे खादी का कपड़ा धूप से बचता है और स्किन को भी आराम मिलता है।

गलत फाइबर के कपड़े पहनने से स्किन में इन्फेक्शन हो सकता है। धूप और गर्मी में स्किन से पसीना निकलता है। ऐसे में खादी कपड़ा स्किन को फायदा पहुंचाएगा, जो पसीने को सोखता।

छोटे बच्चों को पहनाएं सूती कपड़े

गर्मी के दिनों में सबसे ज्यादा पहना जाने वाला फैब्रिक कॉटन है। इस फैब्रिक की एक खास बात है कि यह शरीर के तापमान और बाहरी तापमान के बीच बैलेंस बनाए रखता है। यह शरीर की गर्मी को सोखकर ठंडक का एहसास कराता है। छोटे बच्चों की स्किन नाजुक होती है। इसलिए उन्हें सिर्फ कॉटन फैब्रिक के कपड़े पहनने चाहिए। उन्हें सिंथेटिक फैब्रिक से दूर रखना चाहिए।

खादी कपड़ा क्या है

चरखे का इस्तेमाल करके हाथ से काती गई कपास या रुई से बुना गया कपड़ा खादी कहलाता है। खादी कपड़े को खद्दर के नाम से भी जानते हैं। सबसे पहले, चरखे का इस्तेमाल करके फाइबर से सूत बनाया जाता है। फिर चरखे से फाइबर से सूत बनाया जाता है और सूत कई चरणों से गुजरता है। धागा जितना पतला होगा खादी उतनी बढ़िया और हल्की होगी। इसी फाइन खादी को हैंडलूम भी कहते हैं।

खादी सूती कपड़ों की किस्में

यह कपड़ा आमतौर पर कपास, रेशम और ऊन का इस्तेमाल करके हाथ से बुना जाता है। इसका उत्पादन भारत के कई राज्यों में होता है। हर राज्य के बुनकर अलग-अलग किस्म की शानदार खादी कपड़े बनाने के लिए जाने जाते हैं। खादी का नाम सुनते ही दिमाग में कपास आती है। क्योंकि लोगों को यही लगता है कि

खादी के कपड़े कपास से बनाए जाते हैं। लेकिन यह गलत धारणा है। खादी रेशम और ऊन से भी बनती है।

खादी कपास

खादी सूती कपड़ा कपास का इस्तेमाल करके हाथ से बुना जाता है। इसे मलमल के नाम से भी जानते हैं। भारत में पश्चिम बंगाल बड़ी मात्रा में मलमल का उत्पादन करता है।

खादी में है कई विकल्प

फैशन के रोजाना बदलते ट्रेंड में खादी फैब्रिक्स की खासी डिमांड है। इसमें पैच, कांथा, फुलकारी वर्क और ब्लॉक प्रिंटिंग जैसे कई वेरायटीज वाले आउटफिट्स इन दिनों ट्रेंड में हैं। प्रिंट्स और डिजाइंस से अलग प्लेन खादी ड्रेस भी अलग लुक देती है। इस फैब्रिक से बने नेहरू जैकेट्स यंगस्टर्स के बीच खास पसंद किए जाते हैं। साड़ी और सलवार-सूट्स से अलग अब शर्ट, पैंट और स्कर्ट्स में भी कई तरह के आउटफिट्स देखे जा सकते हैं।

अलग अंदाज और स्टाइल में नजर आने के लिए स्पेगेटी टॉप को स्कर्ट या लुक पैंट्स के साथ पहना जा सकता है। खादी के क्रॉप टॉप और रैप-अराउंड स्कर्ट का कॉम्बो बेहद आकर्षक लगता है।

मैसूर कर्नाटक रेशम के लिए मशहूर है, जो खास तौर से खादी कपास का उत्पादन करता है। आंध्र प्रदेश के पोंडुरु खादी गांव के नाम से मशहूर है, क्योंकि वहां सिर्फ हाथ से बुने हुए खादी कपास का उत्पादन होता है।

खादी सिल्क

खादी रेशम का कपड़ा प्योर रेशम को कताई करके और दूसरे धागों को मिलाकर बनाया जाता है। 'मटका सिल्क' या 'अहिंसा सिल्क' खादी सिल्क की सबसे मशहूर किस्म है। यह शहतूत रेशम के कचरे से बनाई जाती है जो कर्नाटक और कश्मीर में मिलता है। खादी रेशम की एक और किस्म है जिसे टसर रेशम कहते हैं। यह खासतौर पर भागलपुर, बिहार, झारखंड और मालदा में पाया जाता है। यह दूसरे खादी रेशम के मुकाबले में हल्का और ठंडा होता है। चंदेरी रेशम बहुत मशहूर खादी रेशम में से एक है। इसका उत्पादन मध्य प्रदेश के एक शहर चंदेरी में होता है।

ऊनी खादी

ऊनी खादी कपड़ा बनाने के लिए अच्छी क्वालिटी वाले ऊन को हाथ से काता और हाथ से बुना जाता है। सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कश्मीर की ऊनी खादी पश्मीना है।

खास है खादी की साड़ी

खादी की हाथ से बनी साड़ी को बेहद पसंद किया जाता है। ये विभिन्न रंगों और स्टाइल में मिलती हैं। मॉडर्न लुक के लिए जरदोंजी की कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट वाली साड़ी चुनें। रंगीन प्लेन साड़ी को कढ़ाईदार शर्ट ब्लाउज के साथ भी पहन सकती हैं, जो आपको एकदम नया लुक देगी।

नए स्टाइल में पहने साड़ी

साड़ी ऐसा परंपरागत परिधान है जो भारतीय महिलाओं की खास पसंद है। साड़ी की खासियत यह है कि इसे महिलाएं हर बार नए लुक व नए अंदाज में पहन सकती हैं। जिससे वे साड़ी में खुद को भीड़ से अलग तो दिखा ही सकती है। साथ ही पार्टी में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

साड़ी को न केवल महिलाएं बल्कि शादी समारोहों सहित अन्य खास मौकों पर कॉलेज गोइंग गर्ल भी पहनती हैं लेकिन साड़ी बांधने का अलग अंदाज आपको भी शादी, पार्टी व अन्य मौकों पर खास बना सकता है। आपका साड़ी बांधने का अंदाज पार्टी में सभी को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जानिए साड़ी बांधने के कौन-कौन से तरीके आप आजमा सकती हैं।

यह स्टाइल सीजन में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें आपको साड़ी को घुटने के पास से टाइट रखना होता है और नीचे की ओर से घेरा नजर आता है। आप इस स्टाइल को ब्राइट कलर्स के साथ आजमा सकती है।यदि साड़ी पर फ्लोरल प्रिंट होगा तो वो अलग निखर आएगा और आपको पार्टी में सभी के बीच अलग ही लुक प्रदान करेगा।

लहंगा स्टाइल लुक

इन दिनों लहंगा स्टाइल की साड़ियों का भी काफी क्रेज दिखाई दे रहा है। अधिकांश शादी समारोह में युवतियां भी इस इस स्टाइल को काफी लाइक कर रहीं हैं। घांघरा स्टाइल के लिए प्लीट्स की मदद से साड़ी को बंधा जाता है। प्लीट्स के जरिए बांधी गई साड़ी आपको लहंगे का लुक प्रदान करती है।

रेट्रो लुक

साड़ी पहनने के परंपरागत स्टाइल को आप जूड़े के साथ मैच करने को रेट्रो लुक कहते हैं। यदि आप पतली हैं तो यह लुक आप पर बहुत अच्छा लगेगा। इस लुक का प्रयोग आप बाजार में आने जाने के लिए भी कर सकते हैं। रेट्रो लुक की साड़ी शादी के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी पहनी जा सकती है।

ब्लाउज भी नये पैटर्न में

अलग अलग लुक में जहां महिलाओं के बीच साड़ी का क्रेज बढ़ा है। साडियों की स्टाइल के साथ ही ब्लाउज के कट पर भी विशेष प्रयोग किए जा सकते हैं। जैसे डीप गला, फुल कवर, फुल आस्तीन जैसी बलाउज चलन में हैं।

आँखों को सुन्दर कैसे बनाएं

अगर आप आंखों में लेंस लगाती हैं और इस डर से कि कहीं आंखों को नुकसान न पहुंचे आप आंखों पर मेकअप नहीं लगा पाती हैं तो हम यहां आपके लिए ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जो आपकी यह मुश्किल हल कर सकते हैं।

.दैनिक देखभाल और घरेलू उपचार

ठंडी सिकाई: आँखों की सूजन और काले घेरे कम करने के लिए ठंडे टी-बैग्स (जैसे ग्रीन टी) या ठंडी रुई को कुछ देर आँखों पर रखें

गुलाब जलः कॉटन बॉल में गुलाब जल लगाकर आँखों के आसपास पोंछने से ताजगी मिलती है और थकावट दूर होती है

आहार और पानीः खूब पानी पिएं और विटामिन से भरपूर फल व हरी सब्जियां (गाजर, पालक, संतरा) खाएं

आँखों को आराम दें

नींदः हर रात 7-8 घंटे की गहरी नींद लें ताकि आँखों के नीचे काले घेरे न पड़ें

स्क्रीन टाइम कम करें: फोन या कंप्यूटर का ज्यादा उपयोग आँखों को थका देता है। काम के दौरान '20-20-20 नियम' का पालन करें– हर 20 मिनट बाद, 20 फीट दूर 20 सेकंड के लिए देखें

मेकअप से निखारें

कंसीलर : आँखों के नीचे के काले घेरे छुपाने के लिए अपनी त्वचा की टोन से एक शेड हल्का कंसीलर लगाएं

आईलाइनर और मस्काराः अपनी आँखों के आकार को उभारने के लिए लाइनर लगाएं और मस्कारा से पलकों को घना बनाएं

हाईलाइटर : आँखों के अंदरूनी कोनों पर हल्का हाईलाइटर लगाने से आँखें बड़ी और चमकदार दिखती हैं

सुरक्षित रखें

धूप से बचावः बाहर निकलते समय अच्छे सनग्लासेस पहनें ताकि धूप से आँखों के आसपास की त्वचा सुरक्षित रहे

प्राकृतिक चमकः आँखों की चमक बनाए रखने के लिए आँखों को बार-बार न रगड़ें और रात को सोने से पहले मेकअप जरूर हटा दें

हाथ साफ रखें

आंखों के साथ कुछ भी करने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह धोना और सुखाना न भूलें ताकि लेंस पर दाग न पड़े।

अंदर की तरफ मेकअप न करें

कई बार हम लोग आंखों के अंदर की तरफ काजल लगा लेते हैं। अगर आप लेंस लगाती हैं तो ऐसा करने से बचें. क्योंकि इसकी वजह से ही आंखों में जलन हो सकती है।

मस्कारा चुनें सावधानी से

मस्कारा लगाने का अगर शौक है तो उसे सावधानी से चुनें क्योंकि यह आंखों में संक्रमण का कारण बन सकता है। खासतौर से फाइबर मस्कारा न लगाएं।

ऑयल फ्री प्रोडक्ट इस्तेमाल करें

हमेशा ऑयल फ्री क्रीम या मॉइस्चराइजर ही लगाएं क्योंकि क्रीम से निकलने वाला तैलीय पदार्थ को लेंस अवसोषित कर सकता है हालांकि इसकी वजह से आपकी आंखों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा, पर इससे लेंस गंदा हो जाएगा और धुंधला दिखने लगेगा।

हेयर कलर के समय रखें इन बातों का ध्यान

आजकल युवा लड़कियों में बालों को रंग करने (हेयर कलर) का फैशन तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है। यह एक प्रकार से फैशन स्टेटस तक बन गया है। ऐसे में बाजार में अनेक प्रकार के हेयर कलर आ गये हैं पर केवल बालों को कलर कर लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उससे भी ज्यादा जरूरी है कि वह कलर जो आप करने जा रही है आपके चेहरे और त्वचा (स्किन) के रंग से भी मेल खाना चाहिए।

त्वचा के अनुसार हो हेयर कलर

येलो स्किन टोन - यदि आपकी त्वचा हल्के पीलेपन को लिए हुए टोन की है तो आपके बालों के लिए डार्क हेयर कलर अच्छा रहेगा। आपको लाइट हेयर कलर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि यह आपके बालों को प्राकृतिक लुक नहीं देगा।

पिंक स्किन टोन - यदि आपकी त्वचा गुलाबी है तो लाल और गोल्डन कलर से बचना चाहिए। इस तरह की स्किन टोन वाले लोगों को एश टोन हेयर कलर करवाना चाहिए।

फेयर स्किन टोन - जिन लोगों की स्किन फेयर होती है वह कोई भी हेयर कलर शेड करवा सकते हैं क्योंकि इनपर कोई भी कलर जम जाता है।

सांवली त्वचा - सांवली त्वचा वाली लड़कियों पर ब्लू ब्लैक, कॉफी ब्राउन, मीडियम एस ब्राउन, मीडियम गोल्डन ब्राउन और साफ्ट एंड पिपर जैसे रंग बहुत अच्छा लगते हैं। इस तरह के रंग आपके चेहरे पर चमक लाते हैं।

आंखे के अनुसार हेयर कलर

भूरी और पीली आंखे - लाल और गोल्डन वार्म टोन वाले हेयर कलर शेड्स उन लोगों के लिए सही रहेंगे, जिनकी आंखे भूरी होती हैं। यह कलर पीले बेस वाली आंखों के लोगों पर भी अच्छा लगेगा।

नीली, ग्रे और काली आंखे - अगर आपकी आंखों का कलर नीला, ग्रे या फिर काला है तो आपको गोल्ड या एश रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। इस तरह के हेयर कलर आपको खूबसूरत लुक देंगे।

संक्षिप्त समाचार

पोलियो फ्री पाकिस्तान लिखे पोस्टर पर मचा बवाल

कराची , एजेंसी। राजौरी जिले में पल्स पोलियो अभियान से जुड़े एक कथित अनधिकृत जागरूकता पोस्टर को लेकर स्वास्थ्य विभाग में विवाद खड़ा हो गया है। पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर का लोगो प्रकाशित होने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजौरी ने मामले को गंभीर मानते हुए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कंडी से विस्तृत स्पष्टीकरण और तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। सी.एम.ओ. कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार इंटेंसिफाइड पल्स पोलियो इम्यूनाइजेशन (आई.पी.पी.आई.)-2026 से संबंधित यह आई.ई.सी. पोस्टर सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। पोस्टर पर बी.एम.ओ. कंडी का नाम और पदनाम अंकित होने से यह संदेश गया कि इसे स्वास्थ्य विभाग की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है। हालांकि विभागीय जांच में पाया गया कि पोस्टर पर 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' का नारा और एन.ई.ओ.सी. का लोगो इस्तेमाल किया गया है, जिनका जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अथवा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के किसी भी अधिकृत कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है। विभाग का कहना है कि इस प्रकार की सामग्री न केवल अनधिकृत और भ्रामक है, बल्कि इससे सरकारी स्वास्थ्य अभियानों के प्रति आम लोगों में भ्रम की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। सी.एम.ओ. डॉ. एम.एल. राणा ने बी.एम.ओ. कंडी को निर्देश दिया है कि वे स्पष्ट करें कि पोस्टर किसके द्वारा तैयार, स्वीकृत, मुद्रित और प्रसारित किया गया? क्या इसके लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति ली गई थी? पोस्टर में प्रयुक्त लोगो और 'पोलियो फ्री पाकिस्तान' जैसे नारे को किसके निर्देश पर शामिल किया गया? तथा कम्युनिटी हैल्थ ऑफिसर द्वारा इसके प्रसार की अनुमति किसने दी? सी.एम.ओ. ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया तो उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर मामले की जांच कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिटेन की रक्षा खर्च निवेश योजना में देरी से सैन्य आपूर्ति कंपनियों पर बुरा असर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में रक्षा निवेश योजना में नौ महीने की देरी के कारण सैन्य आपूर्ति से जुड़ी कंपनियों पर बुरा असर पड़ रहा है। रूस से बढ़ते खतरे के बीच रक्षा खर्च की योजनाओं को तय करने में इस देरी के कारण कुछ छोटे सप्लायर बर्बाद हो गए हैं, दूसरों ने निवेश रोक दिया है और कई अन्य ने विदेशों में विस्तार का फैसला किया है। हालांकि, प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर के मंगलवार को रक्षा निवेश योजना जारी करने की उम्मीद है। रक्षा और वित्त विभागों के बीच इस बात पर महीनों तक बहस चली थी कि अनुमानित 28 बिलियन पाउंड की कमी को कैसे पूरा किया जाए। एआई डिफेंस कंपनी ऑक्सफोर्ड डायनामिक्स की चीफ एग्जीक्यूटिव शेफली शर्मा ने कहा, हमें रक्षा निवेश योजना की जरूरत है, ताकि निजी निवेशकों को भरोसा मिल सके। इसके न होने से व्यापार को नुकसान हो रहा है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय से कांट्रैक्ट मिलने बंद हो गए हैं और छोटी-मोटी खरीद में भी सामान्य से ज्यादा समय लग रहा है। इससे कंपनियां विदेशों में विस्तार पर ध्यान देने को मजबूर हैं। परिणामस्वरूप दर्जनों छोटी कंपनियां या तो बंद हो गई हैं या दूसरे उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी डिफेंस यूनिट्स बंद कर दी हैं। डिफेंस कंपनी कोहोर्ट के चीफ एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पिछले 18 महीनों में जर्मनी, पोलैंड, नार्डिक और बाल्टिक देशों की सेनाओं से मांग साफ तौर पर बढ़ी है, जबकि ब्रिटेन में ऐसा नहीं हुआ है।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की नई चेतावनी

'हमारे हक का पानी छीना तो हाथ काट देंगे'

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के साथ बढ़ते पानी के झगड़े में पाकिस्तान ने एक और चेतावनी दी है। क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर मुसादिक मलिक ने ऐलान किया है कि इस्लामाबाद उन हाथों को काट देगा जो इंडस वाटर्स ट्रीटी के तहत इस्लामाबाद के हिस्से पर दावा करने की कोशिश करेंगे। उनकी यह बात ऐसे समय में आई है जब 2025 के पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली के इस ट्रीटी को रोकने के फैसले के बाद दशकों पुराने पानी के बंटवारे के समझौते पर तनाव और गहराता जा रहा है। इन्फॉर्मेशन मिनिस्टर अताउल्लाह तरार के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, क्लाइमेट चेंज मिनिस्टर मुसादिक मलिक ने भारत पर अपनी पानी की सप्लाई को कंट्रोल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर इस्लामाबाद के पानी के अधिकारों को खतरा हुआ तो इसके नतीजे भुगतने होंगे। डॉन के मुताबिक, मलिक ने कहा, एक पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री एक नल को कंट्रोल कर रहे हैं। वह कहते हैं कि वह पाकिस्तान में पानी की एक बूंद भी नहीं बहने देंगे। इसके बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे कड़ी चेतावनी दी। मलिक ने ट्रीटी के तहत पानी के अपने हिस्से की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान के वादे को भी दोहराया और कहा कि भारत को पाकिस्तान को दिए गए पानी के बहाव में रुकावट डालने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। तरार ने कहा कि ट्रीटी के तहत पाकिस्तान के अधिकार इंटरनेशनल कानून से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, हमारे लोगों को कानूनी तौर पर लागू होने वाली ट्रीटी के ज़रिए पानी का अधिकार है, जिसे दोनों देशों ने माना था, और जो आज भी लागू है।

गहराता जा रहा इंडस ट्रीटी विवाद

1960 में वर्ल्ड बैंक द्वारा की गई इंडस वॉटर्स ट्रीटी, भारत और पाकिस्तान के बीच इंडस नदी सिस्टम के बंटवारे को कंट्रोल करती है। इस एग्रीमेंट के तहत, भारत पूर्वी नदियों – रावी, ब्यास और सतलुज – को कंट्रोल करता है, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम और चिनाब - का ज़्यादातर पानी मिलता है। यह एग्रीमेंट लड़ाइयों और दशकों के तनाव के बाद भी बना रहा, लेकिन अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, भारत द्वारा इस ट्रीटी को रोक दिए जाने के बाद इस पर नया दबाव आया। इससे पहले, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी चेतावनी दी थी कि अगर पाकिस्तान की पानी की सुरक्षा खतरे में पड़ती है तो वह मिलिट्री एक्शन ले सकता है।

पाकिस्तान ने इंडस ट्रीटी का बचाव किया

प्रेस कॉन्फ्रेंस में, पाकिस्तानी सूचना मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि इंडस वॉटर्स ट्रीटी कानूनी तौर पर बनी हुई है और इसे एकतरफ़ा तौर पर सस्पेंड, रद्द या बदला नहीं जा सकता। तरार ने कहा कि इंडस वॉटर्स ट्रीटी पर पाकिस्तान के रुख को इंटरनेशनल सपोर्ट मिला है और उन्होंने कहा कि एग्रीमेंट को सस्पेंड करने के भारत के कदम को दुनिया भर में बहुत कम सपोर्ट मिला है। तरार ने कहा, इंडस ट्रीटी अभी भी लागू है क्योंकि भारत के रुख को किसी भी प्लेटफ़ॉर्म पर स्वीकार नहीं किया गया है। तरार ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और पाकिस्तानी आर्मी चीफ़ फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने बार-बार कहा है कि पानी हमारी लाइफ़लाइन है, साथ ही हमारी रेड लाइन भी है।

बातचीत पर अमेरिका-ईरान के दावों में विरोधाभास

ट्रंप बोले- बैठक होगी, ईरान ने दिया दो टूक जवाब- नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान ने सोमवार को अलग-अलग घोषणा की कि वे इस हफ़्ते कतर में प्रतिनिधिमंडल भेजेंगे, हालांकि तेहरान ने ज़ोर देकर कहा कि वह अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर बातचीत करने के लिए सहमत नहीं हुआ है, क्योंकि सप्ताहांत में फ़ारस की खाड़ी में हुए हमलों ने युद्ध खत्म करने की बातचीत को दिशाहीन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ बैठक का अनुरोध किया है और दोनों पक्ष मंगलवार को दोहा (कतर) में मिलने की योजना बना रहे हैं। लेकिन ईरान के एक वरिष्ठ वार्ताकार ने ऐसी किसी बैठक से इनकार किया।
वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि उनका प्रतिनिधिमंडल कतर जाएगा, जो वार्ता में एक प्रमुख मध्यस्थ है, लेकिन वहां अमेरिका की भागीदारी के बिना अंतरिम समझौते की शर्तों पर चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में होर्मुज़ जलडमरूमध्य में तनाव काफी बढ़ गया है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी मार्ग से होती थी। लगातार चार दिनों तक हमलों के बाद सोमवार को दोनों पक्षों ने अपने हमले रोक दिए। अमेरिका और ईरान ने इसी महीने एक अंतरिम समझौता किया था, जिसके तहत ईरान अपने संवर्द्धित यूरेनियम के भंडार को कम करेगा। अमेरिका तेल प्रतिबंधों में राहत देगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी और दोनों देशों को व्यापक समझौते के लिए 60 दिन का समय दिया जाएगा।
ट्रंप के सोशल मीडिया पर बैठक की घोषणा करने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बताया कि विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर कतर रवाना हो रहे हैं। इस वार्ता में एक अन्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने भी कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत मंगलवार से फिर शुरू होगी। हालांकि, ईरान के वरिष्ठ वार्ताकार कासिम घरीबाबादी ने सरकारी मीडिया से कहा कि किसी वार्ता की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल कतर जाकर जब्त ईरानी धन की रिहाई और अंतरिम समझौते से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी स्तर पर कोई वार्ता निर्धारित नहीं है।

यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर, 22 शहरों में रेड अलर्ट; फ्रांस-स्पेन और इटली समेत कई देशों में और बढ़ेगा तापमान

रोम। यूरोपीय देशों में पिछले एक हफ्ते से रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी के चलते पूरे महाद्वीप में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा असर पड़ा है। साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा यह चेतावनी भी दी गई है कि अगले हफ्ते की शुरुआत से फ्रांस और जर्मनी जैसे देश जहां पिछले कुछ दिनों में गर्मी का सबसे ज्यादा असर देखा गया, वहां गर्मी फिर से बढ़ सकती है।

इटली के 22 शहरों में रेड अलर्ट - यूरोप में पिछले एक हफ्ते से जारी रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव (लू) ने अब इटली और बाल्कन देशों को अपनी चपेट में ले लिया है। इटली के उत्तर में बोलजानो से लेकर दक्षिणी द्वीप सिसिली में पलेर्मो तक 22 शहरों में रेड हीट वॉर्निंग (भीषण गर्मी की चेतावनी) जारी की गई है।

वेटिकन सिटी में भी गर्मी का असर - इस भीषण गर्मी का असर वेटिकन सिटी में भी साफ देखने को मिला, जहां सेंट्स पीटर एंड पॉल के त्योहार पर पोप लियो का पारंपरिक एंजेलस संदेश सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए वहां मौजूद तीर्थयात्री लगातार पंखों और छतरियों का सहारा लेते दिखाई दिए।

पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमलों की भारत ने की निंदा, कहा- यह क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत ने सोमवार को अफगान क्षेत्र पर पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। भारत ने इन हमलों को अफगानिस्तान की संप्रभुता का घोर उल्लंघन करार दिया है। यह कड़ी प्रतिक्रिया तब आई है जब काबुल ने जानकारी दी कि पाकिस्तान के इस सीमा पार सैन्य अभियान में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 36 नागरिक मारे गए हैं।विदेश मंत्रालय ने एक तीखे बयान में पाकिस्तान पर आक्रामकता का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की यह कार्रवाई न केवल अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करती है, बल्कि पूरे क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

अफगानिस्तान के प्रति जताया समर्थन: सीमा पर बढ़ते तनाव और पाकिस्तान द्वारा कथित आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बीच, भारत की यह प्रतिक्रिया अब तक की सबसे सख्त टिप्पणियों में से एक मानी जा रही है। अफगान जनता के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए नई दिल्ली ने कहा कि वह अफगानिस्तान की संप्रभुता के साथ मजबूती से खड़ा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पाकिस्तान का यह कदम अफगानिस्तान की संप्रभुता पर सीधा हमला है।

पाकिस्तान बना इंसानी अंगों और मांस तस्करी का अड्डा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने इस्लामाबाद में कथित तौर पर मानव प्लेसेंटा (गर्भनाल) की अवैध प्रोसेसिंग और तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में तीन चीनी नागरिकों और दो पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। स्नद्ध ने इस्लामाबाद के स्न-7/1 और श्च-11 सेक्टरों में छापेमारी की। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों स्थानों पर मानव जैविक सामग्री की अवैध प्रोसेसिंग की जा रही थी। यहां से प्रोसेसिंग मशीनें, तैयार सामग्री और जैविक नमूने बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आरोप है कि आरोपी अस्पतालों से मानव प्लेसेंटा एकत्र करते थे, उसे सुखाकर और प्रोसेस कर भेड़ का प्लेसेंटा घोषित करते हुए वियतनाम समेत अन्य देशों में निर्यात करते थे। अधिकारियों के अनुसार, इसका उपयोग कथित रूप से दवा और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण में किया जाना था। एफआईए का कहना है कि यह नेटवर्क कथित रूप से रावलपिंडी, इस्लामाबाद, पेशावर और लाहौर के कुछ अस्पतालों से मानव प्लेसेंटा हासिल करता था। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इस नेटवर्क में अस्पतालों या मेडिकल स्टाफ के कुछ लोग भी शामिल थे।

नासा का महामिशन: धरती की ओर गिर रहे ब्रह्मास्त्र को बचाने के लिए खर्च करेगा 30 हजार करोड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने एक पुराने लेकिन बेहद महत्वपूर्ण ब्रह्मास्त्र यानी स्विफ्ट टेलीस्कोप को बचाने के लिए एक विशाल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने जा रही है। अंतरिक्ष से आ रही बड़ी खबर के अनुसार, यह टेलीस्कोप धीरे-धीरे अपनी कक्षा (ऑर्बिट) खो रहा है और धरती की ओर गिर रहा है। इसे बचाने के लिए नासा करीब 30 हजार करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बना रहा है।

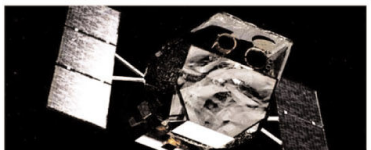

क्यों जरूरी है स्विफ्ट टेलीस्कोप?: स्विफ्ट टेलीस्कोप पिछले दो दशकों से ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह विशेष रूप से अंतरिक्ष में होने वाले गामा-रे बर्स्ट जैसे शक्तिशाली विस्फोटों और अन्य बड़ी खगोलीय घटनाओं पर नजर रखता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह आज भी पूरी तरह से कार्यात्मक है और ब्रह्मांड की महत्वपूर्ण जानकारी भेज रहा है, इसलिए इसे खोना विज्ञान के लिए बड़ा नुकसान होगा,।

मिशन की मुख्य बातें: बचाव का तरीका: नासा इस मिशन के लिए पेगासस रॉकेट का इस्तेमाल करेगा। पहली बार किसी पुराने उपग्रह को बचाने के लिए इस तरह का विशेष अंतरिक्ष मिशन चलाया जा रहा है।

तकनीकी खराबी: साल 2004 में लॉन्च किए गए इस टेलीस्कोप की बैटरी अब कमजोर हो गई है और इसके सोलर पैनल पहले की तरह काम नहीं कर रहे हैं, जिससे यह अपने रास्ते से भटक कर नीचे आ रहा है।

प्राइवेट पार्टनरशिप: नासा ने इस काम की जिम्मेदारी कैटेलिस्ट स्पेस टेक्नोलॉज को सौंपी है, जो स्विफ्ट को वापस ऊपरी कक्षा में पहुंचाने के लिए बूस्टर सिस्टम प्रदान करेगी।

समय सीमा: नासा के विज्ञान प्रमुख निक फॉक्स के अनुसार, स्विफ्ट को सितंबर तक सुधार की जरूरत है और उम्मीद है कि यह रेस्क्यू मिशन अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

हबल टेलीस्कोप पर भी मंडरा रहा खतरा रिपोर्ट्स के मुताबिक, न केवल स्विफ्ट बल्कि नासा का मशहूर हबल स्पेस टेलीस्कोप भी अब उम्रदराज हो रहा है। करीब 36 साल पुराना हो चुका हबल भी भविष्य में इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर सकता है, जिसे लेकर वैज्ञानिक अभी से चिंतित हैं।

युद्धविराम के बावजूद गाजा में फिर बरसे इजराइली बम

दो बच्चों समेत 8 फिलीस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी और मध्य गाजा में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों में दो बच्चों समेत कम से कम आठ फिलीस्तीनियों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए। स्वास्थ्य अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं ने यह जानकारी दी। खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में एक शिविर पर किए गए हमले में 23 वर्षीय महिला और उसकी एक वर्षीय बेटी की मौत हो गई। वहीं, नासिर अस्पताल ने बताया कि करारा कस्बे में एक अन्य हमले में 31 वर्षीय युवक की जान चली गई, जिसकी कुछ महीने पहले ही शादी हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है। इसी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के शिविर पर हुए एक अन्य हमले में दो लोगों की मौत हुई और 13 अन्य घायल हो गए। घायलों को अल-मवासी स्थित फलस्तीनी रेड क्रिसेंट के फील्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया। मध्य गाजा के दीर अल-बला में ड्रोन हमले में कम से कम तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें आठ वर्षीय मलिक अबू शवीश और उसके दादा भी शामिल हैं। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, मलिक उस समय अपनी मां के तंबू में आया हुआ था और हमले में उसकी मां सहित सात लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने कहा कि हमला एक चरमपंथी को निशाना बनाकर किया गया था, लेकिन उसकी पहचान या मौत की पुष्टि नहीं की। इजराइली सेना ने रविवार को दक्षिणी गाजा में हुए एक हमले में इस्लामिक जिहाद के सदस्य जाहेर अबू सलेम के मारे जाने का दावा किया। उसी दिन गाजा में विभिन्न हमलों में कुल चार लोगों की मौत हुई, जिनमें 13 वर्षीय लड़की भी शामिल थी। अक्टूबर में युद्धविराम लागू होने के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई भले कम हुई हो, लेकिन इजराइली सेना लगभग रोजाना हवाई हमले कर रही है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 1,045 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें 360 से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं।

चीन का बौद्ध प्रतिनिधिमंडल भारत में प्रसिद्ध स्थलों की करेगा यात्रा

बीजिंग, एजेंसी। चीन से बौद्ध तीर्थयात्रियों और छात्रों के 31 सदस्यों वाले प्रतिनिधिमंडल का पहला जत्था भारत की यात्रा करेगा। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि प्रमुख स्थलों में वाराणसी, बोधगया, राजगीर और नालंदा शामिल हैं। माथुर ने सोमवार को यांगझोऊ के एआइ हब में स्थित ऐतिहासिक सियुन मठ के प्रमुख एबाट शी झोंगशान के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनसे नालंदा के पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार को देखने का आग्रह किया। नालंदा में जुआनजांग मेमोरियल हाल और अपनी तरह के अनोखे नेट-ज़ीरो ग्रीन नालंदा यूनिवर्सिटी कैंपस जैसे स्थल भारत और चीन के बीच सदियों पुराने बौद्ध संबंधों, शैक्षणिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच आपसी संपर्क के महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरे हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बड़ा उलटफेर

मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

मोरक्को (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी - मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। हाल ही में गाकपो और उनकी साथी नोआ वैन डेर बिज ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया था, जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (91वें मिनट) में चेम्सदीन तालबी के शानदार क्रॉस पर इस्सा डियोप ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा - 30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

टॉप-7 टीमों की टक्कर में मोरक्को भारी - यह मुकाबला विश्व रैंकिंग की दो शीर्ष टीमों के बीच था। मोरक्को फीफा रैंकिंग में छठे और नीदरलैंड सातवें स्थान पर है। इस जीत के साथ मोरक्को ने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया और अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

- वर्ल्ड कप हारने वाली दो खिलाड़ी बाहर, हरमनप्रीत ही होंगी कप्तान, मंधाना को उपकप्तान बनाया

मुंबई (एजेंसी)। अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने हरमनप्रीत कौर को ही कप्तान और स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 हारने वाली टीम में दो बदलाव किए गए हैं। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया की जगह जी. कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है, जबकि प्रेमा राउत को बाहर कर दिया गया है। वहीं, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर चयनकर्ताओं ने भरोसा बरकरार रखा है।

श्रेयंका पाटिल फिट, प्रेमा को मौका नहीं

स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद टीम में जगह दी गई है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। उनकी जगह वर्ल्ड कप टीम में शामिल प्रेमा रावत को इस बार मौका नहीं मिला। पेस अटैक की जिम्मेदारी रेणुका सिंह और अरुंधति रेड्डी संभालेंगी, जबकि स्पिन विभाग में राधा यादव और श्रेयांका पाटिल मुख्य चेहरा होंगी।

यास्तिका भाटिया को ड्रॉप किया, कमलिनी को चांस - खराब फॉर्म से जूझ रही विकेटकीपर यास्तिका भाटिया को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। उनकी जगह डब्लूपीएल में मुंबई इंडियंस से खेलने वाली 17 साल युवा विकेटकीपर जी. कमलिनी को मौका दिया गया है। यास्तिका वर्ल्ड कप के दौरान मिले मौकों का वे फायदा नहीं उठा सकीं। उन्होंने 4 मैचों की 3 पारियों में 13.66 की औसत और 117.14 के स्ट्राइक रेट से केवल 41 रन बनाए।

एशियन गेम्स टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे मुकाबले - एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट टी20 (टी-20) फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। आईसीसी रैंकिंग में टॉप टीमों में शामिल होने के कारण भारतीय महिला टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल या नॉकआउट स्टेज में एंट्री मिलने की उम्मीद है। पिछली बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी एशियाई टीमों से होने की उम्मीद है। मुख्य कोच और मैनेजमेंट खिलाड़ियों के वर्कलोड और फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत का स्क्वॉड - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से जर्मनी बाहर

पेनल्टी शूटआउट में पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, जर्मनी को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

- मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा

नईदिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है।इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

मोरक्को के गोलकीपर ने 2 सेव किए; ब्राजील के मार्टिनेली ने आखिरी मिनट में गोल - फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई।इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी। ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंची है।

इंजरी टाइम में जोनाथन ताह का गोल अमान्य हुआ - पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विर्ट्ज के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया। अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्डेमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया। जर्मनी ने पहले हाफ में 78त्न गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन पैराग्वे की 4-5-1 रक्षात्मक रणनीति नहीं तोड़ सका। ग्रुप स्टेज में 10 गोल करने के बावजूद जर्मन टीम नॉकआउट में संघर्ष करती दिखी।जर्मनी के दिग्गज गोलकीपर मैनुअल नेयुर ने हार के बाद संन्यास ले लिया। वे 2014 की वर्ल्ड चैंपियन जर्मन टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने 124 मैच खेले हैं। उन्होंने 2017 फीफा कन्फेडरेशंस कप भी अपने नाम किया था। हार से निराश गोलकीपर मैनुअल नेयुर ने इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया।

गोलकीपर गिल बोले- हर प्लेयर का विश्लेषण किया - मैच के बाद ऑरलैंडो गिल ने कहा, 'हमने हर खिलाड़ी और हर छोटी बात का विश्लेषण किया था। उसी की बदौलत मैं सिर्फ दो पेनल्टी मिस होने दे पाया। यह जीत पैराग्वे के सभी लोगों के लिए है।'

काई हैवर्ट्ज ने हार के बाद कहा, इस वर्ल्ड कप से हमारी बहुत बड़ी उम्मीदें थीं। फिर से निराश होना बहुत मुश्किल है। हम मौके बनाने और खेल की रफ्तार बनाए रखने में संघर्ष करते रहे।गोलकीपर ऑरलैंडो गिल सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

ब्राजील ने इंजरी टाइम में जापान से जीत छीनी - जापान ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई। काइशू सानो ने मिडफील्ड में ब्राजील की गलत पासिंग का फायदा उठाकर दूर से दाएं पैर से शानदार गोल किया। ब्राजील ने 56वें मिनट में बराबरी की। गैब्रियल मागाल्हाइस के असिस्ट पर कैसेमीरो ने हेडर से गोल किया। इससे 2 मिनट पहले उनका हेडर जापान के गोलकीपर जियोन सुजुकी ने रोक लिया था।

58वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास बढ़त दिलाने का मौका था, लेकिन सुजुकी ने उनका शॉट डिफ्लेक्ट कर दिया और गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने दूसरे हाफ में गैब्रियल मार्टिनेली को उतारा। उन्होंने इंजरी टाइम के छठे मिनट में विजयी गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिला दी।कैसेमीरो सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

मैच में खास

- यह जर्मनी और पैराग्वे का वर्ल्ड कप में दूसरा मुकाबला था। 2002 में जर्मनी ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। अब लगभग 24 साल बाद पैराग्वे ने उस हार का बदला ले लिया।
- पैराग्वे इससे पहले पांच नॉकआउट मुकाबलों में गोल नहीं कर पाया था। 2010 में उसने जापान को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार नॉकआउट मैच जीता था।
- जर्मनी 2014 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद पहली बार नॉकआउट मैच खेल रहा था। पिछली दो बार वह ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था।

विंबलडन के पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन सिनर हारने से बचे

1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की, 39 साल के जोकोविच की जीत से शुरुआत

लंदन (एजेंसी)। लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विंबलडन की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ 1-2 से पिछड़ने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला जीत गए।

चौथे सेट के दौरान सिनर के जूते से खून बाहर आने लगा था। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था, लेकिन वे दर्द के बावजूद खेलते रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ेगा। लेकिन, इटैलियन स्टार ने हार नहीं मानी और जीत हासिल की।

महिला एकल में जापान की नाओमी ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

जोकोविच ने चीन के खिलाड़ी को हराया - 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में जुटे सर्बिया के 39 साल के नोवाक जोकोविच ने चीन के वू यिबिंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि, जीत के लिए उन्हें चार सेट तक खेलना पड़ा। जोकोविच फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, आज का मैच मेरे लिए वाकई चुनौतीपूर्ण था। मैं जीत से खुश हूं, लेकिन पूरी तरह तरोताजा महसूस नहीं कर रहा हूं। सच कहूं तो कोर्ट पर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह टूर्नामेंट का पहला ही दौर है।

सिनर बोले- पहला मैच खेलना सम्मान - साढ़े तीन घंटे चले इस मुकाबले में सिनर ने केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-7, 6-2, 6-3 से हरा दिया। जीत के बाद सिनर ने कहा- %सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना सम्मान की बात है। शुरुआत काफी नर्वस करने वाली थी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने खुद को संभाला और मैच जीत लिया।

नाओमी ओसाका का किमोनो लुक - चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने मैच जीतने के साथ-साथ फैंस का दिल भी जीता। विंबलडन के सख्त नियम (सिर्फ सफेद कपड़े पहनने की अनुमति) के बीच ओसाका पारंपरिक जापानी पोशाक किमोनो स्टाइल की सफेद ड्रेस पहनकर कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट की ओर जाते समय उनके इस फैशन स्टेटमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा। ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से आसानी से मात दी।

विजय अमृतराज बोले- विंबलडन में अमेरिकी चुनौती

- फिट्ज और शेल्टन बड़ा उलटफेर कर सकते हैं, शुरुआती मैच होंगे निर्णायक

नईदिल्ली (एजेंसी)। विंबलडन में अमेरिका के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए टेलर फ्रिट्ज और बेन शेल्टन मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज का मानना है कि अगर दोनों खिलाड़ी पूरी तरह फिट रहते हैं, तो ग्रास कोर्ट पर किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, उनके अनुसार टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले ही उनके आगे के सफर की दिशा तय करेंगे। विंबलडन की शुरुआत आज से हो चुकी है।

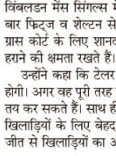

फिट्ज व शेल्टन से काफी उम्मीदें - जियोस्टार मीडिया डे पर विंबलडन 2026 से पहले बातचीत के दौरान जियोस्टार एक्सपर्ट विजय अमृतराज ने कहा, अमेरिका को लंबे समय से विंबलडन मेंस सिंगल्स में चैंपियन का इंतजार है और इस बार फ्रिट्ज व शेल्टन से काफी उम्मीदें हैं। दोनों का खेल ग्रास कोर्ट के लिए शानदार है और वे बड़े खिलाड़ियों को हराने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि टेलर फ्रिट्ज की फिटनेस सबसे अहम होगी। अगर वह पूरी तरह फिट रहे, तो टूर्नामेंट में लंबा सफर तय कर सकते हैं। साथ ही शुरुआती राउंड के मुकाबले दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि शुरुआती जीत से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

आईपीएल क्रिकेटर शशांक, उनके आईपीएस पिता पर भोपाल में एफआईआर

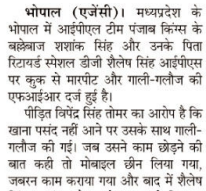

अच्छा खाना नहीं बनाने पर कुक को पीटा-गालियां दीं, रोते हुए वीडियो किया जारी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के भोपाल में आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह और उनके पिता रिटायर्ड स्पेशल डीजी शैलेष सिंह आईपीएस पर कुक से मारपीट और गाली-गलौज की एफआईआर दर्ज हुई है।

पीड़ित विपेंद्र सिंह तोमर का आरोप है कि खाना पसंद नहीं आने पर उसके साथ गाली-गलौज की गई। जब उसने काम छोड़ने की बात कही तो मोबाइल छीन लिया गया, जबरन काम कराया गया और बाद में शैलेष सिंह, शशांक और उनके ड्राइवर ने मिलकर मारपीट की।

घटना के बाद युवक ने रोते हुए अपना वीडियो भी जारी किया है। इसके बाद भोपाल के रातीबड़ थाना पुलिस ने सोमवार को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर भोपाल बुलाया - रीवा निवासी विपेंद्र सिंह तोमर (31) ने बताया कि परिचित मोहित सिंह सेंगर के जरिए उसे भोपाल बुलाया गया था। उससे कहा गया कि शैलेष सिंह के यहां खाना बनाने का काम करना है और बाद में सरकारी नौकरी लगवाने में मदद की जाएगी। नीलबड़ स्थित घर पर 15 हजार रुपए मासिक वेतन, रहने और खाने की व्यवस्था तय हुई थी।

कहा- काम नहीं करेगा तो आया क्यों - पीड़ित के मुताबिक, काम शुरू करने के कुछ घंटे बाद लगातार काम कराया जाने लगा। पुराने कुक को भी गालियां दी जा रही थीं। यह देखकर उसने काम छोड़ने की बात कही। आरोप है कि इस पर उससे कहा गया, काम नहीं करेगा तो यहां आया क्यों? क्या मेरा मर्डर करने आया है? इसके बाद उसका मोबाइल छीन लिया गया और जबरन काम कराया।

कमरे में बंद हुआ तो मारपीट का आरोप - युवक का कहना है कि वह डरकर कमरे में बंद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद शैलेष सिंह, उनके बेटे शशांक सिंह और ड्राइवर ने उसके साथ मारपीट की।

कोहली-रोहित के बाद श्रेयस अय्यर पर जिम्मेदारी, इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने की बड़ी चुनौती

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तानी संभालने जा रहे श्रेयस अय्यर के सामने बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, उन्होंने अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी असली परीक्षा कप्तानी नहीं, बल्कि बल्लेबाजी में होगी।

कोहली-रोहित के बाद इतिहास रचने का मौका - पुजारा ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि इंग्लैंड की सरजमीं पर टी20 सीरीज जीतना आसान नहीं होगा। अगर श्रेयस अय्यर इस सीरीज में टीम इंडिया को जीत दिलाते हैं तो वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बनना आसान नहीं होगा। इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। वह पहली बार भारत की टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं और लगभग दो साल बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं, इसलिए चुनौती बड़ी है।

कप्तानी पर नहीं, बल्लेबाजी पर होगी असली परीक्षा - हालांकि पुजारा को कप्तान के तौर पर अय्यर पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ उनके प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इसी वजह से उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है। पुजारा ने कहा, कप्तान के रूप में मुझे श्रेयस अय्यर पर कोई शक नहीं है। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ शानदार काम किया है। वह आक्रामक सोच वाले कप्तान हैं, सामने से नेतृत्व करते हैं और खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं। कप्तानी में वह सफल रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, लेकिन उनकी असली परीक्षा बल्लेबाजी होगी। उन्हें मिडिल ऑर्डर में खुद को साबित करना होगा और इंग्लैंड की परिस्थितियों में रन बनाकर दिखाने होंगे।

वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर भी दिया बड़ा बयान - पुजारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि भारतीय टीम के मजबूत टॉप ऑर्डर को देखते हुए फिलहाल उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वैभव बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन को देखते हुए उनके तत्काल अंतरराष्ट्रीय डेब्यू की संभावना कम नजर आती है।

न्यूज़ीलैंड-इंग्लैंड

टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

लंदन (एजेंसी)। टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल - इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका - इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था।